epaper.dehatsandesh.com

3 जम्मू-कश्मीर की राहत सिंह ने फेमिना मिस इंडिया 2026 में टॉप-5 में बनाई जगह

5 सिंदारोव ने कारूआना को हराकर बनाई एकल बढ़त

8 कीवी फल की खेती

मौसम जम्मू — न्यूनतम 17 — अधिकतम 25

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-81 | जम्मू तवी, शुक्रवार 03 अप्रैल, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

संसद की कार्यवाही 13 दिनों के लिए स्थगित, 16 से 18 अप्रैल तक महिला आरक्षण पर चर्चा

नई दिल्ली, 02 अप्रैल । संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही गुरुवार को 16 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी गई। 13 दिनों के अंतराल के बाद संसद के बजट सत्र की कार्यवाही 16 अप्रैल को सुबह 11 बजे फिर शुरू होगी।

यह बैठक 18 अप्रैल तक चलेगी। माना जा रहा है कि इस बैठक में महिला आरक्षण को लागू कराने के लिए विधेयक लाया जाएगा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज कहा कि उन्हें संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू की ओर से अनुरोध प्राप्त हुआ है। उसके अनुसार सरकारी कार्य से 16 अप्रैल को फिर बैठेंगे। उन्होंने कहा कि इस दौरान प्रश्नकाल, शून्यकाल और प्राइवेट मेंबर टाइम नहीं होगा। स्पीकर ने लोकसभा की कार्यवाही 16 अप्रैल को 11 बजे तक के लिए स्थगित करने की घोषणा की।

इससे पहले, राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित करते हुए उपसभापति हरिवंश ने कहा कि कार्यवाही 16 अप्रैल को 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है। उल्लेखनीय है कि इस साल 28 जनवरी को शुरू हुआ बजट सत्र 02 अप्रैल को समाप्त होना था। लेकिन सरकार महत्वपूर्ण विधेयक लाने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक सरकार का पूरा फोकस अब महिला आरक्षण कानून को जल्द से जल्द जमीन पर उतारने पर है। इसके लिए लोकसभा की मौजूदा सीटों की संख्या को 543 से बढ़ाकर 816 करने की तैयारी है। दरअसल, वर्ष 2023 में संसद ने भारी बहुमत से महिला आरक्षण बिल को पास किया था लेकिन उस कानून में एक पेंच फंसा था। नियम के मुताबिक, देश में अगली जनगणना और परिसीमन के बाद ही महिला आरक्षण लागू हो सकता था। इस प्रक्रिया में लंबा वक्त लग सकता है। अब सरकार इसी अड़चन को दूर करना चाहती है। इस संशोधन विधेयक से नई जनगणना का इंतजार किए बिना, साल 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही परिसीमन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके। सरकार चाहती है कि महिलाओं को जल्द उनका हक मिले।

इस संशोधन के जरिए लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर 816 किया जा सकता है। यानी सीटों की संख्या में सीधे 50 फीसदी की बढ़ोतरी। अगर ऐसा होता है तो बढ़ी हुई सीटों में से एक-तिहाई यानी लगभग 273 सीटें सीधे महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी।

जम्मू-कश्मीर में आवश्यक वस्तुओं की तत्काल कमी नहीं : मुख्यमंत्री उमर

जम्मू, 02 अप्रैल । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे घटनाक्रम केंद्र सरकार और जनता दोनों के नियंत्रण से परे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि जम्मू-कश्मीर की स्थिति काफी हद तक राष्ट्रीय परिदृश्य को प्रतिबिंबित करेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में फिलहाल ईंधन सहित आवश्यक वस्तुओं की कोई कमी नहीं है और अगले 10 से 15 दिनों के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद है। अब्दुल्ला अपने पिता और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के साथ विधानसभा में भाग लेने के बाद पश्चिम एशिया संकट पर मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के बाकी हिस्सों में जो भी स्थिति होगी, वही जम्मू-कश्मीर में भी दिखेगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल चिंता का कोई कारण नहीं है। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मौजूदा संघर्ष लंबा खिंचता है और देश के अन्य हिस्सों में कमी आती है, तो इसका प्रभाव केंद्र शासित प्रदेश पर भी पड़ सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई हालिया समीक्षा बैठक का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आश्वासन दिया गया है कि कई स्रोतों से आपूर्ति जारी रखी जा रही है।

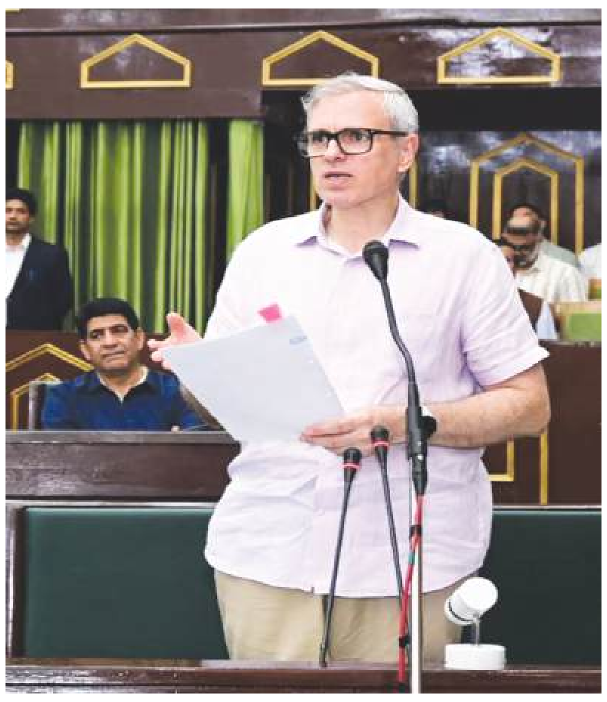

'जम्मू-कश्मीर और पंजाब के बीच 1979 में समझौता को लेकर पंजाब समकक्ष शाहपुर कंडी बांध परियोजना पर प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए याद दिलाएंगे'

जम्मू, 02 अप्रैल । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि वह पड़ोसी राज्य पंजाब के अपने समकक्ष को शाहपुर कंडी बांध परियोजना के संबंध में जम्मू-कश्मीर सरकार के साथ की गई प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए याद दिलाएंगे। विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शाहपुर कंडी बांध परियोजना के संबंध में जम्मू-कश्मीर और पंजाब सरकार के बीच 1979 में हस्ताक्षरित समझौता दो सरकारों के बीच एक संप्रभु प्रतिबद्धता है। मैं अपने स्तर पर पंजाब के अपने समकक्ष के साथ प्रतिबद्धताओं के बारे में मुद्दा उठाऊंगा और उन्हें याद दिलाऊंगा। यह कोई व्यक्तिगत प्रतिबद्धता नहीं है, बल्कि पंजाब सरकार और जम्मू-कश्मीर सरकार के बीच एक संप्रभु प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि समझौते से पीछे हटने का कोई सवाल ही नहीं है मैं उसे याद दिलाऊंगा और समझौते को पूरा करने के लिए मनाऊंगा।

विधानसभा द्वारा पारित तीन विधेयकों को उपराज्यपाल की मंजूरी

जम्मू, 02 अप्रैल । विधानसभा सचिव मनोज कुमार पंडित ने आज सदन को सूचित किया कि उपराज्यपाल ने विधानसभा द्वारा पारित तीन विधेयकों को मंजूरी दे दी है। सदन को सूचित करते हुए सचिव ने पढ़ा कि जम्मू कश्मीर जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक, 2026 (विधायी विधानसभा विधेयक संख्या 1 वर्ष 2026); जम्मू और कश्मीर कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों के खिलाफ भेदभाव उन्मूलन विधेयक, 2026 (विधायी विधानसभा विधेयक संख्या 2 वर्ष 2026) और जम्मू और कश्मीर राज्य सिविल न्यायालय (संशोधन) विधेयक, 2026 (विधायी विधानसभा विधेयक संख्या 3 वर्ष 2026) को उपराज्यपाल ने 31 मार्च 2026 को मंजूरी दे दी है।

पुलवामा में पुलिस ने लाखों की संपत्ति की कुर्क

श्रीनगर, 02 अप्रैल । नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अपने गहन अभियान के तहत और नशीली दवाओं के व्यापार के वित्तीय नेटवर्क को नष्ट करने के उद्देश्य से पुलवामा में पुलिस ने वाघामा बिजबेहारा में स्थित एक दो मंजिला आवासीय घर को कुर्क किया है, जिसकी कीमत लगभग 30,16,402/- (तीस लाख सोलह हजार चार सौ दो रुपये मात्र) है। कुर्क की गई संपत्ति वाघामा बिजबेहरा निवासी मोहम्मद मकबूल गनी के बेटे अतहर मकबूल की है। यह संपत्ति नशीले पदार्थों की तस्करी की आय के माध्यम से अवैध रूप से अर्जित की गई पाई गई है और इसे एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68-एफ के तहत जब्त और संलग्न किया गया है। आरोपी पुलिस स्टेशन लिटर में दर्ज एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21 के तहत मामले की एफआईआर संख्या 03/2026 में शामिल है जो नशीली दवाओं से संबंधित अवैध गतिविधियों में उसकी संलिप्तता को दर्शाता है। पुलिस नशीली दवाओं के खतरे से निपटने और अवैध तरीकों से अर्जित संपत्तियों को लक्षित करने सहित नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने के अपने दृढ़ संकल्प को दोहराती है।

जल जीवन मिशन भुगतान में देरी पर ठेकेदारों ने मंत्री जावेद राणा से लगाई गुहार

जम्मू, 02 अप्रैल । जम्मू-कश्मीर में ठेकेदार समन्वय समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा से मुलाकात कर जल जीवन मिशन के तहत लंबित भुगतानों का मुद्दा उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश में ठेकेदारों को कार्यों के बिलों के भुगतान में भारी देरी का सामना करना पड़ रहा है जिससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने सुधार आधारित एमओयू पर शीघ्र हस्ताक्षर और समय पर फंड जारी करने की मांग की, ताकि लंबित देनदारियों का निपटारा हो सके और सार्वजनिक कार्यों का क्रियान्वयन सुचारू रूप से जारी रहे।

इस दौरान सांबा, रियासी सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए अन्य प्रतिनिधिमंडलों ने भी मंत्री के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। इनमें कृषि भूमि और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए बांध निर्माण, जलभराव और स्वच्छता की समस्या के समाधान हेतु ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने की मांग प्रमुख रही। किश्तवाड़ के पीएचई डिवीजन से जुड़े प्रतिनिधिमंडल ने लंबित मजदूरी के भुगतान की मांग उठाई, जबकि अन्य समूहों ने विभागीय सेवाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों के समाधान की अपील की।

मंत्री जावेद राणा ने सभी प्रतिनिधिमंडलों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि जायज मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मामलों की जांच कर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। मंत्री ने कहा कि सरकार जनता की समस्याओं के समाधान और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा जमीनी स्तर पर सुधार लाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में 2 चरणों में की जाएगी जनगणना : सीपीसीओ अमित शर्मा

जम्मू, 02 अप्रैल । जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में सटीक और पारदर्शी डेटा सुनिश्चित करने के लिए स्व-गणना, मोबाइल-आधारित डेटा संग्रह और जीआईएस मैपिंग के साथ डिजिटल बैकबोन में दो चरणों में जनगणना की जाएगी।

मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी अमित शर्मा ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह अभ्यास पारंपरिक तरीकों से एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है, जिसमें प्रौद्योगिकी गणना से लेकर डेटा प्रोसेसिंग तक केंद्रीय भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर जनशक्ति की तैनाती होगी, जिसमें हजारों पर्यवेक्षकों और गणनाकारों को प्रशिक्षित किया जाएगा और विभिन्न क्षेत्रों में लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी और एक मजबूत डिजिटल ढांचे का लाभ उठाया जाएगा। उन्होंने बताया कि नागरिकों के पास एक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं-गणना का विकल्प भी होगा, जिससे प्रक्रिया अधिक समावेशी और कुशल हो जाएगी। स्व-गणना सुविधा व्यक्तियों को अपना विवरण ऑनलाइन जमा करने की अनुमति देगी, जिससे क्षेत्र का कार्यभार कम होगा और वास्तविक समय डेटा सत्यापन सक्षम होगा। शर्मा ने कहा कि घरों की सूची और गणना के लिए मोबाइल एप्लिकेशन लांच किए जाएंगे, जबकि गणना ब्लॉकों को सटीक रूप से मैप करने के लिए सैटेलाइट इमेजरी और जीआईएस टूल का उपयोग किया जाएगा।

पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग करने वाले निजी सदस्य के प्रस्ताव खारिज

जम्मू, 02 अप्रैल । जम्मू और कश्मीर विधानसभा ने गुरुवार को जम्मू क्षेत्र में पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग करने वाले निजी सदस्य के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। विधायक नरिंदर सिंह रैना द्वारा पेश किया गया यह प्रस्ताव कहता है, यह सदन जम्मू क्षेत्र में पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना के प्रस्ताव का आग्रह करता है- 2047 तक विकसित भारत के लिए एक रणनीतिक अनिवार्यता। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक मीर सैफुल्लाह और कांग्रेस के विधायक निजामुद्दीन भट ने प्रस्ताव में संशोधन पेश किए जिन्हें बाद में ध्वनि मत से खारिज कर दिया गया।

जम्मू-कश्मीर को मिलेगी सिर्फ 12% बिजली: पारा

जम्मू, 02 अप्रैल (। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता वहीद उर रहमान पारा ने गुरुवार को खुलासा किया कि जम्मू-कश्मीर सरकार ने दो नई जलविद्युत परियोजनाएं - 240 मेगावाट की उड़ी स्टेज-II और 260 मेगावाट की दुलहस्ती स्टेज-II परियोजनाएं जिनकी कुल क्षमता 500 मेगावाट है राष्ट्रीय जलविद्युत निगम (एनएचपीसी) को सौंप दी हैं। यह समझौता एनएचपीसी लिमिटेड और जम्मू-कश्मीर जलविद्युत निगम (जेकेएसपीडीसी) के बीच इस वर्ष 27 मार्च को हस्ताक्षरित हुआ था। पीडीपी विधायक के अनुसार समझौता ज्ञापन की शर्तों के तहत जम्मू-कश्मीर एनएचपीसी द्वारा संचालित परियोजनाओं से उत्पादित बिजली का 12 प्रतिशत से अधिक हिस्सा पाने का हकदार है। उन्होंने कहा कि शेष बिजली बिजली ग्रिड को हस्तांतरित की जाएगी जिससे जम्मू-कश्मीर सरकार ऊर्जा घाटे को पूरा करने के लिए बाजार दरों पर बिजली खरीदती है। पीडीपी विधायक ने कहा कि इन परियोजनाओं को 40 वर्षों तक बूट ओट मॉडल के तहत कार्यान्वित किया जाएगा जिसके बाद इन्हें केंद्र शासित प्रदेश को वापस सौंप दिया जाएगा। पारा ने यह बात एक्स पर एक पोस्ट में लिखी। उन्होंने कहा कि 2006 में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर सी. रंगराजन के नेतृत्व में जम्मू और कश्मीर के आर्थिक विकास पर कार्य समूहों का गठन किया था। समूह ने दुलहस्ती और बर्सर परियोजनाओं को जम्मू और कश्मीर को हस्तांतरित करने की सिफारिश की थी लेकिन इस अनुरोध पर ध्यान नहीं दिया गया।

सरकार ने 136 वरिष्ठ व्याख्याताओं को प्रभारी प्राचार्य नियुक्त किया: सकीना इत्तू

सभी रिक्त प्राचार्य पदों को भरने की प्रक्रिया अंतिम चरण में

जम्मू, 02 अप्रैल। शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने आज जानकारी दी कि दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 के दौरान 136 वरिष्ठ व्याख्याताओं को प्रभारी प्राचार्य के रूप में नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, 114 ज़ोनल शिक्षा अधिकारियों को प्रभारी प्राचार्य के रूप में पदोन्नत करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है, जिससे जम्मू-कश्मीर के स्कूल शिक्षा विभाग (SED) में सभी रिक्त प्राचार्य पदों को भरा जा सकेगा। मंत्री ने यह जानकारी विधानसभा में विधायक जाविद हसन बेग द्वारा लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जवाब में दी। उन्होंने बताया कि बारामूला विधानसभा क्षेत्र में विषय-विशेष शिक्षकों के संबंध में 27 शिक्षक/मास्टर/व्याख्याता को उनकी मूल ड्यूटी के अतिरिक्त उन उच्च माध्यमिक विद्यालयों में तैनात किया गया है, जहां वे अपने विषय में विशेषज्ञता रखते हैं। मंत्री ने आगे बताया कि बारामूला क्षेत्र में संचालित 15 उच्च माध्यमिक विद्यालयों में से 9 में प्राचार्य नहीं हैं और इन पदों को पदोन्नति के माध्यम से भरने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 में 136 वरिष्ठ व्याख्याताओं को प्रभारी प्राचार्य बनाया गया है, जबकि 114 ZEOs की पदोन्नति प्रक्रिया अंतिम चरण में है, जिससे जम्मू-कश्मीर भर में, विशेषकर बारामूला क्षेत्र सहित, रिक्त पदों को भरा जाएगा। उन्होंने सदन को यह भी अवगत कराया कि विभिन्न विषयों के 594 व्याख्याता पदों की रिक्तियों को जम्मू-कश्मीर लोक सेवा आयोग को भेजा गया है। चयन सूची लगभग तैयार है और कुछ विषयों के लिए चयन पहले ही प्राप्त हो चुके हैं। मंत्री ने कहा कि विभाग विभिन्न विषयों में पीजी मास्टर/शिक्षकों को प्रभारी व्याख्याता के रूप में भी तैनात कर रहा है। जनवरी 2026 से अब तक 48 पीजी मास्टर/शिक्षकों को भूगोल, 10 को डोगरी और 87 को राजनीति विज्ञान विषय में प्रभारी व्याख्याता बनाया गया है। उन्होंने बताया कि अन्य विषयों में भी यह प्रक्रिया जारी है और जल्द ही पूरी कर ली जाएगी, जिससे जम्मू-कश्मीर, विशेषकर बारामूला क्षेत्र में विषय-विशेष शिक्षकों/व्याख्याताओं की कमी पूरी होगी।

सड़क विस्तार के लिए वन मंजूरी अनिवार्य : उपमुख्यमंत्री

जम्मू, 02 अप्रैल। जम्मू और कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने गुरुवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में बढ़ती यातायात समस्याओं से निपटने और सुगम सड़क संपर्क सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक मंजूरी और बुनियादी ढांचे का उन्नयन अनिवार्य है। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने जम्मू और कश्मीर विधानसभा को सूचित किया कि प्रस्तावित सड़क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा वन भूमि में आता है इसलिए परियोजना के क्रियान्वयन से पहले वन मंजूरी अनिवार्य है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 5.5 मीटर चौड़ी मौजूदा सड़क बढ़ते यातायात भार को संभालने के लिए अपर्याप्त है। उन्होंने बताया कि वाहनों की आवाजाही में वृद्धि, विशेष रूप से लस्सीपोरा में औद्योगिक विकास केंद्र के कारण सड़क बुनियादी ढांचे पर दबाव बढ़ा रही है। उन्होंने क्षेत्र में सुगम यातायात प्रवाह और बेहतर संपर्क सुनिश्चित करने के लिए सड़क के चौड़ीकरण और उन्नयन की आवश्यकता पर बल दिया।

जम्मू-कश्मीर में बड़े फेरबदल में 82 पुलिस अधिकारियों का तबादला

जम्मू, 02 अप्रैल । जम्मू-कश्मीर सरकार ने गुरुवार को पुलिस विभाग में एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 82 भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और जम्मू-कश्मीर पुलिस सेवा (जेकेपीएस) के अधिकारियों का तबादला किया।गृह विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार राजौरी-पुंछ रेंज के डीआईजी वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी तेजिंदर सिंह का तबादला कर उन्हें आईजीपी सीआईडी के पद पर तैनात किया गया है।

उधमपुर-रियासी रेंज की डीआईजी सारा रिजवी को आईजीपी क्राइम बनाया गया है जबकि कश्मीर के सशस्त्र विभाग के डीआईजी शाहिद मेहराज राथर को पुलिस दूरसंचार निदेशक नियुक्त किया गया है। डोडा-किश्तवाड-रामबन रेंज के डीआईजी श्रीधर पाटि ल अब जम्मू-सांबा-कठुआ के डीआईजी के रूप में कार्यभार संभालेंगे। आदेश में कहा गया है कि रेलवे के डीआईजी हसीब-उर-रहमान को कश्मीर के यातायात विभाग का डीआईजी बनाया गया है। पीएचक्यू मुख्यालय की डीआईजी निशा नथ्याल को डीआईजी आईआर जम्मू के पद पर तैनात किया गया है जबकि विनोद कुमार को इसी पद से डीआईजी उत्तरी कश्मीर रेंज के रूप में स्थानांतरित किया गया है मकसूद-उल-ज़मान का तबादला डीआईजी सशस्त्र कश्मीर के रूप में और शिव कुमार शर्मा का डीआईजी उधमपुर-रियासी रेंज के रूप में किया गया है। अन्य आईपीएस अधिकारियों में सरगुन को डीआईजी डोडा-किश्तवाड-रामबन रेंज, संदीप वज़ीर को डीआईजी राजौरी-पुंछ रेंज और अनीता शर्मा को डीआईजी सीडी और एसडीआरएफ जम्मू के रूप में पदोन्नत किया गया है। जतिंदर सिंह जोहर डीआईजी मुख्यालय का पदभार संभालेंगे जबकि स्वर्ण सिंह कोतवाल डीआईजी के समकक्ष रैंक के साथ निदेशक एसएसएफ के पद पर बने रहेंगे।

जम्मू-कश्मीर बिजली बकाया 3,747 करोड़ रुपये के पार : मुख्यमंत्री

जम्मू, 2 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में सरकारी विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों और सुरक्षा प्रतिष्ठानों पर बिजली का बकाया बढ़कर 3,747 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है जिसमें प्रमुख देनदारियां प्रमुख बुनियादी ढांचे और उपयोगिता विभागों में केंद्रित हैं। Q 16 साल खेल के दिखाओ बिजली बकाया का ये विवरण मुख्यमंत्री जो बिजली विकास विभाग (पीडीडी) के प्रभारी हैं ने विधानसभा में पीडीपी विधायक आगा सैयद मुंतज़िर मेहदी द्वारा उठाए गए एक सवाल के जवाब में साझा किया था। आंकड़ों के मुताबिक, कुल बकाया 3,74,735.42 लाख रुपये है जिसमें कश्मीर पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के तहत 2,31,022.41 लाख रुपये और जम्मू पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के तहत 1,43,713.01 लाख रुपये शामिल हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग (पीएचई) विभाग 1,30,043 लाख रुपये की बकाया राशि के साथ सबसे बड़े बकाएदार के रूप में उभरा है, इसके बाद सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग 58,059.72 लाख रुपये का बकाया है। सुरक्षा एजेंसियों में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) पर 29,638.45 लाख रुपये बकाया हैं जबकि सेना पर 19,719.94 लाख रुपये और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पर 1,116.87 लाख रुपये बकाया हैं।

मुख्य सचिव ने D-BRAP 2025 के तहत लंबित सुधारों में तेजी लाने के निर्देश दिए

जम्मू, 02 अप्रैल। मुख्य सचिव अतल डुल्लू ने आज जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों और विभागों में जिला व्यवसाय सुधार कार्ययोजना -2025 के तहत हुई प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक आयोजित की। ये सुधार उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के मार्गदर्शन में लागू किए जा रहे हैं। यह बैठक उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा समन्वित की गई, जिसमें संबंधित प्रशासनिक सचिव, वरिष्ठ अधिकारी, निदेशक उद्योग जम्मू तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। विभागवार सेवाओं और D-BRAP के तहत निर्धारित सुधार मानकों की विस्तृत समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने इन सुधारों के महत्व पर जोर दिया, जो नागरिकों के कल्याण को बढ़ाने और केंद्र शासित प्रदेश में अनुकूल व्यावसायिक वातावरण बनाने में सहायक हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल जमीनी स्तर पर 'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' दोनों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण है। मुख्य सचिव ने उद्योग एवं वाणिज्य विभाग को निर्देश दिए कि वे अन्य विभागों और जिला प्रशासन के साथ समन्वय को और मजबूत करें। उन्होंने कहा कि अधिकांश सुधारों का पालन किया जा चुका है, लेकिन शेष बिंदुओं को समय पर पूरा करने के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता है।

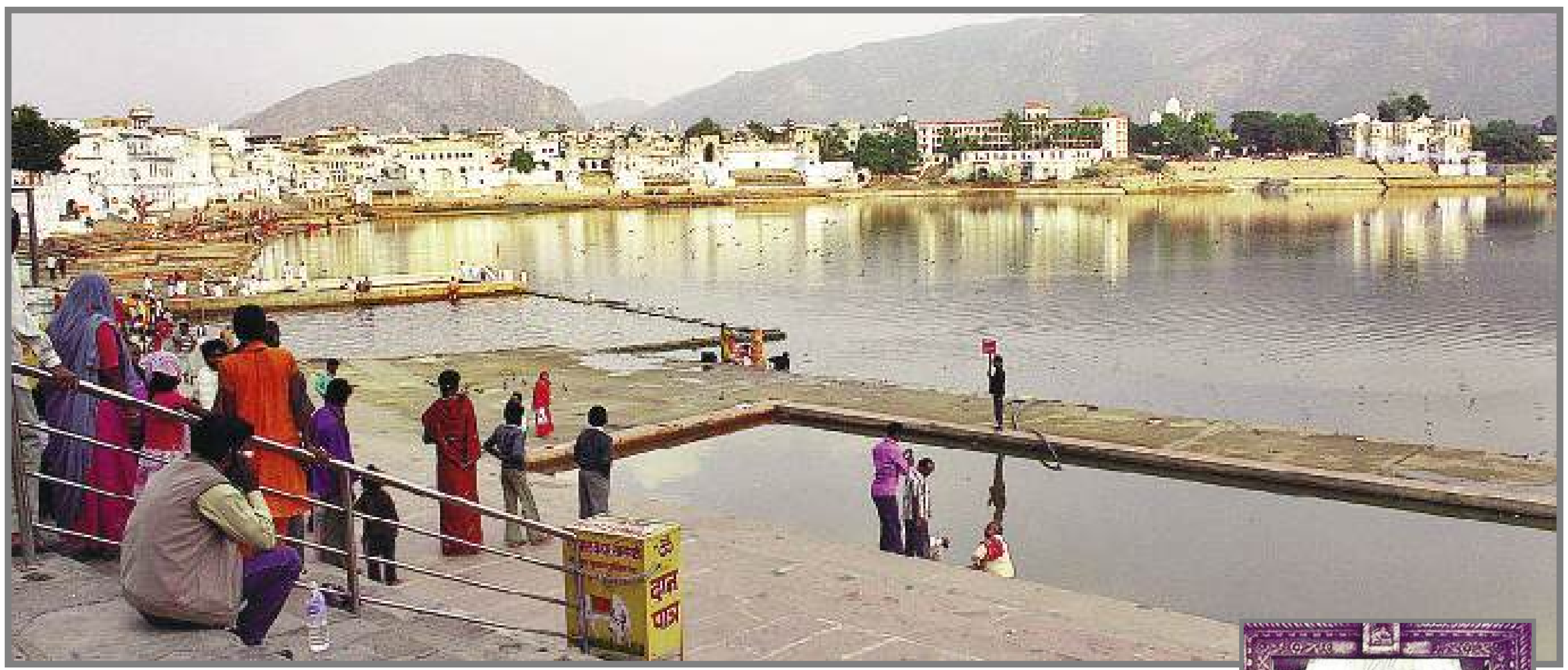

इन स्थानों को देखे बिना अधूरी ही रहेगी आपकी पुष्कर ट्रिप

रेत, पहाड़, जंगल और झील का अनोखा संगम है राजस्थान के शहर पुष्कर में। वैसे तो पुष्कर 3 वजहों से- ऊंट का मेला, पवित्र और आध्यात्मिक पुष्कर झील में डुबकी और ब्रह्मा जी के मंदिर की वजह से दुनियाभर में मशहूर है। लेकिन कई और जगहें भी हैं जहां गए बिना आफकी पुष्कर की ट्रिप अधूरी है। रेत और झील से दिखता है बेहतरीन सूर्योदय और सूर्यास्त का दृश्य हो, यहां का लजीज खाना हो या फिर चांदी के गहनों के लिए प्रसिद्ध यहां का बाजार..हर एक चीज आपको अपनी ओर आकर्षित करेगी।

ऊंट की सफारी : पुष्कर और आसपास के इलाकों में मौजूद रेगिस्तान और रेत में घूमने का सबसे बेस्ट तरीका है ऊंट की सवारी। ऊंट की सफारी का मजा लेना अपने आप में एक अमेजिंग एक्सपीरियंस है जिसे हर किसी को एक बार जरूर ट्राई करना चाहिए।

हॉट एयर बलून राइड : अगर आप पुष्कर मेले के समय पुष्कर जाएं तो हॉट एयर बलून की सवारी करना न भूलें। इस बलून के जरिए आपको मेले में मौजूद भीड़ से बचकर मेले का बेहतरीन नजारा देखना का अनुभव मिलेगा।

झील के किनारे बिताएं शाम : पुष्कर की शामें यहां की मशहूर झील के किनारे बैठकर गर्मा गर्म कॉफी पीते हुए बिताना बेहतरीन अनुभव है। आप अपने सामने सूरज को ढलते और शाम को बढ़ते हुए देख सकते हैं। जब मंदिर के पीछे सूरज ढलने लगता है और झील के पानी का रंग बदलता है तो उस नजारे को आंखों में कैद कर लेने का दिल करता है।

अजयपाल जी मंदिर के दर्शन : पुष्कर से 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है अजयपाल जी का मंदिर। अजमेर शहर के संस्थापक राजा अजय पाल ने यह मंदिर 11वीं शताब्दी में बनवाया था। यह मंदिर चारों तरफ से संगमरमर के बड़े-बड़े पत्थरों से घिरा जिस वजह से यह मंदिर देखने में बेहद खूबसूरत है।

रत्नागिरी पहाड़ की चढ़ाई : पुष्कर की ट्रिप पर कुछ अडवेंचरस करने के मूड में हैं तो रत्नागिरी के पहाड़ियों पर पुष्कर झील से दक्षिण-पश्चिम की तरफ चढ़ाई करें। यह चढ़ाई करीब 1.5 किलोमीटर की है जिसे पूरा करने में 2 घंटे का वक्त लगता है। इस पहाड़ी की चोटी पर स्थित है सावित्री देवी मंदिर जो ब्रह्मा जी की पत्नी को समर्पित है।

कलबेलिया डांस का लुत्फ उठाएं : पुष्कर में दिन भर घूमने के बाद शाम में अपनी थकान मिटाने का सबसे बेस्ट तरीका है कलबेलिया डांस परफॉर्मेंस। यह राजस्थान का सबसे फेमस और भावुक डांस फॉर्म है जिसे यहां के कलबेलिया ट्राइब के लोग करते हैं।

नई व्यवस्था

तीन घंटे ही होगा ताजमहल का दीदार,

एक अप्रैल से लागू होंगे नए नियम

ताजमहल देखने के लिए 30 से 40 हजार पर्यटक आते हैं और अवकाश एवं विशेष अवसरों पर यह संख्या करीब 1 लाख तक पहुंच जाती है। जब भी बात उत्तरप्रदेश पर्यटन की होती है, तो आगरा के ताजमहल के बारे में भी जरूर बात की जाती है। पिछले दिनों भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ताजमहल के संरक्षण के लिए काफी बदलाव किए। इन नए नियमों के तहत आने वाले पर्यटकों की संख्या हर दिन 40,000 सीमित करना शामिल रहा। वहीं अब टिकट लेकर केवल तीन घंटे की अधिकतम सीमा तक ही आप ताजमहल परिसर में ठहर सकते हैं।

आगामी अप्रैल माह से यदि आप ताजमहल देखने जाएंगे तो आपको तीन घंटे के भीतर ही पूरा परिसर देखकर बाहर आना होगा। साथ ही इसके पर्यटक टिकट में भी मामूली बढ़ोत्तरी होने जा रही है। ताजमहल परिसर में प्रवेश के लिए टिकट का मूल्य 40 रुपए से बढ़ाकर 50 रुपए किया जाएगा। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट की कीमत 1000 रुपये है। वहीं जो भारतीय 40,000 की संख्या पार होने के बाद भी ताजमहल देखना चाहते हैं, वे 1000 रुपये का टिकट खरीदकर ताजमहल देख सकते हैं।

ताजमहल देखने के लिए लेना पड़ेगा 1000 का टिकट! घूमने से पहले जान लीजिए ये नए नियम

अधिकारियों का कहना है कि आम दिनों में ताजमहल देखने के लिए 30 से 40 हजार पर्यटक आते हैं और अवकाश एवं विशेष अवसरों पर यह संख्या करीब एक लाख तक पहुंच जाती है। इतनी बड़ी भीड़ को नियंत्रित करना कोई आसान नहीं होता। ताजमहल में पर्यटकों के प्रवेश से निर्धारित समय से आधे घंटे पहले टिकट खिड़कियां खुलेंगी और बंद होने के निर्धारित समय से आधे घंटे पहले बंद हो जाएंगी। इससे भीड़ को नियंत्रित किया जा सकेगा। वहीं ऊंचे मूल्य वाले टिकट की भी व्यवस्था की जाएगी और ऐसे पर्यटकों को विशेष सुविधा दी जाएगी।

स्पेन में लें बियर स्पा का मजा दिलचस्प जगहों पर घूमना न भूलें

स्पेन में एक ऐसा बियर बार है, जहां पर आप सिर्फ बियर पी ही नहीं सकते बल्कि यहां नहा भी सकते हैं. घूमने-फिरने के शौकीन लोग, हमेशा नई जगहों की तलाश में रहते हैं. उन्हें किसी दिलचस्प जगहों के बारे में जानने का बड़ा ही शौक होता है. दुनिया का सबसे ऊंचा टॉवर हो या आलीशान इमारत, वो हर जगह घूमना चाहते हैं. आइए, हम आपको बताते हैं ऐसी ही दिलचस्प जगह के बारे में.

स्पेन में बियर बार स्पा : स्पेन में एक ऐसा बियर बार है, जहां पर आप सिर्फ बियर पी ही नहीं सकते बल्कि यहां नहा भी सकते हैं. स्पेन के ग्रनाडा शहर में खुला है पहला बियर स्पा जहां कस्टमर्स बियर के टब में नहाते हुए बियर पीने का लुत्फ उठा सकते हैं. ऐंटिऑक्सिडेंट्स और विटामिन बी से भरपूर बियर आपकी स्किन और बालों के लिए भी बहुत अच्छी मानी जाती है. यूरोप में वैसे भी बियर स्पा काफी मशहूर और अक्सर लोग स्ट्रेस कम करने और रिलैक्स करने के मकसद से यहां आते हैं. इन बातों के लिए भी खास है स्पेन

ग्रनाडा : इतिहास के पन्नों में मुस्लिम साम्राज्य के दौरान यह स्पेसन का सबसे बेजोड़ शहर हुआ करता था और आज भी है. इस शहर की पाक कला, वास्तु कला और शिल्प कला पर अरबी प्रभाव देखा जा सकता है. यूरोप का सबसे खूबसूरत महल अहम्बरा भी यहीं मौजूद है. यह अपने अनोखे मौसम, बर्फ से ढके पहाड़ों और खूबसूरत बीचों के लिए भी जाना जाता है.

बार्सिलोना : स्पेन के सबसे पसंदीदा शहरों में से एक बार्सिलोना सिटी यहां आने वालों को कई तरह से पसंद आती है जैसे, यहां साल भर नई-नई डिशेज, फैशन और म्यूजिक की धूम रहती है. यह शहर खासतौर से अपनी फुटबॉल टीम के लिए मशहूर है. मशहूर आर्किटेक्ट एंटोनी गाओदी द्वारा बनाई गई इमारतें बहुत ही खूबसूरत हैं.

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

अवैध खनन व बढ़ते नशे पर भड़के लोग, सिस्टम पर उठाए गंभीर सवाल

कठुआ, 02 अप्रैल (हि.स.)। जिला मुख्यालय से करीब 10-12 किलोमीटर दूर कंडी क्षेत्र के गांव सहार, लोगेट, बरवाल सहित कई इलाकों के सरपंचों, पंचों और स्थानीय लोगों का एक प्रतिनिधिमंडल अपनी समस्याओं को लेकर जिला सचिवालय पहुंचा और उपायुक्त कठुआ से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि करीब एक माह पहले भी वे इन्हीं मुद्दों को लेकर प्रशासन से मिले थे, लेकिन आश्वासन के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों की मुख्य मांगों में कंडी क्षेत्र में बढ़ते नशे और अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई शामिल है। इस दौरान लोगों ने प्रशासन पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि अब उन्हें यह समझ आ गया है कि पूरा सिस्टम भ्रष्ट है और अवैध गतिविधियों में लिप्त है, जिसके चलते इन पर लगाम नहीं लग पा रही। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि हर मुद्दे के लिए लोगों को सड़कों पर उतरना पड़े, तो फिर जिला सचिवालय में बैठे अधिकारियों की क्या भूमिका है।

पूर्व सरपंच परषोत्तम सिंह भोली ने माइनिंग विभाग पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी अवैध खनन की शिकायत की जाती है, तो संबंधित अधिकारी टालमटोल भरे जवाब देते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के बयान यह दर्शाते हैं कि विभागीय स्तर पर गंभीरता की कमी है। प्रतिनिधिमंडल ने जनप्रतिनिधियों को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि विधानसभा सत्र के दौरान भी इन जमीनी मुद्दों को नहीं उठाया जा रहा, जिससे लोगों को अपने हक के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों ने पिछले वर्ष आई बाढ़ और आपदा का जिक्र करते हुए चेतावनी दी कि यदि अवैध खनन पर रोक नहीं लगी, तो आने वाले समय में और बड़ी तबाही हो सकती है। उन्होंने बताया कि बाढ़ के कारण हजारों कनाल कृषि भूमि बह गई और करोड़ों का नुकसान हुआ, बावजूद इसके अब तक लोगेट पुल बंद पड़ा है और अवैध खनन जारी है।

जम्मू-कश्मीर की राहत सिंह ने फेमिना मिस इंडिया 2026 में टॉप-5 में बनाई जगह

जम्मू, 02 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर की प्रतिभाशाली युवा राहत सिंह ने फेमिना मिस इंडिया 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी केंद्र शासित प्रदेशों में टॉप-5 में स्थान हासिल कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल जम्मू-कश्मीर बल्कि पूरे देश में गर्व की भावना पैदा की है। इससे पहले राहत सिंह को मिस जम्मू-कश्मीर 2024 का खिताब भी मिल चुका है। एक कुशल मेकअप आर्टिस्ट के रूप में अपनी पहचान बना चुकी राहत ने अपनी रचनात्मकता और आत्मविश्वास के दम पर इस मुकाम को हासिल किया है। उनकी सफलता की कहानी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है जो यह दर्शाती है कि मेहनत, समर्पण और दृढ़ इच्छाशक्ति से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। राहत सिंह ने अपने सफर में न केवल सौंदर्य बल्कि प्रतिभा, व्यक्तित्व और उद्देश्यपूर्ण सोच का भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जिससे वह राष्ट्रीय मंच पर अलग पहचान बनाने में सफल रहीं।

क्लस्टर यूनिवर्सिटी जम्मू की अकादमिक काउंसिल बैठक में अहम शैक्षणिक सुधारों को मंजूरी

जम्मू, 02 अप्रैल (हि.स.)। क्लस्टर यूनिवर्सिटी जम्मू की अकादमिक काउंसिल की 8वीं बैठक वीरवार को कुलपति प्रो. के. एस. चंद्रशेखर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में श्रीनगर क्लस्टर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मोबिन मोहम्मद विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। बैठक का एजेंडा डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. ट्विंकल सूरी द्वारा प्रस्तुत किया गया जिसमें विभिन्न संकायों के डीन, प्राचार्य, विभागाध्यक्ष और अन्य अधिकारी शामिल रहे। इस दौरान पिछली बैठक की कार्यवाही और एक्शन टेकन रिपोर्ट को मंजूरी दी गई। अकादमिक काउंसिल ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप कई महत्वपूर्ण सुधारों को स्वीकृति दी।

इनमें एक वर्षीय और दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम लागू करने, 48 शिक्षकों को पहली बार पीएचडी गाइड के रूप में मान्यता देने और विज्ञान में इंटीग्रेटेड प्रोग्राम दोबारा शुरू करने का फैसला शामिल है। काउंसिल ने लर्निंग आउटकम आधारित पाठ्यक्रम को अपनाते हुए शिक्षा को अधिक परिणामोन्मुख बनाने पर जोर दिया। साथ ही बीबीए और बीसीए पाठ्यक्रमों को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ढालने तथा शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के मानकों के अनुसार मजबूत करने का निर्णय लिया गया। नई पहलों के तहत वैदिक अध्ययन विभाग की स्थापना, जियोग्राफी में पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड पीजी प्रोग्राम, एनवायरनमेंटल साइंस में एमएससी (रिन्यूएबल एनर्जी स्पेशलाइजेशन) सहित कई कोर्स शुरू किए जाएंगे। इसके अलावा साइबर सिक्योरिटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डोगरी अनुवाद जैसे विषयों को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।

विद्यार्थियों ने वृद्ध आश्रम में पेश किया भावपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम

जम्मू, 02 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू के सेंट स्टीफंस कॉलेज ऑफ नर्सिंग के 53 विद्यार्थियों के एक समूह ने अपनी प्राध्यापिकाओं के साथ वृद्धाश्रम अम्फाला में एक हृदयस्पर्शी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल ने बुजुर्गों के बीच खुशी और अपनत्व का वातावरण पैदा किया।

कार्यक्रम की शुरुआत समिति सदस्य सतपाल शर्मा के स्वागत संबोधन से हुई जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की। कार्यक्रम में लघु नाटिका, पुराने मधुर गीतों और आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों ने आश्रम के निवासियों को भावविभोर कर दिया।

आश्रम के अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने संस्था की गतिविधियों और सेवाओं पर प्रकाश डाला जबकि सचिव डॉ. दिनेश गुप्ता सहित अन्य सदस्य भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। इस दौरान एक भावुक क्षण तब देखने को मिला जब निवासी रमेश कुमार और राजिंदर सिंह राजपूत ने अपने जीवन अनुभव साझा किए जिससे विद्यार्थियों और बुजुर्गों के बीच गहरा जुड़ाव बना। कार्यक्रम को और भी खास बनाते हुए एक अन्य निवासी अशोक कुमार गुप्ता ने मधुर गीत प्रस्तुत किया। अंत में सिस्टर राजिंदर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए युवाओं से बुजुर्गों का सम्मान करने और उनके साथ समय बिताने का संदेश दिया। यह कार्यक्रम करुणा, सामाजिक जिम्मेदारी और बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता का एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया।

कर्मचारियों ने सरकार को मांगें पूरी करने के लिए दिए 2 महीने

जम्मू,, 02 अप्रैल (हि.स.) जम्मू-कश्मीर नेशनल हेल्थ मिशन एम्प्लॉइज एसोसिएशन ने स्वास्थ्य मंत्रालय के सकारात्मक हस्तक्षेप के बाद अपनी प्रस्तावित हड़ताल को फिलहाल टाल दिया है। सरकार की ओर से बैठक के लिए आमंत्रण मिलने के बाद एसोसिएशन ने संयुक्त समन्वय समिति कर्मचारियों के साथ सिविल सचिवालय जम्मू में स्वास्थ्य मंत्री और मिशन डायरेक्टर एनएचएम के साथ उच्च स्तरीय बैठक में भाग लिया बैठक के बाद एसोसिएशन ने संवाद और समाधान की दिशा में सकारात्मक रुख अपनाते हुए हड़ताल को स्थगित करने का फैसला लिया।

कठुआ में संदिग्ध हालात में युवक का शव बरामद, ओवरडोज से मौत की आशंका

कठुआ, 02 अप्रैल (हि.स.)। कठुआ शहर के रामलीला मैदान के समीप गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में एक अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव सबसे पहले स्थानीय लोगों की नजर में आया जिन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही कठुआ पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसी कठुआ भेज दिया।

मृतक की पहचान फिलहाल नहीं हो पाई है। स्थानीय लोगों के अनुसार शव के पास से कुछ इंजेक्शन और नशीला सामान बरामद हुआ है जिससे युवक की मौत नशे की ओवरडोज से होने की आशंका जताई जा रही है। लोगों ने बताया कि शहर में 卐चिट्टा卐 जैसे नशे का कारोबार लगातार बढ़ रहा है जिससे युवा वर्ग इसकी चपेट में आ रहा है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन पर चिंता जताते हुए कहा कि नशे के कारण युवाओं की जान जा रही है और इस पर सख्त कार्रवाई की जरूरत है।

उन्होंने जिला प्रशासन और पुलिस से मांग की कि नशा तस्करों के खिलाफ ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएं। हालांकि पुलिस द्वारा लगातार नशा कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है लेकिन इसके बावजूद इस पर पूरी तरह से अंकुश नहीं लग पा रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल अभियंता–तृतीय/फिरोजपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई–निविदाएं, अंतिम तिथि **22.04.2026** समय **15:00** बजे तक, **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल/संशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते हैं। मैन्युअल निविदा मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ठेकेदार निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल **www.ireps.gov.in** पोर्टल पर उपलब्ध ऑन लाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैकिंग, डेबिट कार्ड व क्रेडिट कार्ड आदि से भुगतान कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, एफ.डी.आर. व रसीदों आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नही हैं।

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	बोली प्रणाली
खुला	कार्य	एकल पैकेट प्रणाली
निविदा अपलोड करने की तिथि	**बोली शुरू की तिथि**	**बोली समापन की तिथि तथा समय**
30.03.2026	08.04.2026	22.04.2026/ 15:00 बजे

क्रम संख्या	निविदा संख्या	निविदा का विवरण
1.	267-2025-26-SrDEN-III-FZR	वरिष्ठ डिविजनल इंजीनियर-तृतीय के अधिकार क्षेत्र में ट्रैफिक विभाग के 09 एल–क्रॉसिंग्स के बुनियादी ढांचे में सुधार, तथा फिरोजपुर डिवीजन में ट्रैफिक विभाग के 33 एल–क्रॉसिंग्स के बुनियादी ढांचे में सुधार का कार्य।

विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि (रु.)	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि
84,33,242.70	1,68,700.00	60 दिन	09 महीने

समान प्रकृति का कार्य:- "ट्रैक निर्माण कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।"

नोट: 1. निविदा डालने से पहले, निविदाकर्ता निविदा के संबंध में जारी किए गए किसी भी शुद्धिपत्र की जाँच करेंगे। 2. हिन्दी में किसी भी त्रुटि हेतु अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करे, तथा अंग्रेजी वर्जन ही मान्य होंगे।

सं.: 267-2025-26-SrDEN-III-FZR दिनांक: 01.04.2026 **1111/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मिशन युवा के तहत एसबीडीयू का डीसी ने किया निरीक्षण

कठुआ, 02 अप्रैल (हि.स.)। उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने जिला रोजगार एवं काउंसलिंग केंद्र में मिशन युवा के तहत स्थापित स्मॉल बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट का दौरा किया। इस दौरान डीसी ने कहा कि यह यूनिट युवाओं और उद्यमियों को एक ही स्थान पर मार्गदर्शन, वित्तीय सहायता, बाजार से जुड़ाव और तकनीकी सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे इस सुविधा का लाभ उठाकर अपने विचारों को स्वरोजगार में बदलें। उन्होंने बताया कि एसबीडीयू के माध्यम से डीपीआर तैयार करने, सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने और जमीनी स्तर पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

पठानिया ने कैंसर इलाज और दवाओं में गड़बड़ी का मुद्दा उठाया

जम्मू,, 02 अप्रैल (हि.स.) विधायक आर. एस. पठानिया ने केंद्र शासित प्रदेश में कैंसर के इलाज और दवाओं से जुड़ी अनियमितताओं का मुद्दा उठाते हुए इसे गंभीर मामला बताया है और इस पर विस्तृत चर्चा की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि कैंसर रोगियों के उपचार और दवाओं की उपलब्धता को लेकर कई तरह की समस्याएं सामने आ रही हैं, जिनका सीधा असर मरीजों और उनके परिवारों पर पड़ रहा है।

पठानिया ने कहा कि इस संवेदनशील मुद्दे पर सरकार को तत्काल ध्यान देना चाहिए और स्वास्थ्य सेवाओं की पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि कैंसर उपचार से जुड़ी व्यवस्थाओं, दवाओं की आपूर्ति और संबंधित प्रक्रियाओं की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी का पता लगाया जा सके।

उन्होंने जोर देकर कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों को समय पर और उचित उपचार मिलना अत्यंत आवश्यक है, लेकिन यदि व्यवस्था में खामियां होंगी तो इसका सीधा नुकसान आम लोगों को उठाना पड़ेगा।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER JAL SHAKTI (I&FC)DIVISION DODA

NOTICE INVITING TENDER

Stage tenders for the year 2026-27

e-NIT No.03 of 04/2026 dated 01-04-2026

Tenders are invited by the Executive Engineer Jal Shakti (I& FC) Division Doda on behalf of the Lieutenant Governor of Union Territory of J&K by e-tendering mode ofpercentage basis on SSR 2022 from Govt. approved and eligible contractors registered with J&K State Govt. (U.T Now) having valid registration card, the Technical Bid shall be opened on 11-04-2026 at1:00 PM for the following works:

S. No.	Name of work	Cost of Documents	Cost of work (Rs. In lacs)	Earnest Money (In Rs.)	Validity of work	Class of contract or
1	2	3	4	5	6	7
02	Stage contract for urgent Improvement Repair /Restoration of works for all the khulsfalling under the jurisdiction of Sub-Division Doda for the year 2026-27.	1000	(To be decided after approval of ARD)MH (2702)	20000	Upto 31-03-2027	A,B,C,D.

Date of Publishing:	02-04-2026(11:30 AM.)
The Bidding documents can be downloaded from the website http://jktenders.gov.infrom	02-04-2026from 02.00 PM.
The Bids shall be deposited in electronic format on the website http://jktenders.gov.infrom	02-04-2026from 04.00 PM To 10-04-202606:00 pm.

1. The Technical bids uploaded on the website will be opened on: 11.04.2026(1.00 PM) in the office of the Executive Engineer Irrigation & F C Division Doda in presence of the bidders who wish to attend. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids will be opened on the next working day at the same time and venue.
2. Bidding documents can be viewed at and downloaded from the website http://www.jktenders.gov.in. Bidding documents contain qualifying criteria for bidders and other details. The complete bidding process will be on line.
3. Check list e-Tenders must be accompanied/ uploaded scanned copy of the following Documents.
(1) Registration Card duly renewed for the current financial year 2025-26./2026-27
(2) Cost of Tender Documents in shape of Treasury Challan/ Receipt by crediting the requisite charges to MH 0702 Revenue (mentioning therein NIT No, S.No& Name of work).
(3) Scanned copy of EMD/CDR in favour of Executive Engineer, Jal shakti (I&FC) Division Doda (tender receiving authority)
(4) Scanned copy of GST3B (Latest Return quarter wise /Monthly), latest copy of ITR certificate (last year)
(5) Scanned copy of PAN Card.
(6) Scanned copy of Address, Mobile No./ Whats app No & email ID and Bank Account No along with IFSC code have to attach by the bidders.
(7) The Bidder must upload a certificate of having satisfactorily completed at least one contract of any Govt./ Semi Govt. department during the last three years. Contract certificate to this effect to be issued by an officer not below the rank of Executive Engineer.
(8) The bidders are directed to upload the copy of Affidavit yearly duly attested by the 1st Class Magistrate for the current financial year 2026-27.
(9) Bidders are hereby advised to submit the Additional Performance Security (Extra Deposit) in the form of a CDR (Call Deposit Receipt) or FDR (Fixed Deposit Receipt) at the time of online bid submission.
4. The original instruments in respect of cost of documents, Security Deposit in shape of CDR / FDR, and other relevant documents of L-1 bidder will be required to be submitted to the Executive Engineer Irrigation Division Doda within 3 days positively after the opening of financial bids online, otherwise the tender shall be offered to L-2 bidder or cancelled

No: - IFCD/D/36-50 Dated: -01-04-2026

DIP/J-79/26
Dtd: 2-4-2026

Sd/-
Executive Engineer
Jal Shakti (I&FC) Division

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण जानकारी

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों में वृद्धि-2026

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु पूर्व घोषित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के साथ–साथ रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियां भी नीचे दी गई समय–सारणी के अनुसार संचालित की जायेंगी :–

04081/04082 नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-नई दिल्ली आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन) 80 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04081		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04082	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	23:45	नई दिल्ली	10:00	--
12:00	--	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	--	21:00

चलने के दिन: 04081 नई दिल्ली से दिनांक 15.04.2026 से 15.07.2026 (सोमवार, बुधवार, शुक्रवार) और **04082 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा** से दिनांक 16.04.2026 से 16.07.2026 (मंगलवार, गुरूवार, शनिवार) तक।
स्थान : 2 टियर वाता, 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य ।
ठहराव : पानीपत, कुरूक्षेत्र जं. अंबाला कैंट, लुधियाना जं., जालंधर कैंट, पठानकोट कैंट, जम्मू तवी एवं शहीद कप्तान तुषार महाजन स्टेशन।

04610/04609 अमृतसर - बरौनी - अमृतसर आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस (साप्ताहिक) 26 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04610		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04609	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	20:10	अमृतसर	13:15	--
02:10	--	बरौनी	--	05:05

चलने के दिन: 04610 अमृतसर से दिनांक 19.04.2026 से 12.07.2026 (रविवार) और **04609 बरौनी** से दिनांक 21.04.2026 से 14.07.2026 (मंगलवार) तक।
स्थान : 2 टियर वाता, 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य ।
ठहराव : ब्यास, जलंधर सिटी, फगवाड़ा, ढंडारी कलां, सरहिंद, राजपुरा, अंबाला कैंट, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, गोंडा, गोरखपुर, सीवान, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर एवं शाहपुर पटोरी स्टेशन।

04314/04313 योग नगरी ऋषिकेश-मुजफ्फरपुर-योग नगरी ऋषिकेश आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस (द्वि-साप्ताहिक) 52 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04314		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04313	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	15:20	योग नगरी ऋषिकेश	11:15	--
11:20	--	मुजफ्फरपुर	--	14:00

चलने के दिन: 04314 योग नगरी ऋषिकेश से दिनांक 16.04.2026 से 12.07.2026 (गुरूवार एवं रविवार) और **04313 मुजफ्फरपुर** से दिनांक 17.04.2026 से 13.07.2026 (शुक्रवार एवं सोमवार) तक।
स्थान : 2 टियर वाता, 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य ।
ठहराव : हरिद्वार, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, सीवान, छपरा एवं हाजीपुर स्टेशन।

04316/04315 योग नगरी ऋषिकेश-गोरखपुर-योग नगरी ऋषिकेश आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस (साप्ताहिक) 26 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04316		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04315	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	15:20	योग नगरी ऋषिकेश	01:30	--
06:20	--	गोरखपुर	--	09:00

चलने के दिन: 04316 योग नगरी ऋषिकेश से दिनांक 21.04.2026 से 14.07.2026 (मंगलवार) और **04315 गोरखपुर** से दिनांक 22.04.2026 से 15.07.2026 (बुधवार) तक।
स्थान : 2 टियर वाता, 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य ।
ठहराव : हरिद्वार, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा एवं बस्ती, स्टेशन।

उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में आने वाले ठहरावों और समय–सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें ।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. **139**

रेलमदद वेबसाइट देखें:– **www.railmadad.indianrailways.gov.in**

रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

01705/01706 जबलपुर - अयोध्या धाम - जबलपुर ग्रीष्मकालीन स्पेशल एक्सप्रेस (साप्ताहिक) 26 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01705		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 01706	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	19:40	जबलपुर	06:45	--
07:05	07:15	वाराणसी	17:10	17:20
11:25	--	अयोध्या धाम	--	13:30

चलने के दिन: 01705 जबलपुर से दिनांक 21.04.2026 से 14.07.2026 (मंगलवार) और **01706 अयोध्या धाम** से दिनांक 22.04.2026 से 15.07.2026 (बुधवार) तक।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता, 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य ।
ठहराव : सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर एवं जौनपुर स्टेशन।

04512/04511 चण्डीगढ़-पटना जं.-चण्डीगढ़ आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस (साप्ताहिक) 26 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04512		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04511	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	23:35	चण्डीगढ़	21:40	--
21:15	--	पटना जं.	--	23:15

चलने के दिन: 04512 चण्डीगढ़ से दिनांक 16.04.2026 से 09.07.2026 (गुरूवार) और **04511 पटना जं.** से दिनांक 17.04.2026 से 10.07.2026 (शुक्रवार) तक।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता, 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य ।
ठहराव : अंबाला कैंट, सहारनपुर, रुड़की, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, हरदोई, आलमनगर, उतरेतिया, सुल्तानपुर, वाराणसी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा एवं दानापुर स्टेशन।

04520/04519 बठिण्डा-वाराणसी-बठिण्डा आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस (द्वि-साप्ताहिक) 54 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04520		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04519	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	20:50	बठिण्डा	17:00	--
17:30	--	वाराणसी	--	20:40

चलने के दिन: 04520 बठिण्डा से दिनांक 15.04.2026 से 15.07.2026 (बुधवार एवं शनिवार) और **04519 वाराणसी** से दिनांक 16.04.2026 से 16.07.2026 (गुरूवार एवं रविवार) तक।
स्थान : 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य ।
ठहराव : रामपुरा फूल, बरनाला, धूरी, पटियाला, राजपुरा, अंबाला कैंट, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, नजीबाबाद, मुरादाबाद बरेली, आलमनगर, उतरेतिया, रायबरेली एवं माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ स्टेशन।

04312/04311 योग नगरी ऋषिकेश-कोलकाता-योग नगरी ऋषिकेश आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस (साप्ताहिक) 26 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04312		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04311	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	22:20	योग नगर ऋषिकेश	23:30	--
08:00	--	कोलकाता	--	13:55

चलने के दिन: 04312 योग नगरी ऋषिकेश से दिनांक 17.04.2026 से 10.07.2026 (शुक्रवार) और **04311 कोलकाता** से दिनांक 19.04.2026 से 12.07.2026 (रविवार) तक।
सीान : 2 टियर वाता, 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य ।
ठहराव: हरिद्वार, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, आलम नगर, उतरेतिया, रायबरेली, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, वाराणसी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, पारसनाथ, एनएससी बोस गोमोह, धनबाद, आसनसोल, दुर्गापुर, बर्धमान, बैण्डेल एवं नैहाटी स्टेशन।

04217/04218 वाराणसी-लखनऊ-वाराणसी अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी का मौजूदा मार्ग, समय सारणी, चलने के दिन एवं संरचना के साथ विस्तार

रेलगाड़ी सं.	से–तक	पूर्व घोषित तिथि	विस्तारित तिथि
04217	वाराणसी–लखनऊ	31.05.26	01.06.26 से 15.07.26
04218	लखनऊ–वाराणसी	31.05.26	01.06.26 से 15.07.26

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

कठिन समय के लिए तैयार रहें

हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य के बंद होने के प्रभाव अब पूरे देश में दिखने लगे हैं। एक बार फिर एविएशन टरबाइन फ्यूल यानी जेट फ्यूल और वाणिज्यिक एलपीजी के दामों में काफी वृद्धि हुई है, जो इस बात का संकेत है कि आने वाले दिन और चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। अधिक स्पष्ट रूप से कहें तो अस्त्र की कीमत बढ़कर रिकॉर्ड 2.07 लाख रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है, हालांकि घरेलू एयरलाइंस के लिए यह वृद्धि केवल 8.5 प्रतिशत ही होगी। वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत में 195.50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई है। यह पहली बार है जब अस्त्र की कीमत 2 लाख रुपये प्रति किलोलीटर के आंकड़े को पार कर गई है।

सरकार ने आम लोगों की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए घरेलू एयरलाइंस के लिए कीमतों में कुछ हद तक संतुलन बनाया है। यह उल्लेखनीय है कि 1 मार्च को ATF की कीमत में 5.7 प्रतिशत (5244.75 रुपये प्रति किलोलीटर) की बढ़ोतरी की गई थी।

इस वृद्धि का असर बढ़ता ही जाएगा, जिससे एयरलाइंस को यह अतिरिक्त बोझ यात्रियों पर डालना पड़ेगा। 19 किलो के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में आखिरी बार 1 मार्च को 114.5 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी, जबकि घरेलू एलपीजी की कीमत 7 मार्च को 14.2 किलो सिलेंडर पर 60 रुपये बढ़ाई गई थी।

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए यह आवश्यक हो जाता है कि लोग कठिन समय के लिए तैयार रहें, क्योंकि हालात में सुधार की उम्मीद फिलहाल कम ही नजर आती है। भारत सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य की नाकेबंदी से उत्पन्न संकट के बीच सावधानीपूर्वक कदम उठा रही है, लेकिन यह समझना जरूरी है कि सरकार की भी अपनी सीमाएं हैं।

इस तरह के संकट का प्रभाव केवल ईंधन की कीमतों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवहन लागत, आपूर्ति श्रृंखला और अंततः आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ता है। ईंधन की कीमतों में वृद्धि से महंगाई का दबाव बढ़ता है, जिससे घरों, छोटे व्यवसायों और उद्योगों पर असर पड़ता है। हवाई किराए में वृद्धि से लेकर लॉजिस्टिक्स खर्च तक, इसका बोझ पूरे आर्थिक तंत्र पर महसूस किया जाएगा, जिससे संतुलित और समय पर हस्तक्षेप की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है।

इन परिस्थितियों को देखते हुए यह जरूरी है कि लोग जिम्मेदारी से व्यवहार करें और स्थिति की गंभीरता को समझें। यह भी उल्लेखनीय है कि श्रीलंका, बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल जैसे पड़ोसी देशों ने भी ऊर्जा संकट से निपटने के लिए कदम उठाए हैं, इसलिए भारत के लोगों को भी स्थिति की गंभीरता को समझना चाहिए।

इस समय लोगों को अफवाहों पर विश्वास करने, घबराहट में खरीदारी करने और अपुष्ट जानकारी फैलाने से बचना चाहिए। अंततः, सभी को संयम और सामूहिक जिम्मेदारी का परिचय देते हुए इन कठिन परिस्थितियों का सामना आत्मविश्वास और धैर्य के साथ करना चाहिए।

देश के सर्वोच्च सदन में उठती समान शिक्षा की पुकार

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत का संविधान अपने मूल में एक ऐसे समाज की परिकल्पना करता है जहाँ प्रत्येक नागरिक को समान अवसर प्राप्त हों और वह अपने सामर्थ्य के अनुरूप विकास कर सके। यह विचार कहना होगा कि एक संवैधानिक संकल्प है जिसे अनुच्छेद 14, 21क और अन्य प्रावधानों के माध्यम से स्थापित किया गया है, किंतु जब हम शिक्षा के क्षेत्र में इस समानता की वास्तविक स्थिति का आकलन करते हैं तब एक जटिल और विरोधाभासी परिदृश्य सामने उभरकर आता है।

वस्तुतः राज्यसभा में दिनेश शर्मा द्वारा उठाया गया प्रश्न इस विरोधाभास को और अधिक स्पष्ट करता है जिसमें उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त संरचनात्मक असमानता की ओर ध्यान आकर्षित किया है। उनका यह तर्क कि संविधान की समानता की भावना के बावजूद शिक्षा व्यवस्था में भेदभाव मौजूद है! भले ही ये कहना किसी राजनेता का हो, किंतु यह वक्तव्य भारत की हकीकत है, जोकि आज एक गहन संवैधानिक विमर्श का विषय है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समानता और कानूनों के समान संरक्षण की गारंटी देता है। इसके साथ ही अनुच्छेद 21क के अंतर्गत 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित किया गया है जिसे 86वें संविधान संशोधन अधिनियम 2002 के माध्यम से जोड़ा गया। यह संशोधन इस बात का प्रतीक था कि शिक्षा को मौलिक अधिकार के रूप में स्वीकार किया गया है। इसके अतिरिक्त अनुच्छेद 29 और 30 सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकारों की रक्षा करते हैं, विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदायों को अपने शिक्षण संस्थान स्थापित करने और संचालित करने की स्वतंत्रता प्रदान करते हैं। यही वह बिंदु है जहाँ समानता और विशेषाधिकार के बीच संतुलन का प्रश्न उत्पन्न होता है।

राज्यसभा में प्रस्तुत विचारों के अनुसार अल्पसंख्यक संस्थानों को शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के कुछ प्रावधानों से छूट प्राप्त है जबकि अन्य संस्थानों को इन नियमों का पूर्णतः पालन करना होता है। दिनेश शर्मा ने इस स्थिति को अनुच्छेद 14 के साथ असंगत बताया और यह तर्क दिया कि इससे शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रकार की संरचनात्मक असमानता उत्पन्न होती है। यहां समझ लें कि यह प्रश्न प्रशासनिक अथवा कानूनी नहीं है, यह उस मूलभूत विचार से जुड़ा है कि क्या राज्य सभी बच्चों को समान दृष्टि से देखता है?

इस संदर्भ में अल्पसंख्यक संस्थानों को छूट प्रदान कर एक तरह से देश में शिक्षा के व्यावहारिक स्तर पर एक असमान ढाँचे को भी वैधता प्रदान कर दी गई है। देखा जाए तो शिक्षा व्यवस्था में यह असमानता कानूनी प्रावधानों तक सीमित नहीं है, यह संरचनात्मक और व्यावहारिक रूप में भी स्पष्ट दिखाई देती है। भारत में सरकारी विद्यालय, निजी विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और धार्मिक शिक्षण संस्थान इन सभी की गुणवत्ता संसाधन और अवसरों में भारी अंतर है। एक ओर महानगरों के निजी विद्यालय अत्याधुनिक सुविधाओं और वैश्विक स्तर की शिक्षा प्रदान करते हैं वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं का अभाव देखा जा सकता है। इस असमानता का परिणाम यह है कि विभिन्न पृष्ठभूमियों के छात्र एक ही प्रतियोगी परीक्षा में भाग लेते हैं किंतु उनकी तैयारी और अवसर समान नहीं होते।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने भी अपने विभिन्न प्रतिवेदनों में इस बात पर बल दिया है कि शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच में समानता सुनिश्चित किए बिना बाल अधिकारों की वास्तविक रक्षा संभव नहीं है। आयोग की 2018 की एक रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि समान शिक्षा प्रणाली ही सामाजिक न्याय की आधारशिला बन सकती है। वस्तुतः यह कथन इस बात की पुष्टि करता है कि शिक्षा में असमानता सिर्फ शैक्षणिक समस्या तक सीमित नहीं है, यह सामाजिक न्याय का प्रश्न भी है।

भारतीय चिंतन परंपरा में भी शिक्षा को समानता का माध्यम माना गया है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने अपनी पुस्तक एजुकेशन पॉलिटिक्स एंड वॉर में लिखा है, शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ ज्ञानार्जन नहीं है, इससे समाज में नैतिक और सामाजिक संतुलन स्थापित करना है। इसी प्रकार महात्मा गांधी ने हरिजन में यह विचार व्यक्त किया कि समान शिक्षा के बिना सच्चा लोकतंत्र संभव नहीं है। इन विचारों से यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा को व्यक्तिगत विकास का साधन होने के साथ ही सामाजिक परिवर्तन का माध्यम भी माना गया है।

समान शिक्षा की आवश्यकता को कई स्तरों पर समझा जा सकता है। सामाजिक दृष्टि से यह जाति वर्ग और धर्म आधारित विभाजनों को कम कर सकती है। आर्थिक दृष्टि से यह सभी को समान अवसर प्रदान कर प्रतिस्पर्धा को निष्पक्ष बना सकती है। राजनीतिक दृष्टि से यह लोकतंत्र को मजबूत कर सकती है क्योंकि शिक्षित और जागरूक नागरिक ही लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ कर सकते हैं। वैचारिक दृष्टि से यह समाज में एकरूपता और समरसता को बढ़ावा दे सकती है।

यह भी सच है कि समान शिक्षा लागू करने में अनेक चुनौतियाँ भी हैं। क्योंकि भारत की विशाल जनसंख्या भाषाई और सांस्कृतिक विविधता राज्यों के अधिकार और निजी क्षेत्र की भूमिका ये सभी कारक इस प्रक्रिया को जटिल बनाते हैं। अतः समाधान का मार्ग संतुलन में निहित है जहाँ समानता और विविधता दोनों का सम्मान किया जाए।

वर्तमान समय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल करने का प्रयास किया है। इस नीति में समानता, समावेशन और गुणवत्ता पर विशेष बल दिया गया है। नीति के अंतर्गत स्कूल कॉम्प्लेक्स की अवधारणा बहुभाषी शिक्षा और डिजिटल संसाधनों के माध्यम से शिक्षा के लोकतंत्रीकरण की बात की गई है, किंतु इन नीतिगत प्रयासों के बावजूद जमीनी स्तर पर असमानता अभी भी बनी हुई है जिसका मुख्य कारण क्रियान्वयन की चुनौतियाँ और संस्थागत विविधता है।

इस दिशा में कुछ ठोस कदम उठाए जा सकते हैं।

समान शिक्षा की आवश्यकता को कई स्तरों पर समझा जा सकता है। सामाजिक दृष्टि से यह जाति वर्ग और धर्म आधारित विभाजनों को कम कर सकती है। आर्थिक दृष्टि से यह सभी को समान अवसर प्रदान कर प्रतिस्पर्धा को निष्पक्ष बना सकती है। राजनीतिक दृष्टि से यह लोकतंत्र को मजबूत कर सकती है क्योंकि शिक्षित और जागरूक नागरिक ही लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ कर सकते हैं।

सबसे पहले सभी शिक्षण संस्थानों के लिए न्यूनतम गुणवत्ता मानक निर्धारित किए जाएँ जिनका पालन अनिवार्य हो। दूसरा शिक्षा का अधिकार अधिनियम में आवश्यक संशोधन कर सभी संस्थानों के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। तीसरा शिक्षा के क्षेत्र में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित किया जाए ताकि संसाधनों का न्यायसंगत वितरण हो सके। चौथा संसद और नीति निर्माताओं को इस विषय पर सर्वसम्मति से निर्णय लेना चाहिए ताकि शिक्षा को राजनीतिक विवादों से ऊपर उठाया जा सके।

अतः यहां कहने का तात्पर्य यही है क हम सभी यह स्वीकारें कि समान शिक्षा एक नीतिगत लक्ष्य न होकर देश हित में एक नैतिक आवश्यकता है। जब तक भारत के प्रत्येक बच्चे को समान गुणवत्ता की शिक्षा नहीं मिलेगी तब तक संविधान में निहित समानता का स्वप्न अधूरा ही रहेगा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर ने भी है कि शिक्षा वह शस्त्र है जिससे हम समाज को बदल सकते हैं। कहना होगा क यह कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना स्वतंत्रता के समय था, इसलिए समय की मांग है कि शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त असमानताओं को दूर करने के लिए गंभीर और समन्वित प्रयास किए जाएँ। राज्यसभा में उठी यह बहस एक अवसर है, एक ऐसे भारत के निर्माण का जहाँ शिक्षा वास्तव में समान हो और हर नागरिक को अपने सपनों को साकार करने का समान अवसर प्राप्त हो सके। हम उम्मीद करें कि केंद्र एवं राज्य सरकारें इस विषय पर गंभीरता से विचार करेंगी।

भक्त शिरोमणि रामदूत हनुमान

-डॉ. रीना रवि मालपानी

राम नाम के अनन्य प्रेमी भक्त शिरोमणि अंजनीसुत हनुमानजी की महिमा से भला कौन परिचित नहीं है। रामायण की कल्पना रामदूत हनुमान के बिना नहीं की जा सकती। भक्त और भक्ति की उत्कृष्टता को सिद्ध करने वाले हनुमानजी की लीला न्यारी है। श्रीराम दूत हनुमान भक्ति की उच्च पराकाष्ठा को सिद्ध करते हैं, इसी कारण श्रीराम भी सदैव उनके साथ ही अपनी पूर्णता को प्रदर्शित करते हैं इसीलिए उन्हें भक्त शिरोमणि की भी संज्ञा दी गई है।

रामायण में हनुमानजी का नहीं श्रीराम दूत के नवीन रूप का अवतरण हुआ, जो हमें यह सिखाता है कि हम अपनी सेवा, भक्ति, कर्मों एवं प्रयासों से नवीन स्वरूप में संसार के समक्ष प्रत्यक्ष हो सकते हैं। महादेव के अंश रुद्रावतार ने श्रीराम के प्रति अनन्य भक्ति एवं प्रेम को हृदय में विराजमान किया। महादेव को भोलेनाथ कहा जाता है, यही गुण उनके रुद्रावतार हनुमानजी के स्वभाव में परिलक्षित होता है। वे भी प्रभु श्रीराम की प्रसन्नता के लिए पूरे शरीर पर सिंदूर धारण करते हैं।

जहाँ धन, पद और यश के लालच में व्यक्ति अपना सुख-चैन, सर्वस्व त्याग देता है, वहीं हनुमानजी ने प्रभु श्रीराम के आग्रह पर उनके चरणपद ही माँग लिए और बाकी सबका सहज त्याग कर दिया।

हनुमानजी की अनूठी विशेषता उनका अहंकार शून्य होना भी है। हनुमानजी की प्रतिभा संपन्नता तो हमें बाल्य रूप से ही दिखाई देने लगती है। भूख लगने पर सूर्य को फल समझ कर खा लेना, उनकी अद्भुत शक्ति संपन्नता को प्रदर्शित करता है परंतु अपने सम्बोधन में वे रामदूत के उच्चारण को ही प्राथमिकता देते हैं। हनुमानजी में यदि सेवाभाव एवं पूर्ण समर्पण था तो श्रीराम भी हनुमान के प्रति आदर और सम्मान का भाव रखते थे। ज्ञानियों में अग्रगण्य हनुमानजी की एक और विलक्षण विशेषता यह है कि वे अपना परिचय सदैव श्रीराम के दूत के रूप में देते हैं।

हनुमानजी इतने बुद्धिमान हैं कि उन्हें ज्ञात है कि कब उन्हें लघु रूप धारण करना है और कब वृहद रूप धारण करके श्रीराम के कार्यो को शीघ्रता से सम्पन्न करना है। हमें सदैव अपने कार्य के प्रति उत्साह का भाव दिखाना चाहिए।

जब श्रीराम के कार्य को पूरा करने के लिए हनुमान समुद्र पार करने गए तो वे अत्यंत उत्साहित थे और लक्ष्य के प्रति दृढ़निष्ठ थे। जब मैनाक पर्वत ने उन्हें रुकने को कहा तो उन्होंने कहा मुझे शीघ्रता से माता सीता का पता लगाना है और तत्परता से श्रीराम का कार्य करना है। कार्यों को प्राथमिकता देना भी हमें हनुमानजी से सीखना चाहिए।

श्रीराम दूत हनुमान के जीवन में भक्ति और शक्ति का अनूठा समन्वय दृष्टिगोचर होता है। रामायण का प्रत्येक चरित्र अद्भुत है परंतु रामायण के प्रत्येक महत्वपूर्ण कार्य को पूर्णता हनुमानजी ने दी। समुद्र लाँघना हो, माता सीता का पता लगाना हो, लंका दहन करना हो या लक्ष्मण के प्राणों की रक्षा करनी हो, यह सभी कार्य हनुमानजी के द्वारा पूर्णता को प्राप्त हुए; फिर भी वे प्रत्येक कार्य की सफलता का श्रेय श्रीराम को देते हैं।

हनुमानजी के गुण स्वरूप कार्यों एवं आदर्शों के अनुरूप ही उनके बारह नाम है, जो मनुष्य को अदम्य साहस और ऊर्जा प्रदान करते हैं। हनुमान, अंजनीसुत, वायुपुत्र, महाबल, रामेष्ट, फाल्गुनसखा, पिङ्गाक्ष, अमितविक्रम, सीताशोकविनाशन, लक्ष्मण प्राणदाता, दशग्रीवदर्पहा इन सभी नामों को स्मरण करने से जीवन के पाप और संताप नष्ट होते हैं। कलयुग में हनुमान चालीसा और सुंदरकाण्ड तो हनुमानजी की कृपा प्राप्ति के लिए भक्तो के अमोघ शस्त्र है। हनुमान चालीसा की उत्कृष्टता तो इस बात में निहित है कि स्वयं गौरी के ईश महादेव उसके साक्षी बनते हैं। हनुमान चालीसा भी हममें अदम्य शक्ति, साहस, भक्ति एवं ऊर्जा का अंकुरण करती है।

श्रीरामकथा श्रवण के प्रेमी हनुमानजी सदैव श्रीराम के नाम स्वरूप एवं गुणों का दर्शन करते हैं। यदि हम जीवन के उपवन में भक्ति एवं प्रसन्नता के प्रसून को पल्लवित और पुष्पित करना चाहते है तो असाध्य कार्य को भी साध्य करने वाले रामभक्त हनुमान की शरण ग्रहण कर लेना चाहिए। अद्वितीय भक्ति की प्रतीक माता सीता ने उन्हें अष्ट सिद्धि और नव निधि का आशीष दिया है।

हनुमानजी की विलक्षण लीला हमें शिक्षा देती है कि व्यक्ति के जीवन में कर्म ही प्रधान होते हैं। उन्हीं कर्मो की वजह से हनुमानजी श्रीराम को भरत एवं लक्ष्मण के समान प्रिय हुए। हनुमानजी की आत्मा की सुंदरता तो माता जानकी और श्रीराम के उनके हृदय में विराजमान होने से है।

भक्त शिरोमणि हनुमान भगवान और भक्ति सबकुछ प्रदान करने का सामर्थ्य रखते हैं। संसार के प्रत्येक दुर्गम कार्य को सुगमता से करने की क्षमता हनुमानजी में है। श्रीराम दूत के सम्बोधन से तो वे अति प्रसन्न हो जाते हैं और भक्त पर अपनी विशेष कृपा करते हैं। स्वयं उत्तम चरित्र से शोभायमान हनुमानजी हमेशा श्रीराम के चरित्र को सुनने के लिए लालायित रहते हैं। समस्त सद्गुणों के स्वामी हनुमानजी संकट मोचक हैं।

हनुमान जन्मोत्सव जैसे उत्सव हममें भक्ति की अनूठी ऊर्जा का संचार करते हैं।

अक्सर सांसरिक मोहमाया से भगवान की स्मृति खो देते हैं, परंतु प्रत्येक उत्सव हममें भगवान की स्मृति को जीवंत करता है। महाभारत में जब कुंती ने श्रीकृष्ण से दुःख मांगा तब श्रीकृष्ण ने कहा कि आपका पूरा जीवन अथक संघर्षों में व्यतीत हुआ इसके पश्चात भी आप दुःख माँग रही है। तब उन्होंने गोविंद को उत्तर दिया कि दुःख में सदैव आपकी स्मृति बनी रहती है। इसी प्रकार यह छोटे-छोटे उत्सव हमें भगवान के नाम रूपी बैंक में निवेश करने को प्रेरित करते है, जो मनुष्य योनि की सच्ची कमाई है।

तो आइये उन्हीं श्रेष्ठ भक्त शिरोमणि हनुमानजी के जन्मोत्सव को पूर्ण हर्षोल्लास से मनाएं। भक्ति में भाव की प्रधानता होती है। प्रभु कभी भी पूजा के मापदंड एवं भक्ति के क्रियाकलाप नहीं देखते। राम कीर्तन भी हनुमानजी को अत्यंत प्रिय है। चारों युग में अपनी कीर्ति को प्रतिष्ठित करने वाले हनुमानजी कलयुग में रामकथा होने पर यत्र-तत्र विराजमान होते हैं, तो हम श्रीराम नाम के उद्घोष के साथ सहज ही रामभक्त हनुमान की कृपा को प्राप्त कर सकते हैं।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

धर्म, अंधविश्वास और अपराध: जिम्मेदारी तय करने का समय

-डॉ. सत्यवान सौरभ

भारतीय समाज में धर्म और आस्था की जड़ें अत्यंत गहरी हैं। सदियों से लोग अपने जीवन के सुख-दुख, समस्याओं और अनिश्चितताओं के समाधान के लिए धार्मिक व्यक्तियों, गुरुओं और ज्योतिषियों की शरण में जाते रहे हैं। आस्था अपने आप में एक निजी और सम्मानजनक विषय है लेकिन जब इसी आस्था का दुरुपयोग करके अपराधों को अंजाम दिया जाता है तो यह केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि पूरे समाज का संकट बन जाता है।

हाल के वर्षों में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहाँ स्वयंभू बाबा, साधु या ज्योतिषी अपने कृत्यों को धार्मिक प्रक्रिया या आध्यात्मिक उपचार का नाम देकर महिलाओं के साथ शोषण, ठगी और धोखाधड़ी जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देते पाए गए हैं। इन घटनाओं ने न केवल कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं बल्कि समाज की सोच और जागरूकता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाया है।

सबसे पहले यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि किसी भी प्रकार का यौन शोषण या बलात्कार, चाहे किसी भी नाम या बहाने से किया जाए, जघन्य अपराध है। धार्मिक विधि, उपचार या आध्यात्मिक क्रिया जैसे शब्दों का प्रयोग करके ऐसे कृत्यों को सही ठहराना न केवल नैतिक रूप से गलत है बल्कि कानून की दृष्टि में पूरी तरह अस्वीकार्य है। यह एक सुनियोजित तरीका होता है, जिसके माध्यम से अपराधी अपने प्रभाव, पद और लोगों की आस्था का लाभ उठाकर उन्हें भ्रमित करता है।

यहाँ एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है-क्या केवल अपराधी ही दोषी है या पीड़ित और उसका परिवार भी किसी हद तक जिम्मेदार हैं? यह सवाल समाज में अक्सर उठाया जाता है और कई बार लोग पीड़ितों पर ही उंगली उठाने लगते हैं। लेकिन यह दृष्टिकोण न केवल संवेदनहीन है बल्कि समस्या के मूल कारणों को समझने में भी बाधा बनता है।

कई मामलों में देखा गया है कि ऐसे तथाकथित धार्मिक व्यक्ति पहले लोगों का विश्वास जीतते हैं। वे खुद को चमत्कारी शक्तियों से युक्त बताते हैं, समस्याओं का त्वरित समाधान देने का दावा करते हैं और धीरे-धीरे अपने अनुयायियों पर मानसिक और भावनात्मक नियंत्रण स्थापित कर लेते हैं। इस प्रक्रिया में वे पीड़ितों को इस हद तक प्रभावित कर देते हैं कि वे सही और गलत के बीच अंतर करने में असमर्थ हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में यदि कोई महिला विरोध नहीं करती तो इसे सहमति मान लेना गंभीर भूल होगी।

इसके अलावा, सामाजिक दबाव, शर्म और बदनामी का डर भी एक बड़ा कारण होता है, जिसके चलते पीड़ित खुलकर सामने नहीं आ पाते।

हमारे समाज में आज भी यौन अपराधों को लेकर पीड़ित को ही दोषी ठहराने की प्रवृत्ति मौजूद है। ऐसे में कई महिलाएँ चुप रहना बेहतर समझती हैं। यह चुप्पी अपराधियों के लिए एक ढाल बन जाती है और वे अपने कृत्यों को बार-बार दोहराते रहते हैं।

परिवार की भूमिका को भी पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह सच है कि अगर परिवार अपने सदस्यों के प्रति अधिक सतर्क और जागरूक हो तो कुछ हद तक ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है। लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा कि हर व्यक्ति, विशेषकर वयस्क, अपने निर्णय स्वयं लेने का अधिकार रखता है। कई बार ये मुलाकातें परिवार की जानकारी के बिना होती हैं और कई बार परिवार भी उसी अंधविश्वास का हिस्सा बन चुका होता है। इसलिए केवल परिवार को दोषी ठहराना भी एक सरलीकृत और अधूरा दृष्टिकोण होगा।

अब सवाल उठता है कि क्या देश में मौजूद सभी बाबा और ज्योतिषी ऐसे ही हैं? इसका उत्तर स्पष्ट रूप से नहीं है। हर पेशे में अच्छे और बुरे लोग होते हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब कुछ लोगों के कृत्य पूरे वर्ग की विश्वसनीयता को प्रभावित करने लगते हैं। ऐसे में आवश्यकता है कि इस क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

यह भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है कि क्या इन तथाकथित धार्मिक और ज्योतिषीय गतिविधियों से समाज को वास्तविक लाभ मिल रहा है या नहीं। इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। यदि किसी व्यवस्था में बार-बार ठगी, शोषण और अपराध के मामले सामने आते हैं तो यह संकेत है कि उस व्यवस्था में कहीं न कहीं गहरी खामी है। ऐसे में सरकार और संबंधित संस्थाओं को चाहिए कि वे इस क्षेत्र का अध्ययन करें, आंकड़े एकत्र करें और यह मूल्यांकन करें कि समाज को इससे कितना लाभ और कितना नुकसान हो रहा है।

साथ ही, कानून का सख्ती से पालन भी अत्यंत आवश्यक है।

जो लोग धर्म या आस्था का सहारा लेकर अपराध करते हैं, उनके खिलाफ त्वरित और कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। यह कार्रवाई केवल दिखावे के लिए नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संदेश देने के लिए होनी चाहिए कि कानून से ऊपर कोई नहीं है- चाहे वह कितना ही प्रभावशाली या पूजनीय क्यों न माना जाता हो।

लेकिन केवल कानून ही इस समस्या का समाधान नहीं कर सकता। सबसे महत्वपूर्ण भूमिका समाज और आम जनता की है। जब तक लोग बिना सवाल किए, बिना तर्क के किसी भी व्यक्ति पर विश्वास करते रहेंगे, तब तक ऐसे लोग पनपते रहेंगे।

शिक्षा और जागरूकता इस समस्या का सबसे प्रभावी समाधान हैं। लोगों को यह समझना होगा कि आस्था और अंधविश्वास में अंतर होता है। आस्था व्यक्तिगत होती है, जबकि अंधविश्वास वह होता है जिसमें व्यक्ति तर्क और विवेक को छोड़ देता है।

हमें अपने बच्चों और आने वाली पीढ़ियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक सोच और प्रश्न पूछने की आदत सिखानी होगी। यदि कोई व्यक्ति किसी धार्मिक प्रक्रिया के नाम पर आपसे कुछ ऐसा करने को कहता है जो असामान्य, असहज या निजी सीमा का उल्लंघन करता हो तो उस पर तुरंत सवाल उठाना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर कानून की मदद लेनी चाहिए।

मीडिया की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। मीडिया को चाहिए कि वह ऐसे मामलों को जिम्मेदारी के साथ प्रस्तुत करे, न कि सनसनीखेज तरीके से। साथ ही, समाज में जागरूकता फैलाने के लिए सकारात्मक और शिक्षाप्रद सामग्री को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

अंततः, यह सामूहिक जिम्मेदारी है। अपराधी को सजा दिलाना जरूरी है लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है ऐसे माहौल का निर्माण करना, जहाँ अपराध पनप ही न सके। इसके लिए कानून, समाज, परिवार और व्यक्ति- सभी को अपनी-अपनी भूमिका निभानी होगी।

धर्म का मूल उद्देश्य मानवता, नैतिकता और सदाचार को बढ़ावा देना है। यदि कोई व्यक्ति धर्म के नाम पर इन मूल्यों का उल्लंघन करता है तो वह न केवल कानून का अपराधी है बल्कि धर्म का भी अपमान करता है। ऐसे लोगों को पहचानना, उनके खिलाफ आवाज उठाना और उन्हें कानून के दायरे में लाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

समय आ गया है कि हम आस्था और अंधविश्वास के बीच स्पष्ट रेखा खींचें। यह समझें कि हर वह व्यक्ति जो धार्मिक भाषा बोलता है, वह धार्मिक नहीं होता। सबसे महत्वपूर्ण- किसी भी परिस्थिति में अपराध को धर्म का नाम देकर स्वीकार नहीं किया जा सकता।

अगर समाज इस मूलभूत सत्य को समझ ले तो न केवल ऐसे अपराधों में कमी आएगी बल्कि एक अधिक जागरूक, सुरक्षित और न्यायपूर्ण व्यवस्था की स्थापना भी संभव हो सकेगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

केआईटीजी 2026 (आठवां दिन राउंड-अप): दशरथ तलवार, नागिनी के स्वर्ण से कर्नाटक की बढ़त मजबूत

एजेंसी

रायपुर। रेस वॉकर दशरथ तलवार और मिडिल-डिस्टेंस धाविका नागिनी के स्वर्ण पदकों की बदौलत कर्नाटक ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के आठवें दिन अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। वहीं छत्तीसगढ़ के गजेंद्र ठाकुर ने पुरुष 800 मीटर में रजत पदक जीता और पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक हासिल किया। जगदलपुर के क्रीड़ा परिसर एथलेटिक्स ट्रैक पर दशरथ तलवार ने 45:13.85 के समय के साथ पुरुष 10 किमी रेस वॉक में कर्नाटक को 1-2 की बढ़त दिलाई। उनके साथी दर्शन बगाड़ी (46:25.90) दूसरे स्थान पर रहे, जबकि गुजरात के सागरभाई कटारा (48:16.09) तीसरे स्थान पर रहे।इसके बाद नागिनी ने महिलाओं की 800 मीटर दौड़ में 2:13.80 का समय निकालते हुए स्वर्ण पदक जीता, जिससे कर्नाटक के स्वर्ण पदकों की संख्या 21 हो गई। कर्नाटक ने अब तक आठ रजत और सात कांस्य सहित कुल 36 पदक जीत लिए हैं। छत्तीसगढ़ के गजेंद्र ठाकुर ने पुरुष 800 मीटर में 1:53.82 के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। इस स्पर्धा में ओडिशा के दावनिधि मुंडा ने 1:53.33 के समय के साथ स्वर्ण जीता।

हिमालयन हॉक ने मंडी क्रिकेट अकादमी को नौ विकेट से रौंदा, क्षत्रिय इलेवन ने ब्लेक पैंथर को हराया

मंडी। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ मंडी के सौजन्य से एमएलएसएम कॉलेज में करवाई जा रही राजा हरी सेन स्मारक क्रिकेट प्रतियोगिता का मैच मंडी क्रिकेट अकादमी व हिमालयन हॉक के बीच खेला गया। इस मैच में मुख्य अतिथि अभिनव गुलेरिया नेशनल क्रिकेट प्लेयर व मंडी मंडल उपाध्यक्ष ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय किया। इस मैच में मंडी क्रिकेट अकादमी के कप्तान आदिश मिन्हास ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और निर्धारित 20 ओवर में 118 रन बनाकर पूरी टीम आउट हो गई। जिसमें शुभम ने 32 रन, सौर्य ठाकुर ने 31 रन, दक्ष ठाकुर ने 13 रन बनाए। वहीं हिमालयन हॉक की तरफ से गेंदबाजी करते हुए भानु शर्मा ने 4, विजय सेन ने 3 विकेट तथा शफीक व मनीष सैनी ने क्रमशः एक एक विकेट लिया, एक खिलाड़ी रन आउट हुआ। जवाब में हिमालयन हॉक की टीम ने एक विकेट खोकर 119 रन बना लिए। जिसमें नरेंद्र 64 रन नाबाद , मनीष सैनी ने नाबाद 25 रन नाबाद व कमल ने 23 रन का योगदान दिया। मंडी की तरफ से अर्नव ने एक विकेट ली इस प्रकार हिमालयन हॉक ने 9 विकेट से मैच जीतकर अगले राउंड में प्रवेश किया।

अंडर 19 डिस्ट्रिक्ट लीग : फाइनल में भिड़ेंगी न्यू एरा और निंबस क्रिकेट एकेडमी

देहरादून। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ़ उत्तराखंड की ओर से आयोजित देहरादून अंडर 19 डिस्ट्रिक्ट लीग के सेमीफाइनल में निंबस क्रिकेट एकेडमी और न्यू एरा क्रिकेट एकेडमी ने जीत हासिल कर फाइनल में जगह बना ली है। डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग में सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। दून स्ट्राइकर्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड में न्यू एरा क्रिकेट एकेडमी और दून स्ट्राइकर्स क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। पहले खेलते हुए न्यू एरा क्रिकेट एकेडमी में 44 ओवर में 8 विकेट पर 222 रन बनाएं। जिसमें मंथन सैनी ने 52, पियूष चौहान व सर्जन रावत ने 33-33, कश्यप ने 37 रन बनाए। दून स्ट्राइकर्स क्रिकेट क्लब की ओर से प्रिंस शर्मा ने तीन और दिव्यांग चौहान ने दो विकेट झटके। जवाब में खेलने उतरी दून स्ट्राइकर्स क्रिकेट क्लब की टीम 22.2 ओवर में 79 रन पर ढेर हो गई। प्रतीक चौहान ने 18, दिव्यांश चौहान व स्मिथ सहगल ने 11-11 रन बनाएं। न्यू एरा क्रिकेट एकेडमी के लिए प्रतीक लखेड़ा ने पांच और पीयूष चौहान ने तीन विकेट चटकाए।डीआरएमएस यूनिवर्सिटी ग्राउंड पर दूसरा सेमी फाइनल मैच निंबस क्रिकेट एकेडमी और अभिमन्यु क्रिकेट एकेडमी के बीच खेला गया। मैच में निंबस क्रिकेट एकेडमी ने 97 रनों से जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। पहले खेलते हुए निंबस क्रिकेट एकेडमी ने 41 ओवर में आठ विकेट पर 241 रन बनाए। जिसमें विशाल पांडे ने 63, अमन प्रताप सिंह ने 55 और युवराज चौहान ने 27 रनों का सर्वाधिक योगदान दिया। अभिमन्यु क्रिकेट एकेडमी की ओर से आदित्य राजभर ने चार और तुषार वर्मा ने दो विकेट झटके।

एमपीएल के अगले सीजन के लिए जबलपुर रॉयल लायंस ने बनाई संतुलित टीम

जबलपुर। जबलपुर रॉयल लायंस ने मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल टी-20) के आगामी सीजन से पहले खिलाड़ियों के ऑक्शन की प्रक्रिया पूरी कर ली है। संतुलन, गहराई और मैच जीतने वाली बहुमुखी प्रतिभा पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक सुव्यवस्थित और प्रतिस्पर्धी टीम तैयार की गई है। 50 लाख रुपये के निर्धारित पर्स और अधिकतम 15 खिलाड़ियों की सीमा के भीतर काम करते हुए फ्रेंचाइजी ने सभी विभागों को मजबूत करने के लिए एक सटीक रणनीति अपनाई। ऑक्शन का एक मुख्य आकर्षण राहुल बाथम को 3 लाख रुपये में रिटेन (टीम में बरकरार रखना) करना रहा। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर राहुल बाथम पिछले सीजन में उप-कप्तान थे। राहुल द्रविड़ के मार्गदर्शन में भारत की अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके बाथम अपने साथ बहुमूल्य अनुभव, नेतृत्व और बेहतरीन ऑलराउंड क्षमता लेकर आते हैं। ऑक्शन में पुनीत दाते सबसे चर्चित नामों में से एक रहे, जिन्हें लेने के लिए कई फ्रेंचाइजी के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखी गई।

दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज रासी वान डर डुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी बल्लेबाज रासी वान डर डुसैन ने तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। 37 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने साढ़े सात साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर पर विराम लगाते हुए कहा कि वह घरेलू टीम लायंस के लिए खेलना जारी रखेंगे और युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने पर ध्यान देंगे। वान डर डुसैन ने 2018 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद 2019 में उन्होंने वनडे क्रिकेट में पदार्पण किया और पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू मैच में शानदार 93 रन बनाकर अपनी छाप छोड़ी। वनडे क्रिकेट में वह टीम के प्रमुख बल्लेबाजों में शामिल रहे। उन्होंने 71 मैचों में 50.13 की औसत से

2657 रन बनाए, जिसमें 6 शतक और 17 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 57 मैचों में 1406 रन 128.76 के स्ट्राइक रेट से बनाए। टेस्ट क्रिकेट में भी उन्होंने 2019 में डेब्यू किया और 18 मैचों में 905 रन बनाए, जिसमें 6 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 98 रन रहा।

संन्यास की घोषणा करते हुए डुसैन ने कहा, 'गर्व और कृतज्ञता के साथ मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। प्रोटियाज टीम के लिए खेलना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। यह सफर त्याग और मेहनत से भरा रहा, लेकिन देश का प्रतिनिधित्व करना हर पल के लायक था। ' उन्होंने 2019 और 2023 वनडे विश्व कप के साथ-साथ 2021 टी20 विश्व कप में भी दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व किया। 2023 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ उनकी 133 रन की पारी उनके करियर की यादगार पारियों में से एक रही।

वान डर डुसैन ने अपने परिवार और पत्नी का आभार जताते हुए कहा कि उनके समर्थन के बिना यह सफर संभव नहीं था।

दिल्ली कैपिटल्स को जीत दिलाने के बाद बोले रिज़वी, 'मुझे मेरा स्वाभाविक खेल खेलने का भरोसा मिला'

एजेंसी

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में जेएसडब्ल्यू और जीएमआर के स्वामित्व वाली दिल्ली कैपिटल्स ने एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की और सीजन के पहले अंक हासिल किए।

मैच के बाद समीर रिज़वी ने कहा, 'जब मैं बल्लेबाजी के लिए आया तो मेरा इरादा सकारात्मक खेलने का था, लेकिन पावरप्ले में जल्दी 4 विकेट गिरने के बाद स्थिति कठिन हो गई थी। मैंने और स्टब्स ने तय किया कि हमारे पास समय है, इसलिए पहले पिच को समझना जरूरी है क्योंकि गेंद स्विंग और सीम कर रही थी। ' उन्होंने आगे कहा, 'हमारी योजना सरल थी कि सेट होने के बाद ढीली गेंदों का फायदा उठाएं और परिस्थिति के अनुसार खेलें। इसी रणनीति से हमने साझेदारी बनाई। ' टीम मैनेजमेंट का आभार जताते हुए रिज़वी ने कहा, 'कोच और सपोर्ट स्टाफ ने मुझे नंबर-4 पर बल्लेबाजी करने और अपना स्वाभाविक खेल खेलने का पूरा भरोसा दिया है। यह स्पष्टता और आजादी मुझे आत्मविश्वास देती है। ' अपनी पारी के बारे में उन्होंने कहा, 'शुरुआत में मैंने 12-13 गेंदें खेलीं लेकिन कोई बाउंड्री नहीं आई। फिर एक ढीली गेंद मिली, जिस पर मैंने शॉट लगाया और उसके बाद मैं सहज हो गया और अपना सामान्य खेल खेल पाया। '

वीमेंस चैंपियंस लीग: आर्सेनल और बायर्न म्यूनिख सेमीफाइनल में

एजेंसी

लंदन। गत चैंपियन आर्सेनल ने वीमेंस चैंपियंस लीग के क्वार्टरफाइनल में चेल्सी के खिलाफ 1-0 की हार के बावजूद कुल 3-2 के स्कोर के आधार पर सेमीफाइनल में जगह बना ली। पहले चरण में 3-1 की जीत के चलते आर्सेनल ने बढ़त कायम रखी और अंतिम चार में प्रवेश किया। स्टैमफोर्ड ब्रिज में खेले गए इस मुकाबले में चेल्सी के लिए स्जोएके नुस्केन ने स्टॉपेज टाइम (90+4) में गोल किया, लेकिन यह टीम को आगे ले जाने के लिए काफी नहीं रहा। मैच के अंतिम क्षणों में चेल्सी की वीरले बुरमान का शॉट पोस्ट से टकराया, जबकि आर्सेनल की गोलकीपर डैफ्ने वान डोम्सेलार ने नुस्केन के हेडर को शानदार तरीके से बचाया।

मैच के अंत में चेल्सी की कोच सोनिया बोम्पास्तोर को रेड कार्ड भी दिखाया गया। चेल्सी ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा, जिसमें सैम केर ने आक्रमण में अहम भूमिका निभाई। अब सेमीफाइनल में आर्सेनल का सामना वोल्फ्सबर्ग या लियोन में से किसी एक टीम से

होगा। वहीं, दूसरे क्वार्टरफाइनल में बायर्न म्यूनिख ने शानदार वापसी करते हुए मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 से हराया और कुल 5-3 के स्कोर के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मैच के 81वें मिनट में ग्लोडिस विग्गोसडॉटिर ने कॉर्नर पर हेडर से गोल कर टीम को बराबरी दिलाई, इसके बाद 84वें मिनट में लिंडा डालमैन ने गोल कर जीत सुनिश्चित की। पहले हाफ में मैनचेस्टर यूनाइटेड की ओर से मेलविन मलार्ड ने 11वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई थी और कुल स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया था। हालांकि, दूसरे हाफ में बायर्न ने लगातार दबाव बनाया और अंततः मैच अपने नाम कर लिया। बायर्न म्यूनिख अब सेमीफाइनल में बार्सिलोना या रियल मैड्रिड में से किसी एक टीम से भिड़ेगा।

अन्य क्वार्टरफाइनल मुकाबले आज खेले जाएंगे, जिसमें बार्सिलोना पहले चरण में 6-2 की बढ़त के साथ रियल मैड्रिड की मेजबानी करेगा, जबकि वोल्फ्सबर्ग 1-0 की बढ़त के साथ लियोन का सामना करेगा।

फिडे कैंडिडेट्स 2026, राउंड 4: सिंदारोव ने कारुआना को हराकर बनाई एकल बढ़त

एजेंसी

नई दिल्ली। साइप्रस में खेले जा रहे फिडे कैंडिडेट्स 2026 के राउंड 4 में उज़्बेकिस्तान के युवा ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व नंबर-3 फैबियानो कारुआना को हराकर अंक तालिका में एकल बढ़त हासिल कर ली। सिंदारोव ने मुकाबले में 27.d5 की सटीक चाल के साथ केंद्र में जोरदार ब्रेक किया, जिससे खेल का रुख पूरी तरह उनके पक्ष में हो गया। इसके बाद R&f5 जैसी महत्वपूर्ण चाल ने कारुआना को रक्षात्मक स्थिति में धकेल दिया। काले मोहरों के साथ खेल रहे कारुआना ...Kh8 के बाद पूरी तरह बचाव में नजर आए, जबकि सिंदारोव ने Qg4+, Bd4+ और Rc5 जैसी सटीक चालों के दम पर लगातार दूसरा जीत दर्ज की। अन्य मुकाबलों में जर्मनी के मथियास ब्लूबाउम और भारत के आर प्रज्ञानानंद के बीच कड़ा मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। दोनों खिलाड़ी अंक तालिका में तीसरे स्थान पर बने हुए

हैं। महिला वर्ग में भारत की आर वैशाली ने भी ड्रॉ खेला। उनके मुकाबले में स्थिति पूरी तरह जटिल हो गई थी, जहां किसी भी तरह का प्यादा ब्रेक या किंग को सक्रिय करना जोखिम भरा साबित हो सकता था। अंततः तीन बार समान स्थिति बनने पर मुकाबला ड्रॉ घोषित किया गया। वैशाली अब तक टूर्नामेंट में अजेय बनी हुई हैं। वहीं, भारत की दिव्या देशमुख को इस राउंड में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें चीन की झू जिनेर ने पराजित किया। दिव्या ने 21वीं चाल के आसपास अपनी क्वीन को केंद्र में लाकर स्थिति संभालने की कोशिश की, लेकिन समय के दबाव में ड्ड4 चलना महंगा साबित हुआ, जबकि ऋद्ब6 बेहतर विकल्प था। इसके बाद उन्हें अंततः हार माननी पड़ी। महिला वर्ग के अन्य मुकाबलों में अन्ना मुज़िचुक ने कटरीना लाग्नो को हराया, जबकि बिबिसारा अस्सौबायेवा और तान झोंगयी के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा।

जनजातीय जड़ों से अंतरराष्ट्रीय फलक तक: छत्तीसगढ़ की स्टार फुटबॉलर किरण पिस्दा के संघर्ष की कहानी

एजेंसी

रायपुर। जब खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के सेमीफाइनल में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट के दौरान किरण पिस्दा ने गोलकीपिंग के दस्ताने पहने, तब वह अपने अब तक के अनुभवों पर भरोसा कर रही थीं। उन अनुभवों पर, जिन्होंने चुनौतियों और निराशाओं के बीच उन्हें और अधिक मजबूत बनाया। 24 साल की उम्र में किरण अपने खेल कौशल के शिखर पर नजर आती हैं। वह यूरोप में लीग फुटबॉल खेल चुकी हैं और अब बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की दहलीज पर हैं।

हालांकि, उनका यह सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा, भले ही उन्हें स्कूल और परिवार से शुरुआती समर्थन मिला। उनके भाई गिरीश पिस्दा, जो खुद राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं, उनके लिए प्रेरणा बने। किरण ने मीडिया से चर्चा में कहा कि 'मुझे स्कूल में काफी सपोर्ट मिला। वहीं से मुझे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के मौके मिले और हर चयन के साथ मेरा आत्मविश्वास बढ़ता गया। '

इसके बाद किरण शारीरिक शिक्षा में डिग्री हासिल करने के लिए रायपुर आईं। छत्तीसगढ़ महिला लीग के दौरान उन्होंने चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा और उन्हें राष्ट्रीय शिविर के लिए बुलावा मिला।

किरण बताती हैं, 'उस समय मैं शारीरिक रूप से उतनी फिट नहीं थी और मेरा मानसिक स्तर भी सीनियर खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार नहीं था।' यही कारण रहा कि उस राष्ट्रीय शिविर में उन्हें भारतीय टीम के लिए चयन नहीं मिला। वह कहती हैं, 'मुझे एहसास हुआ कि वहां जो अनुभव मिला है, उस पर मुझे काम करना होगा। ' इसके बाद उनके जीवन में आत्म-सुधार का एक कठिन दौर शुरू हुआ। उन्होंने अपनी फिटनेस पर काम किया, मैचों का विश्लेषण करना शुरू किया और अपनी पोज़िशनल समझ को बेहतर बनाया। लेकिन सबसे बड़ा बदलाव उनकी मानसिकता में आया। वह कहती हैं, 'मैंने खुद से कहा कि चाहे कुछ भी हो जाए, मैं नकारात्मक नहीं सोचूंगी। अगर आप नकारात्मक हो जाते हैं, तो उसका सीधा असर आपके प्रदर्शन पर पड़ता है। ' इस बदलाव में उनके मेंटर और कोच योगेश कुमार जांगड़ा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। किरन ने कहा, 'जब भी मुझे लगता है कि मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हूं या मन खराब होता है, तो मैं उनसे बात करती हूं। वह हमेशा मुझे सकारात्मक रहने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। ' उनकी मेहनत का असर धीरे-धीरे दिखने लगा। घरेलू स्तर पर उनके प्रदर्शन ने केरल ब्लास्टर्स जैसे क्लबों के दरवाजे खोले, जहां उन्होंने खुद को और निखारा। उनकी सबसे बड़ी ताकत उनकी बहुमुखी प्रतिभा बन गई। वह कहती हैं, 'मैंने स्ट्राइकर के रूप में शुरुआत की, फिर मिडफील्ड में खेली और अब राष्ट्रीय टीम के लिए फुल-बैक के रूप में खेलती हूं। एक फुटबॉलर के रूप में आपको अपनी टीम के लिए कई पोज़िशन पर खेलने के लिए तैयार रहना चाहिए। ' किरण कई बार भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। वह 2022 के सैफ़ चैंपियनशिप स्क्वाड का हिस्सा रही हैं और क्रोएशियन महिला लीग में डिनामो ज़ाग्रेब के लिए भी खेल चुकी हैं। फिर भी, इस मुकाम पर भी असफलताएं उनके सफर का हिस्सा रही हैं। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित एएफसी (AFC) महिला एशियन कप जैसे बड़े टूर्नामेंट के लिए चयन न होना उनके लिए एक और परीक्षा थी।

वाराणसी महापौर बने भारतीय वॉलीबॉल महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

एजेंसी

वाराणसी। खेल प्रबंधन क्षमता और खेलो इंडिया विजन के प्रति समर्पण को देखते हुए वाराणसी के महापौर अशोक कुमार तिवारी को भारतीय वॉलीबॉल महासंघ (वीएफआई) का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति से खेल जगत में हर्ष का माहौल है और इसे उत्तर प्रदेश में वॉलीबॉल के बढ़ते प्रभुत्व के रूप में देखा जा रहा है। महापौर ने इस जिम्मेदारी को स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'खेलो इंडिया' संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि काशी अब केवल संस्कृति ही नहीं, बल्कि खेलों के क्षेत्र में भी देश का नेतृत्व कर रही है। बता दें कि महापौर ने जनवरी माह में काशी ने 72वीं सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप (पुरुष एवं महिला) की ऐतिहासिक मेजबानी की थी। उस समय महापौर ने आयोजन को विश्वस्तरीय बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। इसी सफल प्रबंधन का प्रतिफल है कि अब महापौर को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी

जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति मेरी नहीं, बल्कि काशी की खेल भावना की जीत है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में हम वॉलीबॉल को देश के कोने-कोने में लोकप्रिय बनाएंगे।

सैफ अंडर-20 चैम्पियनशिप: भारत ने भूटान को 5-0 से रौंदा, फाइनल में बांग्लादेश से भिड़ंत

एजेंसी

माले (मालदीव)। गत चैंपियन भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सैफ अंडर-20 चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में भूटान को 5-0 से करारी शिकस्त देकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में भारत का सामना 3 अप्रैल को बांग्लादेश से होगा, जिसने दूसरे सेमीफाइनल में नेपाल को 1-0 से हराया। भारत की इस शानदार जीत के हीरो रोहेन सिंह चाफामायुम रहे, जिन्होंने 56वें और 57वें मिनट में लगातार दो गोल दागे। इसके अलावा ओमांग डोडुम (4'), मोहम्मद अरबाश (44') और स्थानापन्न खिलाड़ी मैलेमंगाम्बा थोकचोम (90+2') ने भी गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने आक्रामक रुख अपनाया और चौथे मिनट में

ही बढ़त बना ली। बांगसन सिंह ताखेल्लाम्बाम के लंबे पास पर रोहेन ने शानदार दौड़ लगाई और बॉक्स में सटीक क्रॉस दिया, जिसे ओमांग डोडुम ने बेहतरीन अंदाज में गोल में तब्दील कर दिया।

शुरुआती बढ़त के बाद भारत ने खेल पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा और लगातार भूटान के गोल पर हमले करता रहा। 44वें मिनट में डोडुम के शानदार मूव पर अरबाश ने गोल कर बढ़त 2-0 कर दी। दूसरे हाफ में भारतीय टीम और भी आक्रामक नजर आई। 56वें मिनट में रोहेन ने टीम के बेहतरीन संयोजन पर तीसरा गोल किया और इसके ठीक एक मिनट बाद उन्होंने अपना दूसरा गोल दागकर स्कोर 4-0 कर दिया। मैच के अंतिम क्षणों में मैलेमंगाम्बा थोकचोम ने 90+2वें मिनट में शानदार गोल कर भारत की 5-0 की बड़ी जीत पर मुहर लगा दी। पूरे मैच में भारत ने शानदार तालमेल, तेज गति और सटीक फिनिशिंग का प्रदर्शन करते हुए भूटान को कोई मौका नहीं दिया और एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की।

आईपीएल 2026 : दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हराया

एजेंसी

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का पांचवां मुक़ाबला राजधानी लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी (इकाना) स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच मैच खेला गया है। दिल्ली कैपिटल्स ने रोमांचक मैच में लखनऊ सुपर जाएंट्स को छह विकेट से हरा दिया। इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 142 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली ने 17.1 ओवर में 145 रन बनाए और मैच अपने नाम कर लिया। लुंगी एनगिडी और टी. नटराजन की घातक गेंदबाजी के बाद समीर रिजवी और ट्रिस्टन स्टब्स की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को छह विकेट से हराकर आईपीएल 2026 की अपनी पहली जीत दर्ज

की। रनों का पीछा करत हुए दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी रिजवी और स्टब्स के बीच हुई शतकीय साझेदारी ने जीत को आसान बना दिया। इससे पूर्व दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। मैदान में हरफनमौला खिलाड़ी ऋषभ पंत की कप्तानी में इकाना स्टेडियम की पिच पर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की पूरी टीम 18.4 गेंद पर ऑल आउट हो गई और दिल्ली कैपिटल्स के सामने 141 रन बना सकी। दर्शकों से भरे इकाना स्टेडियम में 142 रनों का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने सधी हुई बल्लेबाजी की और 17.1 ओवर में 4 विकेट खोकर मैच को अपने नाम (जीत) कर लिया। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते हुए समीर रिजवी ने अर्ध शतक जड़ा और 47 गेंदों का सामना करते हुए 70 रनों की शानदार नाबाद पारी खेली।

पुरुष हॉकी फाइनल में ओडिशा ने जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी

रायपुर। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के तहत राजधानी स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में खेले गए पुरुष हॉकी फाइनल मुकाबले में ओडिशा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए झारखंड को 4-1 से हराकर

स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मैच की शुरुआत में झारखंड ने आक्रामक खेल दिखाते हुए पहले क्वार्टर में 1-0 की बढ़त बना ली। हालांकि, दूसरे क्वार्टर में ओडिशा ने जोरदार वापसी करते हुए दो गोल दागे और 2-1 से बढ़त हासिल कर ली। तीसरे क्वार्टर तक मुकाबला रोमांचक बना रहा, लेकिन ओडिशा ने अपना दबदबा कायम रखते हुए स्कोर 3-1 कर लिया। अंतिम क्वार्टर में भी ओडिशा ने एक और गोल कर बढ़त मजबूत की और अंततः मैच 4-1 से जीत लिया। पूरे मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन ओडिशा की सधी हुई रणनीति और बेहतर तालमेल ने उसे जीत दिलाई। इस जीत के साथ ओडिशा ने प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया, जबकि झारखंड को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026' का माहौल ऊर्जा, आशा और बदलाव से भरपूर - खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा खडसे

एजेंसी

रायपुर। केंद्रीय युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026' के दौरान रायपुर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने यहां के माहौल को ऊर्जा, आशा और बदलाव से भरपूर बताया। उन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) टीम के प्रयासों की सराहना की और कहा कि एथलीटों, स्थानीय समुदाय और इस क्षेत्र के लोगों की ओर से मिली प्रतिक्रिया बेहद उत्साहजनक रही है।

वो छत्तीसगढ़ में आयोजित हो रहे पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के कार्यक्रमों और खेल स्थलों का निरीक्षण करने पहुंची थीं। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स आयोजन का पहला संस्करण छत्तीसगढ़ के रायपुर, जगदलपुर और सरगुजा में 25 मार्च से 3 अप्रैल 2026 तक आयोजित किया गया है । इसमें लगभग 3,800 प्रतिभागियों ने 9 खेल विधाओं में हिस्सा लिया।

खडसे ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026, केंद्र सरकार की उस प्रतिबद्धता को दिखाता है जिसके तहत आदिवासी युवाओं को अपना भविष्य बनाने के लिए एक मंच दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के लोगों के लिए यह खेल एक नई उम्मीद हैं और यह संकेत कि उनकी काबिलियत को पहचाना जा रहा है और उस पर सबसे ऊंचे स्तर पर निवेश किया जा रहा है। युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री ने कहा, '' एक समय था

जब छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद के लिए जाना जाता था, और यहां के लोगों को एक पिछड़ा समुदाय माना जाता था। आज, मुझे लगता है कि इस क्षेत्र के लिए एक नई दिशा खुल रही है। नक्सलवाद का खात्मा हो चुका है और खेल के माध्यम से, इस धरती के युवा अब अपनी ऊर्जा और क्षमता को सामने ला सकते हैं और देश के लिए खेल सकते हैं।'' उन्होंने बस्तर जैसे क्षेत्रों में आए बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि जिस क्षेत्र को कभी नक्सलवाद के कारण पिछड़ा माना जाता था, वहां अब खेल के माध्यम से युवाओं को नई दिशा और पहचान मिल रही है। खेल राज्य मंत्री ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 को एक ऐतिहासिक पहल बनाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन, गृह मंत्री अमित शाह (जिन्होंने पूरे देश से नक्सलवाद के खात्मे की घोषणा की है), कैबिनेट मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और पूरी साई टीम को दिया। उन्होंने पूरा भरोसा जताया कि इन खेलों में हिस्सा लेने वाले कई एथलीट आगे चलकर ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे और पदक जीतेंगे।

युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने 'अस्मिता लीग' के परिवर्तनकारी प्रभाव पर भी प्रकाश डाला। इस लीग को 2021 में प्रधानमंत्री मोदी के उस विज़न के तहत शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण भारत की महिलाओं को प्रतिस्पर्धी खेलों में लाना और उन्हें एक पहचान व अवसर प्रदान करना है। रक्षा खडसे ने कहा, ''खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में, नतीजे ज़बरदस्त रहे हैं। हॉकी, वेटलिफ्टिंग और फुटबॉल में हिस्सा लेने वाली लगभग 60 से 70 प्रतिशत लड़कियां 'अस्मिता लीग' खेल चुकी हैं और पदक जीत चुकी हैं। इनमें अंजली मुंडा जैसी बेहतरीन खिलाड़ी भी शामिल हैं। तैराकी में जीते गए सभी पांचों स्वर्ण पदक भी 'अस्मिता लीग' की खिलाड़ियों ने ही हासिल किए हैं।

स्टॉक मार्केट में हाईनेस माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स की प्रीमियम एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

मुंबई। डिजिटल इमेजिंग सॉल्यूशन के काम में लगी कंपनी हाईनेस माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 120 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 4.16 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 125 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 130 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली होने पर इसके भाव में थोड़ी गिरावट भी आई। दोपहर 12:30 बजे तक कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 129.80 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह से अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 9.80 रुपये यानी 8.17 प्रतिशत का फायदा हो चुका है। हाईनेस माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड का 21.67 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 27 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 193.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 81.95 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 362.12 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 185.11 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

स्टॉक मार्केट में कमजोर लिस्टिंग से पावरिका लिमिटेड ने किया निराश, घाटे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। डीजल जेन सेट का उत्पादन करने के साथ ही विंड पावर बिजनेस में भी काम शुरू करने वाली कंपनी पावरिका लिमिटेड के शेयरों ने आज जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 395 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 5.06 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 375 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 7.34 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 366 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये ये शेयर उछल कर 388.95 रुपये के स्तर तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बन जाने पर इसने 365.10 रुपये के स्तर तक गोता भी लगाया। सुबह 11:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर बीएसई पर 370 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 370.45 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक छह प्रतिशत से अधिक के नुकसान में थे। पावरिका लिमिटेड का 1,100 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 27 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.53 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

साइ पैरेंटेरल्स की स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। फार्मास्यूटिकल फॉर्मेशन तैयार करने वाली कंपनी साई पैरेंटेरल्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के बावजूद बढ़त के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी राहत पहुंचाया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 392 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 3.32 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 405 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 2.04 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 400 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये ये शेयर उछल कर 414.90 रुपये के स्तर तक भी पहुंचा। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसकी चाल में थोड़ी गिरावट भी आई। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर बीएसई पर 404 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 403.20 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक लगभग तीन प्रतिशत के फायदे में थे। साई पैरेंटेरल्स का 408.79 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 27 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था।

शेयर बाजार में कोहराम, पहले घंटे में ही निवेशकों को लगी 9.17 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली। शेयर बाजार में आज कोहराम मच गया। जोरदार मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद घरेलू शेयर बाजार जबरदस्त गिरावट का शिकार हो गया। शुरुआती कारोबार में ही शेयर बाजार में 2.15 प्रतिशत से अधिक के गिरावट आ चुका है। पहले घंटे के कारोबार में ही सेंसेक्स लगभग 1,600 अंक टूट गया, वहीं निफ्टी ने भी लगभग 500 अंक का गोता लगाया। बाजार की जोरदार गिरावट के कारण शुरुआती कारोबार में ही निवेशकों को नौ लाख करोड़ से भी अधिक के नुकसान का सामना करना पड़ा। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन पहले घंटे के कारोबार के बाद ही घट कर 412.84 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 422.01 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह पहले घंटे के कारोबार में ही निवेशकों को करीब 9.17 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स में शामिल सभी 30 शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच बड़ी राहत, सरकार ने पेट्रोकेमिकल उत्पादों को किया ड्यूटी फ्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच पेट्रोकेमिकल उत्पादों का मुख्य रॉ मटेरियल के रूप में इस्तेमाल करने वाले उद्योगों को बड़ी राहत देने का ऐलान किया है। इसके तहत केंद्र सरकार ने 40 प्रमुख पेट्रोकेमिकल उत्पादन से अगले तीन महीने तक के लिए पूरी तरह से कस्टम ड्यूटी हटाने की घोषणा की है। केंद्र सरकार के इस कदम का उद्देश्य कच्चे माल की कीमत में होने वाली बेतहाशा वृद्धि से भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को सुरक्षित रखना है।

अमेरिका-इजराइल तथा ईरान के बीच जारी जंग के दौरान केंद्र सरकार द्वारा लिए गए इस फैसले से फार्मास्यूटिकल, ऑटो कॉम्पोनेंट्स, प्लास्टिक, टेक्सटाइल, पैकेजिंग और केमिकल मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में काम कर रहे उद्योगों को काफी फायदा होगा। कस्टम ड्यूटी हटाने से इन उद्योगों की उत्पादन लागत में गिरावट आएगी और आम आदमी को

महंगाई के बोझ से कुछ हद तक राहत मिल सकेगा। इस संबंध में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार इंडस्ट्रियल रॉ मटेरियल के रूप में एसिटिक एसिड, एपॉक्सी रेजिन, प्यूरीफाइड टैरेफ्थैलिक एसिड, मेथेनॉल, फिनोल, टॉल्यून, एनहाइड्रस अमोनिया, एथिलीन पॉलीमर्स और कई तरह के फॉर्मेल्डिहाइड पर लगने वाले कस्टम ड्यूटी को 30 जून तक के लिए पूरी तरह से खत्म कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने इन अहम पेट्रोकेमिकल उत्पादों के इंपोर्ट से कस्टम ड्यूटी हटाने का फैसला ऐसे समय में लिया है, जब पश्चिमी एशिया में जियो-पॉलिटिकल टेंशन चरम पर पहुंचा हुआ है। इस टेंशन का असर दुनिया भर में अहम पेट्रोकेमिकल कच्चे माल की उपलब्धता पर पड़ना शुरू हो गया है। अमेरिका और इजराइल तथा ईरान के बीच चल रही लड़ाई के चलते वैश्विक सप्लाई चेन को भी झटका लगा है, जिसकी वजह से इन उत्पादों की कीमत में भी तेजी आने लगी है। ऐसे में कस्टम ड्यूटी हटा कर केंद्र सरकार भारतीय उद्योगों के लिए आवश्यक कच्चे माल की लगातार सप्लाई सुनिश्चित करना चाहता है। इस संबंध में बताया गया है कि कस्टम ड्यूटी में इस छूट का उद्देश्य सप्लाई को बनाए रखने और वैल्यू चेन में कीमतों में बढ़ोतरी को रोकना है।

सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, सोना और चांदी की बढ़ी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 3,150 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी ने भी आज 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाई है। सोने की कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,52,960 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,40,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में भी आज तेजी आई है, जिसकी वजह से ये चमकीली धातु आज शुरुआती कारोबार के दौरान दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,55,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। घरेलू बाजार की तरह ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी आज सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं की कीमत में तेजी नजर आ रही है। सिंगापुर गोल्ड एक्सचेंज में आज हाजिर सोना 4,696.29 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर नजर आ रहा है। वहीं लंदन सिल्वर मार्केट में हाजिर चांदी की कीमत 75.57 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ गई है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,53,110 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

राज्यों के साथ केन्द्रीय कृषि मंत्री की समीक्षा बैठक, उर्वरक की उपलब्धता पर रहा जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ वर्चुअल बैठक कर किसान आईडी, उर्वरक की उपलब्धता एवं विभिन्न कृषि योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि किसान आईडी किसानों को उनकी भूमि, फसल, पशुधन एवं मत्स्य पालन से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। अब तक 19 राज्यों में कुल 9.25 करोड़ किसान आईडी बनाई जा चुकी हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि राज्य सरकारों के कृषि एवं राजस्व विभाग संयुक्त रूप से अभियान चलाकर अगले 6 महीनों में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करें। साथ ही व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाकर यह सुनिश्चित किया जाए कि किसान रजिस्ट्री केवल पीएम-किसान लाभार्थियों तक सीमित न रहे, बल्कि सभी पात्र किसानों को शामिल किया जाए।मीडिया से बातचीत करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने

कहा कि किसानों को खाद की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। राज्यों को जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी आधारित न्यायपूर्ण वितरण प्रणाली सुनिश्चित की जाए ताकि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार उर्वरक उपलब्ध हो सके, साथ ही असंतुलित उपयोग को रोकने एवं जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया जाए। सीमा क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने का निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि उर्वरक के अवैध आवागमन को रोकना आवश्यक है। हरियाणा के 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पहल की सराहना करते हुए उन्होंने इसे अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय बताया।पीएम-आशा योजना के अंतर्गत दलहन एवं तिलहन के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की समीक्षा भी की गई। शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत सरकार दलहन एवं तिलहन की खरीद एमएसपी पर करती है तथा राज्य इसके दिशा-निर्देशों के अनुसार भाग लेते हैं।

संसद से इन्सॉल्वेंसी और बैंक क्रप्सी कोड (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा ने दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक 2026 को ध्वनि मत से पारित कर दिया। इस विधेयक को पहले ही लोकसभा ने 30 मार्च को मंजूरी दी थी। इस संशोधन का उद्देश्य दिवालियापन प्रक्रियाओं को तेज़ करना, मामलों के बैकलॉग को कम करना और भारत के वित्तीय तंत्र को मजबूत करना है। राज्यसभा में चर्चा के दौरान, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि आईबीसी ने भारतीय बैंकिंग सेक्टर की सेहत में सुधार किया है और संपत्तियों की वसूली में मदद की है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चयन समिति की सभी 11 सिफारिशें सरकार द्वारा स्वीकार की गई हैं, साथ ही कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की एक अतिरिक्त सिफारिश भी जोड़ी गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पष्ट किया है कि इन्सॉल्वेंसी और बैंकक्रप्सी कोड विधेयक का उद्देश्य कंपनियों को बंद करना या उन्हें लिक्विडेट करना नहीं है। उन्होंने कहा कि यह कानून

कंपनियों के सामने मौजूद वित्तीय दबाव और तनाव को दूर करने के लिए लाया गया है। मंत्री ने बताया कि इसका मकसद यह है कि जो कंपनियां अस्थिर स्थिति में हैं, उन्हें आवश्यक समाधान और प्रक्रिया प्रदान की जाए, जिससे वे अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकें और फिर से उस स्तर पर पहुंचें जिस पर वे पहले सुचारू रूप से संचालित हो रही थीं।निर्मला सीतारमण ने यह भी कहा कि संशोधन के बाद आईबीसी और अधिक पारदर्शी, तेज और प्रभावी होगा, जिससे न केवल कंपनियों को राहत मिलेगी बल्कि लेनदारों और निवेशकों का विश्वास भी बढ़ेगा।

मप्र के जबलपुर की चारों निर्माणियों ने इस साल किया 4622 करोड़ का रिकॉर्ड उत्पादन

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित चारों निर्माणियों (केंद्रीय सुरक्षा संस्थानों) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4622 करोड़ रुपये का उत्पादन किया है। इनमें सबसे अधिक उत्पादन भारतीय सेना के लिए गोला बारुद, बम बनाने वाले देश की सबसे बड़ी सुरक्षा संस्थान आयुध निर्माणी खमरिया ने किया है। निर्माणियों द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, आयुध निर्माणी खमरिया ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में निर्धारित 2417 करोड़ रुपये के उत्पादन लक्ष्य को पार करते हुए 2450 करोड़ रुपये से अधिक का उत्पादन कर ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की है। इस उपलब्धि के पीछे संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा सभी सहयोगी इकाइयों के सामूहिक प्रयास और समर्पण की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप उत्पादन कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करते हुए संस्थान ने 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित की है।वहीं, गन कैरिज फैक्ट्री और व्हीकल फैक्ट्री (ओएफके) जबलपुर ने 1000 करोड़ से अधिक का प्रोडक्शन किया है। आवश्यकताओं की पूर्ति में अपना महत्वपूर्ण योगदान देती रहेगी। जबलपुर की जीसीएफ फैक्ट्री ने 32 गनों का प्रोडक्शन कर पहली बार 1000 करोड़ के क्लब में शामिल हो गया है।

ओएफके के मुख्य महाप्रबंधक शैलेश वगेरवाल ने टारगेट से अधिक माल बनाने पर अधिकारी और कर्मचारियों को बधाई दी है। वगेरवाल ने कहा है कि आने वाले समय में भी आयुध निर्माणी खमरिया इसी उत्साह और समर्पण के साथ राष्ट्र की रक्षा जीसीएफ फैक्ट्री ने वित्तीय वर्ष 2025-2026 के दौरान रिकार्ड 1036 करोड रुपये का उत्पादन किया है। निर्माणी ने वित्त वर्ष के दौरान 109 संख्या में टैंक गन का निर्माण किया, इसके अतिरिक्त 129 करोड़ के उच्चतम स्पेयर्स सेना को सौंपे हैं। साथ ही रिकॉर्ड 20 धनुष एवं 12 एलएफजी गनों का निर्माण किया है। अचीवमेंट के साथ ही रिटायर हुए मुख्य महाप्रबंधक राजीव गुप्ता ने कहा कि यह टीम वर्क का नतीजा है।व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर ने भी इन निर्माणीयों के साथ चलते हुए 10 साल के बाद 1056 करोड़ का उत्पादन किया है। आपरेशन सिंदूर के बाद आयुध निर्माणियों में प्रोडक्शन को लेकर अधिकारी-कर्मचारी सभी गंभीर थे। साल भर में कभी भी फैक्ट्रियों को कच्चे माल की कमी नहीं पड़ी। जनसंपर्क अधिकारी हर्ष भटनागर ने बताया की फैक्ट्री ने 1509 एलपीटीए, 1248 स्टेलियन, 592 वाटर ब्राउज़र और 14 सारंग गन का उत्पादन किया है। आयुध निर्माणी जबलपुर अपने 80 करोड़ रुपए के टारगेट को पूरा करने में कामयाब रही है। यहां पर ढाई सौ किलो एयर बॉडी और लिफ्टिंग प्लग का उत्पादन किया है।

सीबीआई कोर्ट का बड़ा फैसला, बैंक धोखाधड़ी मामले में दोषियों को तीन साल की सजा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कोर्ट की लखनऊ शाखा ने बैंक धोखाधड़ी के एक महत्वपूर्ण मामले में सख्त फैसला सुनाते हुए सभी लोगों को दोषी करार दिया। अदालत ने सभी आरोपियों को तीन-तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाने के साथ ही कुल 3.4 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने बैंक ऑफ इंडिया, लाल बंगला शाखा, कानपुर के तत्कालीन सीनियर मैनेजर नरेश चंद्र भारद्वाज, साधना दीक्षित, राम जी शुक्ला, जितेंद्र श्रीवास्तव और प्रेम प्रकाश को दोषी करार दिया है। यह मामला लंबे समय से न्यायिक प्रक्रिया में था और अंततः अदालत ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अपना निर्णय सुनाया।

इस प्रकरण की शुरुआत केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा 11 जनवरी 2008 को दर्ज की गई एफआईआर से हुई थी, जो बैंक ऑफ इंडिया, कानपुर जोन के तत्कालीन जोनल मैनेजर की लिखित शिकायत पर आधारित थी।

शिकायत में आरोप लगाया गया था कि सीनियर मैनेजर नरेश चंद्र भारद्वाज ने 17 जुलाई 2006 से 26 अक्टूबर 2006 के बीच विक्रम दीक्षित और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के साथ मिलकर एक सुनियोजित आपराधिक साजिश रची।

इस साजिश के तहत आरोपियों ने ऐसे व्यक्तियों के नाम पर हाउसिंग लोन, ओडी मॉर्गेज लोन और ऑटो फाइनेंस लोन स्वीकृत किए, जो या तो अस्तित्व में ही नहीं थे या फिर फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर रहे थे।

इस धोखाधड़ी के चलते बैंक ऑफ इंडिया को कुल 41.50 लाख रुपए का वित्तीय नुकसान हुआ, जबकि आरोपियों ने इस राशि के बराबर का अनुचित लाभ प्राप्त किया। मामले की विस्तृत जांच के बाद सीबीआई ने 26 अप्रैल 2010 को सभी आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। लंबी सुनवाई और साक्ष्यों के परीक्षण के बाद अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी मानते हुए यह सजा सुनाई।

पंजाब एंड सिंध बैंक में 1000 रिक्त पदों पर भर्ती के आवेदन शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकारी बैंक में नौकरी करने के लिए तैयारी कर युवाओं के लिए अच्छी खबर है। पंजाब एंड सिंध बैंक की ओर से लोकल बैंक ऑफिसर के 1000 रिक्त पदों पर भर्ती निकाली गई है। इस भर्ती के लिए आवेदन स्टार्ट हो गए हैं। जो भी युवा भर्ती के लिए पात्रता रखते हैं वे ऑनलाइन माध्यम से पीएसबी की आफिशियल वेबसाइट punjabandsindbank.co.in पर जाकर या इस पेज पर दिए डायरेक्ट लिंक पर क्लिक करके फॉर्म भर सकते हैं। आवेदन करने से पहले उम्मीदवार पात्रता एवं मापदंड की जांच अवश्य कर लें।

ये योग्यता है जरूरी:

इस भर्ती में भाग लेने के लिए अभ्यर्थी का किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी/ संस्थान से किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएट होना अनिवार्य है। इसके साथ किसी भी पब्लिक सेक्टर/ बैंक/ रीजनल रूरल बैंक में ऑफिसर कैडर में 18 महीने काम करने का अनुभव होना चाहिए।

आयु सीमा:

अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 20 वर्ष से कम और अधिकतम आयु

30 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए अर्थात उम्मीदवार का जन्म 2 मार्च 1996 से 1 मार्च 2006 के बीच हुआ हो। आरक्षित श्रेणी से आने वाले उम्मीदवारों को ऊपरी उम्र में नियमानुसार छूट दी जाएगी। उम्र की गणना 1 मार्च 2026 को ध्यान में रखकर की जाएगी।

आवेदन शुल्क:

एप्लीकेशन फीस जनरल, ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस वर्ग से आने वाले उम्मीदवारों को 850 रुपये + टैक्स एवं Payment Gateway Charges जमा करना होगा। एससी, एसटी, पीडब्ल्यूडी वर्ग से आने वाले उम्मीदवारों को 100 रुपये (+ टैक्स एवं Payment Gateway Charge) जमा करना होगा।

स्वयं भर सकते हैं आवेदन:

ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के लिए सबसे पहले आधिकारिक पोर्टल ibpsreg.ibps.in/psbmar26/ पर विजिट करें। वेबसाइट के होम पेज पर Click here for New Registration पर क्लिक करें और मांगी गई डिटेल भरकर पंजीकरण कर लें। रजिस्ट्रेशन होने के बाद अभ्यर्थी अन्य डिटेल भरकर आवेदन प्रकिया पूर्ण कर लें। इसके बाद हस्ताक्षर एवं फोटोग्राफ अपलोड करें। निर्धारित शुल्क जमा करें और फॉर्म को सबमिट करने के बाद एक प्रिंटआउट निकालकर सुरक्षित रख लें।

चयन प्रक्रिया:

इस भर्ती में चयन के लिए उम्मीदवारों को पहले लिखित परीक्षा में भाग लेना होगा। एग्जाम में सफल होने वाले उम्मीदवारों को स्क्रीनिंग, पर्सनल इंटरव्यू में भाग लेना होगा। इसके बाद अभ्यर्थियों को अंत में लोकल लैंग्वेज टेस्ट में भाग लेना होगा। सभी चरणों में सफल अभ्यर्थियों को रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रदान की जाएगी।

स्टॉक मार्केट में अमीरचंद जगदीश कुमार ने किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। एयरोप्लेन ब्रैंडनेम से बासमती चावल का निर्यात करने वाली कंपनी अमीर चंद जगदीश कुमार के शेयरों ने आज जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 212 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 10.38 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 195 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 5.66 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 200 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण कंपनी के शेयर की चाल में और कमजोरी आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर बारह बजे के थोड़ी देर पहले ही ये शेयर बीएसई में फिसल कर 175.50 रुपये के और एनएसई में 180 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 32 रुपये से लेकर 36.50 रुपये यानी 15.09 प्रतिशत से लेकर 17.22 प्रतिशत तक का नुकसान हो चुका है।

अमीर चंद जगदीश कुमार का 440 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 27 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.18 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 13.40 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.44 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,07,54,716 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ में शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

भारत का डीजल निर्यात सात साल के उच्चतम स्तर पर, ऑस्ट्रेलिया के लिए मददगार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के डीजल का दक्षिण-पूर्व एशिया में निर्यात मार्च में सात साल से अधिक समय में उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, क्योंकि क्षेत्र और ऑस्ट्रेलिया में ईंधन की मांग में वृद्धि हुई, जो मध्य पूर्व से कच्चे तेल की आपूर्ति में व्यवधान के कारण हुई। यह ऑस्ट्रेलिया के लिए एक महत्वपूर्ण अंतर को भर रहा है, क्योंकि देश आयातित ईंधन पर बहुत निर्भर है और अपनी आपूर्ति का अधिकांश हिस्सा एशिया से प्राप्त करता है। ऑस्ट्रेलिया अब अपनी बची हुई रिफाइनरियों से देश की ईंधन की मांग का 20 प्रतिशत से भी कम हिस्सा पूरा करता है, जबकि बाकी की आपूर्ति क्षेत्रीय सप्लाई चेन के जरिए की जाती है।

'ऑस्ट्रेलिया टुडे' के एक लेख के अनुसार, इस स्थिति में एशिया में भारत से आने वाला अतिरिक्त डीजल उस आपूर्ति के दायरे को बढ़ाने में मदद करता है, जहां से ऑस्ट्रेलिया खरीदारी कर सकता है; ऐसा इसलिए है क्योंकि खरीदार अब दूसरे विकल्पों की तलाश में जुटे हुए हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, मार्च में लगभग एक मिलियन मीट्रिक टन डीजल भारत से दक्षिण-पूर्व एशिया और ऑस्ट्रेलिया भेजा गया, जिसमें लगभग आधा सिंगापुर के लिए गया और लगभग 90 प्रतिशत व्यापार रिलायंस इंडस्ट्रीज की ओर से शिप किया गया। ऑस्ट्रेलिया के लिए तत्काल मुद्दा सिर्फ कीमत नहीं बल्कि भौतिक उपलब्धता भी है। एंथनी अल्बानीज सरकार ने कहा है ।

रेलवे ने 2025-26 में यात्री और माल ढुलाई दोनों में बनाया रिकॉर्ड : वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेल ने 2025-26 में 741 करोड़ यात्रियों को यात्रा कराकर और 1670 मिलियन टन माल ढुलाई कर नया रिकॉर्ड बनाया है, जो रेल नेटवर्क की बढ़ती क्षमता और देश की अर्थव्यवस्था में उसकी अहम भूमिका को दर्शाता है।वैष्णव ने लोकसभा में बताया कि 2025-26 में भारतीय रेल ने 741 करोड़ यात्रियों को यात्रा कराई, जो 2024-25 के 716 करोड़ यात्रियों की तुलना में 3.54 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही यात्री राजस्व में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2024-25 में जहां यह 75,500 करोड़ रुपये था, वहीं 2025-26 में बढ़कर लगभग 80,000 करोड़ रुपये हो गया, जो 5.96 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे को मिले रिकॉर्ड बजट आवंटन और पिछले एक दशक में किए गए भारी निवेश का सीधा लाभ अब दिख रहा है। रेलवे गरीबों और मध्यम वर्ग की सवारी है और पिछले 10 वर्षों में हुए निवेश का फायदा समाज के हर वर्ग को मिला है। माल ढुलाई के क्षेत्र में भी रेलवे ने नया रिकॉर्ड बनाया है। वैष्णव ने बताया कि 2025-26 में भारतीय रेल ने 1670 मिलियन टन (एमटी) माल का परिवहन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3.25 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही वैगनों की संख्या में 4.56 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 2,79,12,271 से बढ़कर 2,91,86,475 हो गई।

उन्होंने कहा कि यह वृद्धि दर्शाती है कि रेलवे देश में किफायती, विश्वसनीय और कुशल लॉजिस्टिक्स माध्यम के रूप में तेजी से उभर रहा है।

माल ढुलाई में वृद्धि के प्रमुख कारणों का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि उर्वरक तथा 'पिग आयरन और तैयार स्टील' क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उर्वरक परिवहन में 13.49 प्रतिशत और पिग आयरन एवं स्टील में 13.11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो कृषि और औद्योगिक गतिविधियों में तेजी का संकेत है।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र से जुड़े उत्पादों ने भी इस वृद्धि को मजबूती दी। लौह अयस्क का परिवहन 6.74 प्रतिशत बढ़कर 190.12 मिलियन टन हो गया, जबकि सीमेंट ढुलाई में 4.74 प्रतिशत की वृद्धि के साथ यह 157.17 मिलियन टन तक पहुंच गया। इससे देश में निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की रफ्तार का संकेत मिलता है।

राजस्व के मोर्चे पर भी रेलवे ने अच्छा प्रदर्शन किया है। माल ढुलाई से आय 2025-26 में बढ़कर लगभग 1,77,754 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष के 1,75,302 करोड़ रुपये की तुलना में 1.44 प्रतिशत अधिक है। आय के प्रमुख स्रोतों में लौह अयस्क, सीमेंट, पिग आयरन एवं स्टील, उर्वरक, खाद्यान्न और खनिज तेल शामिल रहे। क्षेत्रवार प्रदर्शन में भी संतुलित वृद्धि दर्ज की गई। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने 14.89 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। इसके अलावा उत्तर मध्य रेलवे (12.62 प्रतिशत), पूर्वी तट रेलवे (10.42 प्रतिशत) और पश्चिम मध्य रेलवे (10.06 प्रतिशत) ने भी दो अंकों की वृद्धि दर्ज की।

अन्य जोनों में भी सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली, जिनमें पूर्वी रेलवे (0.78 प्रतिशत), पूर्व मध्य रेलवे (0.39 प्रतिशत), उत्तर पूर्वी रेलवे (0.25 प्रतिशत), पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (6.75 प्रतिशत), उत्तर पश्चिम रेलवे (5.17 प्रतिशत), दक्षिण मध्य रेलवे (2.59 प्रतिशत), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (3.18 प्रतिशत), दक्षिण रेलवे (1.10 प्रतिशत) और पश्चिम रेलवे (3.57 प्रतिशत) शामिल हैं। वैष्णव ने कहा कि यह व्यापक वृद्धि देशभर में रेलवे की माल ढुलाई क्षमता में सुधार और क्षेत्रीय संतुलित विकास को दर्शाती है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह आईआरजीसी के नियंत्रण में : ईरान

एजेंसी

तेहरान। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह उसके नौसैनिक नियंत्रण में है। आईआरजीसी ने इस क्षेत्र में अमेरिकी और इजराइली ठिकानों के खिलाफ मिसाइल और ड्रोन अभियानों की एक श्रृंखला का भी विवरण दिया है। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार समिति तसनीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक आईआरजीसी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में स्थिति निर्णायक रूप से और पूरी तरह उसके नौसैनिक बलों के नियंत्रण में है। आईआरजीसी ने कहा कि उसके नौसैनिक बलों ने 01 अप्रैल की सुबह से 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4' की 89वीं लहर के हिस्से के रूप में पांच बड़े अभियान चलाए। इन अभियानों में अमेरिकी और इजराइली बलों के प्रमुख सैन्य ठिकानों को नष्ट करने के लिए बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ-साथ ड्रोन के संयोजन का इस्तेमाल किया गया। इसमें आगे कहा गया कि पहले हमले में अमेरिकी बलों द्वारा उपयोग किए जाने वाले और संयुक्त अरब अमीरात के जलक्षेत्र तथा द्वीपों में स्थित एक समुद्री संरचना पर तैनात दो 'अर्ली-वॉर्निंग एयर डिफेंस रडार सिस्टम' को नष्ट कर दिया गया। बयान में कहा गया कि इसराइल से संबंधित एक तेल टैंकर एक्वा वन को मध्य फारस की खाड़ी में निशाना बनाया गया। मिसाइल हमले के बाद इस टैंकर में आग लगने की सूचना मिली थी।

ईरान कम-से-कम छह महीने तक युद्ध जारी रखने को तैयार : अब्बास अराकची

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि ईरान, अमेरिका-इज़रायल के साथ जारी संघर्ष को लंबे समय तक जारी रखने के लिए, तैयार है। तेहरान कम-से-कम छह महीने तक युद्ध लड़ने की क्षमता रखता है और अपनी जवाबी सैन्य कार्रवाई जारी रखेगा। अर्ध-सरकारी तसनीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, अलजजीरा को दिए इंटरव्यू में अराकची ने कहा कि ईरान अपने दुश्मनों द्वारा तय किसी भी समय-सीमा को नहीं मानता और अपनी सुरक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाता रहेगा। उन्होंने अमेरिका के साथ बातचीत के दावों को खारिज करते हुए कहा कि फिलहाल ईरान और अमेरिका के बीच कोई औपचारिक वार्ता नहीं चल रही है। हालांकि, दोनों देशों के बीच सीधे और परोक्ष रूप से संदेशों का आदान-प्रदान जारी है, जिसे बातचीत नहीं कहा जा सकता। ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि किसी भी संभावित वार्ता का निर्णय ईरान के सर्वोच्च नेतृत्व द्वारा लिया जाएगा और इसका मुख्य उद्देश्य देश के हितों की रक्षा होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान सिर्फ अस्थायी युद्धविराम नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र में स्थायी शांति और युद्ध की पूर्ण समाप्ति चाहता है।

पश्चिम एशिया युद्ध का असर, हवाई ईंधन महंगा होने से घरेलू उड़ान किराया दोगुना

काठमांडू। पश्चिम एशिया में एक महीने से चल रहे युद्ध का प्रभाव अब आंतरिक हवाई उड़ानों पर भी पड़ने लगा है। हवाई ईंधन की कीमत में 98 प्रतिशत की वृद्धि होने के बाद घरेलू उड़ानों के किराए भी लगभग दोगुने हो गए हैं। नया हवाई किराया सुबह 1 बजे से ही लागू हो चुका है। वायुसेवा संचालक संघ के सदस्य एवं बुद्ध एयर के निदेशक रुपेश जोशी के अनुसार ईंधन की कीमत बढ़ने के कारण हवाई किराए के अंतर्गत फ्यूल सरचार्ज में वृद्धि हुई है, जिससे सबसे अधिक किराया काठमांडू-धनगढ़ी रूट पर पहुंच गया है। काठमांडू-धनगढ़ी रूट पर फ्यूल सरचार्ज एक ही बार में 5,480 रुपये बढ़ा है। मंगलवार तक इस रूट पर ईंधन शुल्क 5,610 रुपये था, जो अब बढ़कर 11,090 रुपये हो गया है। इसके अलावा एयरफेयर और एयरपोर्ट सेवा शुल्क अलग से देना होगा। इसी तरह काठमांडू से होने वाली पर्वतीय (माउंटेन) उड़ानों में 4,255 रुपये की वृद्धि के साथ 8,615 रुपये, काठमांडू-सुर्खेत में 4,285 रुपये बढ़कर 8,657 रुपये, काठमांडू-नेपालगंज में 4,045 रुपये बढ़कर 8,185 रुपये, काठमांडू-भद्रपुर में 3,725 रुपये बढ़कर 7,540 रुपये हो गया है। काठमांडू-पोखरा रूट पर 1,970 रुपये बढ़कर 3,985 रुपये, काठमांडू-जनकपुर में 1,600 रुपये बढ़कर 3,230 रुपये, काठमांडू-भरतपुर में 1,330 रुपये बढ़कर 2,690 रुपये, काठमांडू-विराटनगर में 2,980 रुपये बढ़कर 6,020 रुपये, काठमांडू-भैरहवा में 2,555 रुपये बढ़कर 5,170 रुपये और काठमांडू-सिमरा में 1,120 रुपये बढ़कर 2,260 रुपये फ्यूल सरचार्ज हो गया है।

पश्चिम एशिया तनाव से नेपाल में उर्वरक संकट गहराया, बुआई सीजन पर होगा असर

काठमांडू। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण उत्पन्न रासायनिक उर्वरक संकट का सीधा प्रभाव नेपाल में भी आने वाले महीनों में शुरू होने वाले पहले बुआई सीजन पर पड़ने की आशंका है। तनाव शुरू हुए एक महीना बीत जाने के बावजूद स्थिति सामान्य होने के संकेत नहीं दिख रहे हैं। कृषि मंत्रालय के अनुसार फिलहाल 1 लाख 37 हजार 663 टन उर्वरक भंडार में मौजूद है, जो आगामी धान रोपाई के लिए सुरक्षित माना गया है। इसके अलावा 45 हजार टन उर्वरक रास्ते में है, जो कुछ ही हफ्तों में नेपाल पहुंचने की उम्मीद है। नेपाल ने 90 हजार टन उर्वरक आयात के लिए प्रक्रिया शुरू किया है, लेकिन आपूर्ति में बाधा और बढ़ती कीमतों के कारण इसे समय पर लाना मुश्किल हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि रासायनिक उर्वरक का आयात पूरी तरह बाधित हो गया, तो इससे उत्पादन में गिरावट और फसल नष्ट होने की स्थिति पैदा हो सकती है। हालांकि आपूर्ति में आंशिक सुधार हुआ है, लेकिन बढ़ती लागत के कारण नेपाल पर्याप्त मात्रा में उर्वरक खरीद पाने की स्थिति में नहीं दिखता।

ईरान में अमेरिका के सैनिक तैनात होंगे या नहीं, ट्रंप की चुप्पी से मीडिया परेशान

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को लेकर लगातार अपने पुराने दावों को दोहरा रहे हैं। इसे लेकर अब अमेरिकी मीडिया में भी असंतोष देखने को मिल रहा है। अपन प्राइम-टाइम भाषण में ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ लड़ाई पूरी होने वाली है, लेकिन उन्होंने रणनीति, लड़ाई को बढ़ाने और लड़ाई के अंत को लेकर जरूरी सवालों के जवाब नहीं दिए। अमेरिकी मीडिया ने ईरान को लेकर ट्रंप की रणनीति पर गहरी निराशा जाहिर की। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति ने इस बारे में कोई साफ बात नहीं कही कि ईरान में जमीनी स्तर पर अमेरिका के सैनिक तैनात किए जाएंगे या नहीं। द न्यूयॉर्क टाइम्स और द वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में बताया गया कि ट्रंप ने किसी भी डिप्लोमैटिक रास्ते या बाहर निकलने की रणनीति के बारे में बताने से भी परहेज किया। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई दो से तीन हफ्ते और चल सकती है। ट्रंप ने रणनीतिक होर्मुज स्ट्रेट का थोड़ा सा जिक्र किया और कहा कि दूसरे देशों को, खासकर जो मिडिल ईस्ट के तेल पर निर्भर हैं, इसे फिर से खोलने के लिए आगे आना चाहिए। हम मदद करेंगे लड़ाई खत्म होने के बाद पानी का रास्ता अपने आप खुल जाएगा।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा कि ट्रंप ने इस इलाके में सैन्य ऑपरेशन के मिले-जुले नेचर के बावजूद, इजरायल समेत खास साथियों की भूमिका के बारे में विस्तार से नहीं बताया। न ही उन्होंने नाटो साझेदारों के साथ सहयोग पर बात की, जबकि रिपोर्ट्स में गठबंधन के समर्थन को लेकर पहले के तनाव का संकेत मिला। द वॉशिंगटन पोस्ट के लाइव कवरेज के मुताबिक, ईरान के राजनीतिक भविष्य को लेकर ट्रंप ने कहा कि सत्ता परिवर्तन अमेरिका का मकसद नहीं था। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया कि ट्रंप के संबोधन में ईरान के उभरते लीडरशिप स्ट्रक्चर या मोजतबा खामेनेई जैसे लोगों का जिक्र नहीं था। अमेरिकी मीडिया ने ईरान में वरिष्ठ अधिकारियों की मौत के बाद मोजतबा को एक खास पावर सेंटर के तौर पर पहचाना गया है। हालांकि ट्रंप ने इस दावे को दोहराया कि ईरान की सैन्य क्षमता में बहुत ज्यादा कमी आई है, लेकिन रिपोर्ट्स में कहा गया है कि तेहरान पूरे इलाके में मिसाइल और ड्रोन हमले जारी रखे हुए है। अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स ने बताया कि ट्रंप ने अपने संबोधन में ज्यादातर मौजूदा बातों को ही दोहराया गया, सैन्य या डिप्लोमैटिक मोर्चों पर कोई नई घोषणा नहीं की गई।

रिपोर्ट्स में बताया गए विश्लेषक ने कहा कि जमीनी कार्रवाई, होर्मुज सुरक्षा और युद्ध के बाद के गवर्नेंस पर खास जानकारी न होने से लड़ाई के अगले चरण के बारे में अनिश्चितता बनी हुई है।

ट्रंप ने इस बारे में भी कुछ नहीं कहा कि क्या अमेरिका ईरान के न्यूक्लियर मैटीरियल को सुरक्षित करने की कोशिश करेगा, जबकि द न्यूयॉर्क टाइम्स के विश्लेषण के मुताबिक, विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि जमीन के नीचे दबे संबंधित यूरेनियम को निकालने के लिए रिस्की ग्राउंड ऑपरेशन करने होंगे।

युद्ध अब अपने दूसरे महीने में है, बढ़ते खतरों, इलाके की स्थिरता और मिडिल ईस्ट में अमेरिका की लंबे समय की रणनीति पर सवाल उठा रहा है।

प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने लागू की दैनिक रिपोर्टिंग प्रणाली, मंत्रालयों में बढ़ा काम का दबाव

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने सिंहदरबार में लंबे समय से जमी सुस्ती और नौकरशाही की जड़ता को तोड़ने के लिए नई रिपोर्टिंग प्रणाली लागू की है। प्रधानमंत्री शाह ने मंत्रियों और उच्च पदस्थ कर्मचारियों को एक ही मानक में रखते हुए निर्देश दिया है कि वे हर दिन के कार्यों का विवरण शाम तक प्रस्तुत करें। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय ने सभी मंत्रालयों, विभागों और आयोगों को पत्र भेजकर दिनभर किए गए सभी कार्यों का विवरण उपलब्ध कराने को कहा है। मुख्य सचिव सुमन राज अर्याल ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सभी मंत्रालयों, विभागों एवं अन्य सरकारी निकायों को इस संबंध में पत्र प्राप्त भेजा गया है।दिनभर के कार्यों का विवरण प्रधानमंत्री कार्यालय में भेजने के लिए लगभग सभी मंत्रालयों ने 'फोकल पर्सन' नियुक्त कर दिए हैं। मुख्य सचिव अर्याल के अनुसार, यह जिम्मेदारी सहसचिव स्तर के अधिकारियों को दी गई है। सरकार पहले ही सुशासन सुधार से संबंधित 100 बिंदुओं की कार्यसूची सार्वजनिक कर चुकी है। प्रधानमंत्री शाह अब इन बिंदुओं के क्रियान्वयन की दैनिक समीक्षा कर रहे हैं। सरकार के प्रवक्ता एवं शिक्षा मंत्री सस्मित पोखरेल के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कार्य मूल्यांकन का आधार भी इसी को बनाया है। पोखरेल ने कहा, 'प्रधानमंत्री सुधार प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहे हैं। 100 बिंदुओं की सरकारी कार्यसूची के आधार पर सभी मंत्रालयों को अपने काम की प्रगति रिपोर्ट हर शाम मंत्रिपरिषद कार्यालय में देनी होगी, और इसका कार्यान्वयन शुरू हो चुका है।'

इंडोनेशिया में आया 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप, तटीय क्षेत्रों में सुनामी की चेतावनी

एजेंसी

जकार्ता। इंडोनेशिया में जबरदस्त भूकंप आया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने बताया कि गुरुवार तड़के पूर्वी इंडोनेशिया के तट से दूर समुद्र में 7.4 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया। इसके बाद एक अमेरिकी निगरानी एजेंसी ने भूकंप के केंद्र से 1,000 किलोमीटर के दायरे में सुनामी की संभावना को लेकर चेतावनी जारी की। यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप का केंद्र 1.20 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 126.35 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। चीन के भूकंप नेटवर्क केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक, यह भूकंप लगभग 30 किलोमीटर की गहराई पर आया। यूएसजीएस ने आगे बताया कि यह भूकंप, जिसकी तीव्रता शुरू में 7.8 मापी गई थी, स्थानीय समय के अनुसार सुबह लगभग 6:48 बजे मोलुक्का सागर में आया। हवाई स्थित पैसिफिक सुनामी वार्निंग सेंटर ने एक अलर्ट जारी करते हुए कहा कि भूकंप के केंद्र से 1,000 किलोमीटर के दायरे में खतरनाक सुनामी लहरें उठ

सकती हैं, खासकर इंडोनेशिया, फिलीपींस और मलेशिया के तटीय इलाकों में। यूएसजीएस ने भी भूकंप के केंद्र से उतनी ही दूरी पर स्थित क्षेत्रों में खतरनाक सुनामी लहरों की संभावना के संबंध में चेतावनी दी। इंडोनेशिया दुनिया के सबसे अधिक भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्रों में से एक है, क्योंकि यह 'प्रशांत अग्नि वलय' पर स्थित है। यह ज्वालामुखियों और भ्रंश रेखाओं का एक विशाल 40,000 किलोमीटर लंबा चाप है, जो टेक्टोनिक प्लेटों की आपसी हलचल से बना है। प्रशांत महासागर को घेरने वाली यह घोड़े की नाल के आकार की बेल्ट दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत भूकंपों का कारण बनती है और यह अपने लगातार होने वाली भूकंपीय और ज्वालामुखी गतिविधियों के लिए जानी जाती है। यूएसजीएस के अनुसार, अभी पिछले महीने ही 3 मार्च को सुमात्रा के तट से दूर समुद्र में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इससे वहां के लोग सहम गए थे, लेकिन कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ था। यह भूकंप सुमात्रा के उत्तर-पूर्वी सिरे के पास समुद्र में उत्पन्न हुआ था, जिसके कारण उस क्षेत्र में, जहां अक्सर भूकंप के झटके आते रहते हैं, कई लोग घबराकर अपने घरों से बाहर भाग निकले थे।

नासा ने ऐतिहासिक आर्टेमिस-II मानवयुक्त चंद्र मिशन का किया शुभारंभ

एजेंसी

फ्लोरिडा। नासा का आर्टेमिस II चंद्र मिशन अमेरिका के फ्लोरिडा से प्रक्षेपित हुआ। इसमें चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर 50 से अधिक वर्षों में पहली बार चंद्रमा के चारों ओर मानवयुक्त उड़ान भरी गई। स्पेस लॉन्च सिस्टम रॉकेट जिसके शीर्ष पर ओरियन अंतरिक्ष यान लगा था, शाम 6:35 बजे (ईस्टर्न टाइम) नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से प्रक्षेपित किया गया। यह आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत नासा का पहला मानवयुक्त मिशन है। चार सदस्यीय दल में नासा के अंतरिक्ष यात्री रीड वाइसमैन, विक्टर ग्लोवर और क्रिस्टीना कोच शामिल हैं। साथ ही कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री जेरेमी हैनसेन भी दल का हिस्सा हैं। लॉन्च काउंटडाउन को टी-10 मिनट के समय पर थोड़ी देर के लिए रोका गया था, जिसके बाद कुछ मिनटों में इसे फिर से शुरू कर दिया गया। आर्टेमिस II मिशन गहरे अंतरिक्ष अभियानों के लिए आवश्यक कई क्षमताओं का प्रदर्शन

करेगा। नासा के अनुसार, इसका उद्देश्य ओरियन के जीवन-समर्थन प्रणालियों को सत्यापित करना और अंतरिक्ष यात्रियों को आर्टेमिस III और आगामी चंद्र मिशनों की सफलता के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण संचालन का अभ्यास करने का अवसर देना है। दल चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से से लगभग 7,400 किलोमीटर आगे तक यात्रा करेगा और फिर पृथ्वी पर लौटेगा। यह मिशन अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी से पहले से कहीं अधिक दूर और चंद्रमा के पहले से कहीं अधिक निकट ले जाएगा, जैसा कि पिछले आधे शताब्दी में कभी नहीं हुआ।

पुनः प्रवेश (री-एंट्री) इस मिशन के सबसे चुनौतीपूर्ण चरणों में से एक होगा। ओरियन के पृथ्वी के वायुमंडल में लगभग 25,000 मील प्रति घंटे की गति से प्रवेश करने की उम्मीद है, जहां उसे लगभग 5,000 डिग्री तापमान का सामना करना पड़ेगा, इसके बाद यह प्रशांत महासागर में उतरेगा।

मिशन के दौरान, अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष यान के प्रदर्शन का मूल्यांकन करेंगे, आपातकालीन प्रक्रियाओं का अभ्यास करेंगे और चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से की तस्वीरें लेंगे।

ट्रंप ने ईरान के खिलाफ कार्रवाई बच्चों के भविष्य में निवेश जैसी, हमले तेज करने की दी चेतावनी

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आने वाले हफ्तों में ईरान के खिलाफ हमले और तेज करने की बात कही और चेतावनी दी है कि ये हमले अभी कुछ हफ्तों तक और चलेगा। ट्रंप ने कहा कि हम अगले दो से तीन हफ्तों में उन पर बहुत जोरदार हमला करने वाले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के खिलाफ इन हमलों को बच्चों के भविष्य में निवेश बताया। देश के नाम अपने संबोधन में स्थानीय समयानुसार ट्रंप ने कहा कि ईरान के खिलाफ ऑपरेशन एक महीने से थोड़ा ज्यादा चला है, लेकिन अमेरिका ने पहले ही उस चीज को खत्म कर दिया है जिससे बड़ा खतरा बताया था। उन्होंने कहा, 'हम इस सैन्य ऑपरेशन में 32 दिनों से हैं और देश को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है और असल में अब कोई खतरा नहीं है।' उन्होंने कैंपेन की रफ्तार में तेजी को दिखाने के लिए इसकी तुलना पिछले अमेरिकी युद्धों के समय से की। ट्रंप ने कहा, 'पहले विश्व युद्ध में अमेरिका की भागीदारी एक साल, सात महीने और पांच दिन तक चली। दूसरा वर्ल्ड वॉर तीन

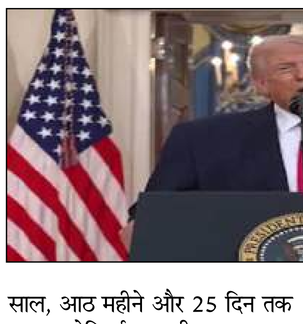

साल, आठ महीने और 25 दिन तक चला। कोरियाई युद्ध तीन साल, एक महीने और दो दिन तक चला। वियतनाम युद्ध 19 साल, पांच महीने और 29 दिन तक चला और इराक युद्ध आठ साल, आठ महीने और 28 दिन तक चला।' ईरान ऑपरेशन को बहुत तेज बताते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने ऐसी रफ्तार से नतीजे दिए हैं जो मॉडर्न लड़ाई में बहुत कम देखी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'लड़ाई के इतिहास में कभी किसी दुश्मन को कुछ हफ्तों में इतना साफ, भयानक और बड़े पैमाने पर नुकसान नहीं हुआ।' उन्होंने कहा कि ये लड़ाई का कम समय सैन्य ताकत और रणनीतिक स्पष्टता दोनों को दिखाता है। ट्रंप ने कहा, 'हम अमेरिका और दुनिया के लिए ईरान के खतरे को खत्म करने की कगार पर हैं।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'हम तब तक काम करते रहेंगे, जब तक हमारे मकसद पूरे तरह पूरे नहीं हो जाते। हमने जो प्रक्रिया की है, उसकी वजह से मैं कह सकता हूं कि हम बहुत जल्द अमेरिका के सभी मकसद पूरे करने की राह पर हैं।' उन्होंने ईरान को यह भी चेतावनी दी है कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ, तो हम उनके हर बिजली बनाने वाले प्लांट पर बहुत जोरदार हमला करेंगे और शायद एक साथ।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस लड़ाई को अमेरिका के लिए बेहतर और सुरक्षित भविष्य पक्का करने की कोशिश बताया है। ट्रंप ने कहा, 'यह आपके बच्चों और आपके नाती-पोतों के भविष्य में एक सच्चा निवेश है।

नेपाल में 130 करोड़ का रेस्क्यू घोटाला, 32 लोगों के खिलाफ मुकदमा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में विदेशी पर्यटकों के 'रेस्क्यू' और उपचार के नाम पर फर्जी दस्तावेज बनाकर करीब 130 करोड़ रुपये की बीमा राशि ठगने के मामले में संलिप्त 32 लोगों के खिलाफ काठमांडू जिला अदालत में मामला दर्ज किया गया है। नेपाल पुलिस के केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीआईबी) ने 15 मार्च को इस घटना से संबंधित जांच प्रतिवेदन सरकारी वकील कार्यालय को सौंपा था। प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद इस मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। सरकारी वकील रामहरि काफ्ले ने बताया कि इस मामले में आज सुबह ही मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि इसमें अब तक अध्ययन किया जा रहा था। इस मामले में अब तक 10 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। बाकी फरार हैं। इन लोगों पर 94 करोड़ 84 लाख 97 हजार 391 नेपाली रुपये, 29 लाख 98 हजार 823 अमेरिकी डॉलर और 14 हजार 500 यूरो ठगने का आरोप है। यह मामला 2022 का बताया गया है। 2022 में फॉरेन एक्सचेंज रेट के आधार पर कुल दावा राशि लगभग 130 करोड़ 42 लाख 43 हजार 505 रुपये आंकी गई है। सीआईबी के अनुसार, आरोपितों पर राष्ट्रहित के विरुद्ध अपराध, आपराधिक लाभ, दस्तावेज संबंधी अपराध और संगठित अपराध सहित चार संयुक्त आरोपों के तहत मुकदमा चलाने की सिफारिश की गई है। सरकारी वकील के मुताबिक इस मामले में 16 ट्रैकिंग कंपनियां, 5 रेस्क्यू कंपनियां, 3 अस्पताल, 4 हेलिकॉप्टर कंपनियां, 3 स्थानीय एजेंट और एक स्वतंत्र गाइड को आरोपी बनाया गया है। सीआईबी ने 25 जनवरी 2026 से इस मामले की जांच शुरू की थी। इस दौरान माउंटेन रेस्क्यू सर्विस, नेपाल चार्टर सर्विस और एवरेस्ट एक्सपीरियंस एंड असिस्टेंस समेत कई कंपनियों के मालिक और प्रबंधक सहित अन्य व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

यूएन चीफ ने भारत की शालिनी बहुगुणा को पापुआ न्यू गिनी में रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर काम कर चुकीं शालिनी बहुगुणा को पापुआ न्यू गिनी में निवासी समन्वयक (रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर) नियुक्त किया है। यूएन महासचिव गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि उनके पास अंतराष्ट्रीय संगठन के साथ काम करने का दशकों का अनुभव है। एक रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर के रूप में वह पापुआ न्यू गिनी में संयुक्त राष्ट्र की सर्वोच्च अधिकारी होंगी और वहां चल रहे 192 कार्यक्रमों के समन्वय का नेतृत्व करेंगी। रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर किसी देश में यूएन के सबसे ऊंचे रैंक के अधिकारी होते हैं, जो संयुक्त राष्ट्र प्रोग्राम पर काम करने वाले संगठनों की टीमों का नेतृत्व करते हैं। यूएन के मुताबिक, हाल ही में शालिनी बहुगुणा ने यूनिसेफ के साथ काम किया और एक्सेंचर के साथ पार्टनरशिप में एक

एआई रणनीति विकसित की। इससे पहले, वह तंजानिया में यूनिसेफ की रिप्रेजेंटेटिव थीं, जहां उन्होंने बच्चों के अधिकारों और देश के विकास की प्राथमिकता को आगे बढ़ाया। वह इथियोपिया और म्यांमार में यूनिसेफ की डिप्टी रिप्रेजेंटेटिव और नाइजीरिया में सामाजिक नीतियों और लिंग की प्रमुख रह चुकी हैं। शालिनी बहुगुणा ने भारत के विकास, पानी और सफाई के मुद्दों पर एक एनजीओ के लिए काम करने के साथ अपना करियर शुरू किया था और बाद में भारत सरकार और विश्व बैंक के वॉटर सेक्टर रिफॉर्म प्रोग्राम के साथ काम किया। ब्रिटेन के अंतरराष्ट्रीय विकास विभाग (डीएफआईडी) के साथ काम करने के दौरान उन्हें चीन, इंडोनेशिया और अफगानिस्तान भी जाना पड़ा। इसके अलावा उन्होंने तंजानिया में यूनिसेफ की प्रतिनिधि के रूप में बच्चों के अधिकारों और देश की विकास प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाया। शालिनी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्री राम कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। उनके पास ब्रिटेन की स्वानसी यूनिवर्सिटी से डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स और इंटरनेशनल डेवलपमेंट में मास्टर डिग्री है।

उनके पास अंतरराष्ट्रीय संगठनों, विशेष रूप से विकास, मानवीय और शांति स्थापना के क्षेत्रों में 20 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने एशिया और अफ्रीका के विभिन्न देशों में जटिल और सांस्कृतिक रूप से विविध टीमों का नेतृत्व किया है।

यूएन पापुआ न्यू गिनी में 85.5 मिलियन डॉलर के खर्च के साथ 192 प्रोग्राम में शामिल है। यह एक छोटा पैसिफिक देश है जिसकी सीमा इंडोनेशिया से लगती है और इसकी आबादी लगभग 1 करोड़ 30 लाख है।

ईरान के राष्ट्रपति ने अमेरिका को लिखा खुला पत्र, कहा-अमेरिकी जनता से कोई दुश्मनी नहीं

एजेंसी

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने कहा कि ईरानी जनता अमेरिकी लोगों के प्रति कोई दुश्मनी नहीं रखती है। वहीं, उन्होंने अमेरिकी प्रशासन पर ईरान के खिलाफ 'इज़रायल के प्रतिनिधि (प्रॉक्सी)' के रूप में लड़ने का आरोप लगाया। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने ये टिप्पणियां अमेरिकी जनता को संबोधित एक पत्र में कीं, जिसमें उन्होंने अमेरिका और इज़रायल के साथ चल रहे युद्ध को लेकर ईरान के रुख को विस्तार से बताया। पेज़ेश्कियन ने कहा, 'ईरानी लोग अमेरिका, यूरोप या पड़ोसी देशों के लोगों सहित किसी भी अन्य राष्ट्र के प्रति दुश्मनी नहीं रखते।' उन्होंने कहा, 'अपने गौरवशाली इतिहास के दौरान बार-बार विदेशी हस्तक्षेप और दबावों का सामना करने के बावजूद, ईरानियों ने हमेशा सरकारों और उनके लोगों के बीच स्पष्ट अंतर किया है।'

पेज़ेश्कियन ने कहा कि ईरान ने 'अपने आधुनिक इतिहास में कभी भी आक्रामकता, विस्तारवाद, उपनिवेशवाद या प्रभुत्व का रास्ता नहीं चुना', जबकि उसे वैश्विक शक्तियों द्वारा कब्जे, आक्रमण और दबाव का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि ईरान को खतरे के रूप में प्रस्तुत करना इज़रायल द्वारा गढ़ी गई कहानी है जिसका उद्देश्य 'फिलिस्तीनियों के खिलाफ अपने अपराधों से वैश्विक ध्यान हटाना' है। पेज़ेश्कियन ने ईरान के आसपास अमेरिकी सैन्य जमावड़े और ठिकानों का जिक्र करते हुए कहा कि इन ठिकानों से शुरू हुई अमेरिकी 'आक्रामकताएं' यह दिखाती हैं कि ऐसी सैन्य मौजूदगी कितनी खतरनाक हो सकती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आने वाले दिनों में ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले की धमकी के जवाब में उन्होंने कहा कि देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमला सीधे ईरानी जनता को निशाना बनाना है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे कदम 'युद्ध अपराध' हैं और इनके प्रभाव ईरान की सीमाओं से बाहर तक जाएंगे। पेज़ेश्कियन ने कहा कि अमेरिका इज़रायल के 'प्रॉक्सी' के रूप में और उसके प्रभाव में आकर ईरान के साथ युद्ध में शामिल हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि इज़रायल अपने 'अवैध हितों' के लिए 'आखिरी अमेरिकी सैनिक और आखिरी अमेरिकी करदाता के पैसे तक' ईरान से लड़ना चाहता है। उन्होंने सवाल किया, 'क्या 'अमेरिका फर्स्ट' वास्तव में आज अमेरिकी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है?' उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय 'एक चौराहे पर खड़ी है।

ट्रंप के संबोधन से पहले यूएई पर मिसाइल और ड्रोन से हमला

एजेंसी

अबू धाबी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्र के नाम संबोधन से कुछ देर पहले ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर हमला किया। ईरान ने यूएई में मिसाइल और ड्रोन की बौछार कर दी। इसकी पुष्टि यूएई के रक्षा मंत्रालय ने की। सीएनएन की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार तड़के बताया कि देश के एयर डिफेंस सिस्टम इस समय आने वाली मिसाइलों और ड्रोन के खतरों को रोकने का काम कर रहे हैं। यह जानकारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण शुरू करने से कुछ ही देर पहले दी गई। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि पूरे देश में सायरन बज रहे हैं और जनता को सलाह दी गई है कि वे शांत रहें। साथ सुरक्षा और बचाव संबंधी निर्देशों का पालन करें। उल्लेखनीय है कि मार्च में ईरान ने इजराइल-अमेरिका के संयुक्त हमलों के जवाब में संयुक्त अरब अमीरात पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। 31 मार्च तक यूएई रक्षा बलों ने 433 बैलिस्टिक मिसाइलों और 1,977 से अधिक ड्रोन को नष्ट करने का दावा किया। कुछ हमले फुजैराह तेल क्षेत्र और दुबई हवाई अड्डे के पास हुए। इन हमलों में तीन सैन्यकर्मियों सहित 12 लोगों की मौत हुई है। ईरान ने क्षेत्रीय तनाव के बीच यूएई के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है। यह हमला 2022 के हूती विद्रोहियों के हमले से अधिक गंभीर है।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने लोगों से युद्ध पीड़ितों के सम्मान में पौधे लगाने का किया आग्रह

एजेंसी

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने ईरानी लोगों से अपील की है कि वे अमेरिका-इज़राइल हमलों में मारे गए लोगों की स्मृति में पौधे लगाएं और इसे समृद्धि, आशा और 'दुश्मनों' के खिलाफ एक राष्ट्रीय प्रतिक्रिया का प्रतीक बनाएं। समाचार एजेंसी ने बताया कि उन्होंने ये बातें दिए गए एक संदेश में कहीं, जो इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की स्थापना की 47वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में था। साथ ही यह पारंपरिक अवसर 'सिज़दाह बेदार' या 'नेचर डे' से पहले दिया गया, जो नवरोज़ त्योहार के समापन का प्रतीक है और 2 अप्रैल को मनाया जाता है। खामेनेई ने अमेरिका और इज़रायल के खिलाफ संघर्ष में ईरानी जनता की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा कि 'निर्दयी दुश्मन' अपनी क्रूरता में कोई सीमा नहीं जानते और उन्होंने अपने हमलों में ईरान की प्रकृति और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने सभी ईरानी शहरों और गांवों के लोगों से अपील की कि वे संबंधित सरकारी संस्थानों के सहयोग से नेचर डे से लेकर वसंत ऋतु के अंत (21 जून) तक पौधे लगाने का अभियान जारी रखें।

28 फरवरी को इज़रायल और अमेरिका ने तेहरान और ईरान के कई अन्य शहरों पर संयुक्त हमले किए थे, जिसमें ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई सहित वरिष्ठ सैन्य कमांडरों और नागरिकों की मौत हो गई थी। इसके जवाब में ईरान ने इज़राइल और मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों और संपत्तियों को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमलों की श्रृंखला शुरू की। इस बीच, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने कहा कि ईरानी जनता अमेरिकी लोगों के प्रति कोई दुश्मनी नहीं रखती है जबकि उन्होंने अमेरिकी प्रशासन पर ईरान के खिलाफ 'इज़राइल के प्रॉक्सी' के रूप में लड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने ये टिप्पणियां अमेरिकी जनता को संबोधित एक पत्र में कीं, जिसमें उन्होंने अमेरिका और इज़रायल के साथ चल रहे युद्ध को लेकर ईरान के रुख को विस्तार से बताया। पेज़ेश्कियन ने कहा, 'ईरानी लोग अमेरिका, यूरोप या पड़ोसी देशों के लोगों सहित किसी भी अन्य राष्ट्र के प्रति दुश्मनी नहीं रखते।' उन्होंने कहा, 'अपने गौरवशाली इतिहास के दौरान बार-बार विदेशी हस्तक्षेप और दबावों का सामना करने के बावजूद, ईरानियों ने हमेशा सरकारों और उनके लोगों के बीच स्पष्ट अंतर किया है।'

पेज़ेश्कियन ने कहा कि ईरान ने 'अपने आधुनिक इतिहास में कभी भी आक्रामकता, विस्तारवाद, उपनिवेशवाद या प्रभुत्व का रास्ता नहीं चुना,' जबकि उसे वैश्विक शक्तियों द्वारा कब्जे, आक्रमण और दबाव का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि ईरान को खतरे के रूप में प्रस्तुत करना इज़रायल द्वारा गढ़ी गई कहानी है, जिसका उद्देश्य 'फिलिस्तीनियों के खिलाफ अपने अपराधों से वैश्विक ध्यान हटाना' है।

पेज़ेश्कियन ने ईरान के आसपास अमेरिकी सैन्य जमावड़े और ठिकानों का जिक्र करते हुए कहा कि इन ठिकानों से शुरू हुई अमेरिकी 'आक्रामकताएं' यह दिखाती हैं कि ऐसी सैन्य मौजूदगी कितनी खतरनाक हो सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आने वाले दिनों में ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले की धमकी के जवाब में उन्होंने कहा कि देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमला सीधे ईरानी जनता को निशाना बनाना है।

उन्होंने जोर दिया कि ऐसे कदम 'युद्ध अपराध' हैं और इनके प्रभाव ईरान की सीमाओं से बाहर तक जाएंगे। उन्होंने सवाल किया, 'क्या 'अमेरिका फर्स्ट' वास्तव में आज अमेरिकी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है?' उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय 'एक चौराहे पर खड़ी है,' जहां उसे टकराव और संवाद के बीच चयन करना होगा।

page 1 and 8 Apr 3_page 1 Mar 25 final ds.qxd 4/3/2026 12:14 AM Page 2

स्थानीय समाचार

पूर्णिमा पर रांजड़ी में साहिब बंदगी के सद्गुरु साहिब जी के प्रवचन, श्रद्धालु हुए मंत्रमुग्ध

जम्मू, 02 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू के रांजड़ी क्षेत्र में पूर्णिमा के पावन अवसर पर साहिब बंदगी के सद्गुरु साहिब जी ने अपने दिव्य प्रवचनों से दूर-दूर से आए श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान उन्होंने सृष्टि की उत्पत्ति, आत्मा के स्वरूप और अमर लोक के रहस्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब न माया थी, न काल और न ही अवतारों का अस्तित्व था, केवल एक परम तत्व ही विद्यमान था। उन्होंने बताया कि अमर लोक समय, जन्म-मरण और नाश से परे है, जहाँ न दिन-रात का कोई भेद है और न ही भय का अस्तित्व। सद्गुरु साहिब जी ने कहा कि आत्मा परमात्मा का अंश है और सच्चा सुख उसी अमर लोक में निहित है। उन्होंने वर्तमान संसार को दुखों का घर बताते हुए कहा कि सभी प्राणी सुख की तलाश में भटक रहे हैं जबकि वास्तविक शांति और आनंद परम पुरुष की भक्ति में ही संभव है।

उन्होंने संतों की वाणी का उल्लेख करते हुए कहा कि सच्चे संतों ने सदैव परम तत्व की भक्ति का मार्ग दिखाया, भले ही इसके लिए उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। उन्होंने कबीर साहिब के विचारों का संदर्भ देते हुए कहा कि आत्मा के वास्तविक रक्षक को जानना ही सच्ची साधना है। प्रवचन के दौरान उन्होंने卐नाम卐 की महत्ता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि गुरु द्वारा दिया गया नाम व्यक्ति के भीतर एक दिव्य शक्ति का संचार करता है, जिससे नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव समाप्त हो जाता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त कर स्वयं को धन्य महसूस किया।

प्राकृतिक वादियों में छात्रों ने किया मनोरंजन, आपसी तालमेल और उत्साह का प्रदर्शन

जम्मू, 02 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू के जीजीएम साइंस कॉलेज द्वारा छात्रों के लिए एक दिवसीय पिकनिक का आयोजन पटनीटॉप में किया गया जिसमें विद्यार्थियों को प्राकृतिक वातावरण के बीच सुकून, आपसी संवाद और ताजगी का अनुभव प्राप्त हुआ।

यह पिकनिक कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित की गई जबकि इसका सफल संचालन कॉलेज की पिकनिक एवं टूर समिति द्वारा संयोजक प्रो. कमल किशोर की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए इसे दो बैचों में आयोजित किया गया। पहले बैच में सेमेस्टर 2 और 8 के छात्र शामिल हुए जबकि दूसरे बैच में सेमेस्टर 4 और 6 के

विद्यार्थियों ने भाग लिया।

पटनीटॉप की हरी-भरी वादियों, सुहावने मौसम और मनमोहक प्राकृतिक दृश्यों ने छात्रों को पढ़ाई के तनाव से दूर सुकून भरे पल बिताने का अवसर दिया। इस दौरान विभिन्न मनोरंजक गतिविधियां, समूह संवाद और दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया गया जिससे छात्रों और शिक्षकों के बीच आपसी तालमेल और मजबूत हुआ।

पूरा कार्यक्रम अनुशासन और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ जिसमें छात्रों और शिक्षकों का सहयोग सराहनीय रहा। पिकनिक के समापन पर प्राचार्य ने आयोजन समिति और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे सुरक्षित, सफल और यादगार आयोजन बताया। उन्होंने छात्रों के अनुशासन और उत्साह की भी प्रशंसा की जिसने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जम्मू में श्री हनुमान जयंती धूमधाम से मनाई गई

जम्मू, 02 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू के सुभाष नगर स्थित दुर्गा मंदिर में श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट द्वारा श्री हनुमान जयंती का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर 108 बार हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ, विधिवत पूजा-अर्चना तथा भगवान को भोग अर्पित किया गया।

ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि यह पर्व हर वर्ष बड़े धूमधाम से मनाया जाता है और यह सह-अस्तित्व तथा प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने का संदेश देता है।

उन्होंने कहा कि भगवान हनुमान जो वानर समुदाय से थे, सनातन धर्म में दैवीय स्वरूप में पूजे जाते हैं और उनके जीवन से सभी वर्गों को प्रेरणा मिलती है।

उन्होंने आगे कहा कि हनुमान जी बल, पराक्रम, साहस और स्वामीभक्ति के प्रतीक हैं जिससे विशेष रूप से युवाओं, पहलवानों और ब्रह्मचारियों को प्रेरणा मिलती है।

कार्यक्रम के अंत में ट्रस्ट के ट्रस्टी आर. के. छिब्बर ने युवाओं से पर्यावरण संरक्षण और अपने आसपास हरियाली बनाए रखने की अपील की।

उन्होंने नशे से दूर रहने तथा समाज में भाईचारा और मानवता को मजबूत करने का संदेश दिया। इस अवसर पर मंदिर प्रबंधक समिति के अध्यक्ष एम.एल. वर्मा सहित कई गणमान्य लोग और ट्रस्ट के सदस्य उपस्थित रहे।

कीवी फल की खेती

चाइनीज़ गूजबैरी जो कि 'कीवी फल' के नाम से प्रसिद्ध है, एक महत्त्वपूर्ण फल है। कीवी का उत्पति स्थल चीन है, हालांकि कीवी को चीन के अलावा न्यूज़ीलैंड, इटली, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, पाकिस्तान, ईरान,नेपाल, चिली, स्पेन और भारत में भी उगाया जा रहा है.

भारत में कीवी फल की खेती हिमालय के मध्यवर्ती, निचले पर्वतीय क्षेत्रों, घाटियों तथा मैदानी क्षत्रों में जहां सिंचाई की सुविधा हो, सफलतापुर्वक की जा सकती है। इसकी खेती हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, मेघालय , सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर के पहाड़ी क्षेत्रों में की जा रहा है. इसकी खेती मैदानी राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, केरल में भी की जाने लगी है.

कीवी में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है. यह अनिंद्रा रोग को दूर करता है और पाचन क्रिया को सही करता है. आयरन का भी बेहतरीन स्त्रोत है.

▶▶ कीवी फल की खेती हेतु जलवायु

कीवी फल की बेल अंगूर की तरह होती है, सर्दियों में इसके पत्ते झड़ जाते हैं। भारत के हल्के उपोष्ण और हल्के शीतोष्ण जलवायु वाले क्षेत्र जिनकी समुद्रतल से ऊंचाई 1000 से 2500 मीटर, 150 सेंटीमीटर औसत वार्षिक वर्षा तथा सर्दियों में । डिग्री सेल्सियस तापमान लगभग 100 से 200 घण्टों का मिल सकता हो, वहां इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। बसन्त ऋतु के दूसरे सप्ताह में बेल में अंकुर फूटने के समय कोहरा नहीं पड़ना चाहिए, और इसके अलावा तेज गर्मी, आंधी तथा ओलावृष्टि से भी पौधों की पत्तियों, फूलों तथा फलों को क्षति पहुच सकती है। इसलिए साथ में वायु अवरोधक तथा उचित सिंचाई का प्रबन्ध करके आसानी से उगाया जा सकता है। इस लेख के द्वारा कीवी फल की खेती कैसे करें, इसके लिए उपयुक्त जलवायु, भूमि, किस्में, देखभाल, पैदावार आदि की जानकारी के बारें में किसान और बागवान भाइयों को अवगत करवाएँगे, जिससे वे कीवी फल की खेती से उत्तम पैदावार प्राप्त कर सकें।

▶▶ कैसे उगायें

कीवी का पौधा एक बेल होती है जो 9 मीटर तक बढ़ सकती है और यह 4 से 5 वर्ष के बाद फल देना शुरू कर देती है. अंगूर की बेलों की तरह ही इसकी बेलें बढ़ती हैं।

फूल आने से फसल पकने तक की अवधि लगभग 100 दिन होती है. कीवी को पाले से बचाना बहुत जरुरी होता है. इसके फल नवम्बर महीने से पकने शुरू हो जाते हैं. कीवी को काफी पानी की आवश्यकता होती है इसलिए सिंचाई का उचित प्रबंध होना चाहिए.

कीवी फल की खेती के लिए गहरी, उपजाऊ, अच्छी जल निकासी वाली, बलुई रेतीली दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है। जिसका पीएच मान 5.0 से 6.0 के बीच हो और पानी का समुचित निकास हो सके वह कीवी फल की बेलों की बढ़ोत्तरी के लिए सबसे उपयुक्त होती है। इसकी बेलें ज्यादा लवणयुक्त भूमि के प्रति सहनशील हैं और साधारणतया इसको 0.25 पीपीएम से कम बोरान व सोडियम लवण तथा 0. ।5 से कम विद्युत चालकता, जिसका पीएच ।.3 से कम हो ऐसी भूमि में सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है।

▶▶ किस्में

भारत में कीवी फल की खेती की प्रमुख मादा किस्में एलिसन, ब्रूनो, हेवर्ड, मोन्टी और एबट तथा नर किस्में एलीसन व तोमुरी हैं। जो कि एक्टीनिडिया डेलीसियोसा के अन्तर्गत आती हैं। चीन में लगभग दो तिहाई उत्पादन एक्टीनिडिया चाइनेन्सिस का होता है। इस कीवी फल किस्म के फल कम रोंयेदार और पकने पर चिकने हो जाते हैं। भारत में उपलब्ध किस्मों का विस्तृत विवरण इस प्रकार है, जैसे-

एबट- इस कीवी फल किस्म का मध्यम परिमाण वाला अण्डाकार फल, स्वाद में मीठा, फूल का अन्य किस्मों से अपेक्षाकृत पहले खिलना, फल का औसतन भार 50 से 60 ग्राम, अपेक्षाकृत कम शीतन घंटों की आवश्यकता होती है।

एलिसन- इसका फल लम्बाई के अनुपात में कुछ मोटा, मीठा, एबट के बाद फूलने और मध्य समय में पकने और अधिक पैदावार देने वाली किस्म, एबट से मिलता जुलता फल, फल का भार लगभग 60 से ।0 ग्राम होता है।

ब्रूनो- इसका फल बड़े आकार का लम्बूतरा, गहरे भूरे रंग का, अधिक पैदावार देने वाली किस्म, हेवर्ड की अपेक्षा फल छोटा, फल का भार लगभग 60 ग्राम होता है।

हेवर्ड- इस कीवी फल किस्म के फल अन्य किस्मों से अपेक्षाकृत गोल, आकार में बड़ा, देरी से फूलने वाली किस्म, लम्बी अवधि तक 4 से 6 महीने भण्डारण योग्य फल, अधिक प्रचलित किस्म, फल कुछ कम मिठास वाला, फल का औसतन भार लगभग 90 से 120 ग्राम होता है।

मौन्टी- कीवी फल किस्मों में सबसे बाद फूलने वाली, अधिक फलदायक और ज्यादा फलन वाली किस्म, फल लम्बूतरा, परन्तु डण्डी की ओर कुछ नुकीला, फल का औसतन भार 60 से ।0 ग्राम, फल विरलन आवश्यक है।

▶▶ पौधे तैयार करना (प्रवर्धन)

किवी फल की खेती के पौधे बीजू पौधे पर बडिंग या कलम करके तैयार किए जाते हैं, विधि इस प्रकार है, जैसे-

बडिंग- कीवी फल के बीज से पौधे तैयार करने के लिए बीज पूर्ण रूप से पके फलों से लें। बीजों को फलों से निकाल कर अच्छी तरह साफ करके छाया में सुखायें। अच्छे अंकुरण के लिए बीजों को एक सप्ताह के अन्दर ही बीज देना चाहिए। मध्यवर्ती ठण्डे पहाड़ी क्षेत्रों में बीज को सीधा क्यारियों में लगाकर मल्चिंग करें। किन्तु मध्यवर्ती गर्म क्षेत्रों में बीजों को लगभग 10 सप्ताह दिसम्बर से फरवरी या जनवरी से मध्य मार्च तक गीली रेत में रख कर स्तरीकरण (स्टैटिफिकेशन) करके फिर नर्सरी में लगायें।

इसके बाद क्यारियों पर मल्चिंग करें। जुलाई तक पौध पर छाया रखें, यदि फलों से बीज निकलने के बाद उन्हें 1 हफ्ते में बीज दिया जाए तो अंकुरण अच्छा होता है। जब इनमें 4 से 5 पत्ते आ जाये तो मई या जून महीने में नर्सरी में लगायें। एक वर्ष पुराने पौधों पर टंग ग्राफ्टिंग जनवरी से मध्य फरवरी तक करें।

कलम लगाकर- सामान्यतया कलम लगाने के लिए शीशे या पोलीथीन के बने घर जिसमें फुहार की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। लकड़ी के बने बक्सों, जिसमें बालू, सड़ी खाद, मिट्टी, लकड़ी का बुरादा और कोयले का चूरा 2-2-1-1 के अनुपात के मिश्रण बनाकर भर लेते है। कीवी फल की दिसम्बर से जनवरी के महीने के कटाई-छंटाई के दौरान निकली शाखाओं को जमीन में दबा देते हैं और फरवरी से मार्च के महीने में ज्यों ही थोड़ा सा तापमान बढ़ जाता है, उस समय शाखाओं को जमीन से निकालकर 15 से 20 सेंटीमीटर की कलमें, जिसमें कम से कम तीन कलियाँ हों, के निचले शिरों को 2500 मिलीग्राम प्रतिलिटर पानी इन्डोल ब्यूटारिक एसिड और 2500 मिलीग्राम प्रतिलिटर पानी नैपथलिन एसिटिक एसिड के मिश्रित घोल में 25 से 30 सैकिंड डुबोकर लकड़ी के बक्सों में लगा देते है। पाली हाउस में रखे इन वक्सों को 15 से 20 मिनट के अन्तराल पर क्रमश: 2 से 3 मिनट तक फुहार को कम से कम 5 से 6 घंटे दिन में उपलब्ध कराते रहें।

इस विधि से लगाने में कम से कम 85 से 90 प्रतिशत सफलता होती है। अगले वर्ष दिसम्बर से जनवरी के महीने में इन कलमों को फुहार घर से निकालकर पौध रोपण के लिए लगाया जा सकता है।

▶▶ खेत की तैयारी और पौधे लगाना

कीवी फल के पौधे टी बार या निफिन विधियों से 5 से 6 मीटर पौधे से पौधे और 4 मीटर पंक्ति से पंक्ति की दूरी पर सर्दी के मौसम दिसम्बर से जनवरी में पहले से तैयार किए हुए गड्ढों में लगा देते है। अगर सधाई परगोला विधि से करनी हो, तो पंक्तियों का आपसी अन्तर 6 मीटर रखना चाहिए। कीवी फल के पौधों को लगाने के बाद चारों तरफ से मिट्टी को दबाकर तुरन्त सिंचाई करना आवश्यक होता है। पौध लगाने के बाद पाले से बचाने के लिए पौधों को सूखे घास या खरपतवार से ढक देना चाहिए व सिंचाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। करीब 1 फुट तक पूनिंग करने पर पौधे तेजी से बढ़ते हैं।

▶▶ परागण

कीवी फल के नर और मादा पौधे अलग-अलग होते हैं (यह एकलिंगी पौधा होता है), इसलिए उत्तम फल उत्पादन हेतु दोनों तरह के पौधे लगाना आवश्यक होता है ताकि अच्छी तरीके से परागण हो सके और ज्यादा उत्पादन लिया जा सके । एलिसन या तोमूरी नर पौधा परागण के लिए लगाना आवश्यक है। आठ से नौ मादा पौधों के साथ एक नर पौधा लगाना चाहिए। परागण कीटों द्वारा होता है।

कंबाइन हार्वेस्टर एक बहुउपयोगी व उन्नत कृषि उपकरण

कंबाइन हार्वेस्टर एक बहुउपयोगी व उन्नत कृषि उपकरण है जो खड़ी फसलों जैसे गेहूं, धान, चना, सरसों, सोयाबीन, सूरजमुखी व मूंग की कटाई, कुटाई (दौनी) व दानों की सफाई में काम आता है। इस मशीन का उपयोग करने से एक ओर जहां श्रम लागत घटती है वहीं समय की भी बचत होती है। इस मशीन के उपयोग से किसान खेती के कार्यों को सुगमता से करके अपना मुनाफा बढ़ा सकता है।

कंबाइन हार्वेस्टर मशीन के प्रकार

कंबाइन हार्वेस्टर मुख्यत- दो प्रकार के होते हैं।

1. स्वचालित कंबाइन हार्वेस्टर
2. ट्रैक्टर चालित कंबाइन हार्वेस्टर

स्वचालित कंबाइन हार्वेस्टर

इस प्रकार के हार्वेस्टर में पूरी मशीनरी फिट रहती है। मशीनरी अपनी शक्ति से इंजन व अन्य भागों को संचालित करती है। जिससे फसल की कटाई, कुटाई (दौनी) व दानों की सफाई का काम सुगमता से होता है।

ट्रैक्टर चालित कंबाइन हार्वेस्टर

इस प्रकार की हार्वेस्टर मशीन को ट्रैक्टर के साथ जोडक़र चलाया जाता है। यह मशीन ट्रैक्टर के पीटीओ से चलती है। ट्रैक्टर से कंबाइन को चलाकर फसल की कटाई की जाती है।

जानें, खेत में कैसे कार्य करती है कंबाइन हार्वेस्टर मशीन

बाजार में विभिन्न कंपनियों की कंबाइन हार्वेस्टर मशीनें उपलब्ध है। इन कंबाइन हार्वेस्टर मशीनों में सबसे आगे 2 से 6 मीटर लंबे कटरबार (दांतेदार फसल काटने की पट्टी) लगे होते हैं। इस मशीन से फसलों की कटाई, गहाई, पंखा करना, बीज व दाने को सफाई की जाती है। कंबाइन हार्वेस्टर की रील का काम खड़ी फसल को काटने वाली यूनिट तक पहुंचाना होता है। कटर बार के चाकू से फसल काटता है। इसके बाद फसल कन्वेयर बेल्ट के जरिए रेसिंग यूनिट में पहुंच जाती है। यहां पर फसल के दाने ड्रेसिंग ड्रम और कंक्रीट क्लीयरेंस से रगडऩे पर अलग-अलग हो जाते हैं। साथ ही छलनी से अनाज साफ हो जाता है और ब्लोवर से पैरा अलग हो जाता है। कंबाइन हार्वेस्टर में एक स्टोन ट्रैप यूनिट लगी होती है, जो कि फसल के साथ आने वाले कंकड़, मिट्टी आदि को अलग कर देता है।

▶▶ कंबाइन हार्वेस्टर मशीन के फायदे / विशेषताएं

ज़ कंबाइन हार्वेस्टर मशीन का उपयोग करने से मजदूरों की समस्या दूर होती है। साथ ही कम समय में ज्यादा काम किया जा सकता है।

• इस मशीन के उपयोग से एक बार में ही फसल की कटाई, कुटाई (दौनी) और फसल के दानों की सफाई एक साथ हो जाती है। ये कार्य बहुत कम लागत और कम समय में पूरे हो जाते हैं।

• कंबाइन हार्वेस्टर से फसल की कटाई के बाद फसल का अवशेष खेत में ही रह जाता है, जो सडऩे के बाद खाद में तब्दील हो जाता है। इसे मिट्टी में मिलाकर उर्वरा शक्ति को बढ़ाया जाता है।

• इस मशीन के उपयोग से किसान प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से बच सकते हैं और समय रहते फसलों की कटाई कर सकते हैं।

• कंबाइन हार्वेस्टर मशीन से किसान खेत में आड़ी-तिरछी पड़ी फसल को भी काट सकते हैं।

• कंबाइन हार्वेस्टर मशीन से काटी गई फसल का उपयोग बीज उत्पादन में भी किया जा सकता है।

• बढिय़ा कंपनी का हार्वेस्टर एक घंटे में 4 से 5 एकड़ क्षेत्र में फसलों की कटाई कर सकता है।

▶▶ कंबाइन हार्वेस्टर सब्सिडी

अलग-अलग राज्यों में समय-समय पर कंबाइन हार्वेस्टर पर सब्सिडी उपलब्ध कराई जाती है। सब्सिडी की दर राज्यानुसार अलग-अलग होती है। सामान्यत- लघु, सीमांत व महिला किसानों को 50 प्रतिशत व बड़े किसानों को 40 प्रतिशत सब्सिडी उपलब्ध कराई जाती है।

▶▶ कंबाइन हार्वेस्टर की कीमत

खेती में कृषि उपकरणों का प्रयोग लगातार बढ़ रहा है। इस समय देश में करीब 20 से अधिक प्रसिद्ध कंपनियां कंबाइन हार्वेस्टर का निर्माण कर रही है। कंबाइन हार्वेस्टर अपने फीचर्स और स्पेसिफिकेशन्स के अनुसार 10 लाख रुपए से लेकर 50 लाख रुपए के बीच बाजार में उपलब्ध है। इसकी कीमत कटर बार पर निर्भर करती है।

▶▶ मिनी कंबाइन हार्वेस्टर की कीमत

कई कंपनियां मिनी कंबाइन हार्वेस्टर भी बनाती है। मिनी कंबाइन हार्वेस्टर की कीमत 5 लाख रुपए से शुरू हो जाती है।

▶▶ देश में कंबाइन हार्वेस्टर बनाने वाली प्रमुख कंपनियां

दशमेश, हिन्द एग्रो, क्लास, प्रीत, करतार, न्यू हिन्द, केएस ग्रुप, एग्रीस्टार, न्यू हॉलैंड, ऐस, लैंडफोर्स, विशाल, जॉन डियर, इंडो फार्म, शक्तिमान, बख्शिश, कुबोटा, महिंद्रा, यानमार।

▶▶ कंबाइन हार्वेस्टर ऑनलाइन खरीद

प्रमुख कंपनियों के कंबाइन हार्वेस्टर की ऑनलाइन खरीद, फीचर्स, स्पेसिफिकेशन्स और कीमत जानकारी, निकटतम डीलर आदि पर उपलब्ध है।

▶▶ गेहूं की कटाई के लिए बेहतरीन छोटी कृषि मशीन

गेहूं की फसल में किसान भाइयों के सामने सबसे बड़ी परेशान उनकी कटाई को लेकर हैं. जिसमें किसानों की काफी लागत लगती हैं.लेकिन घबराएं नहीं आज हम आपके लिए कम कीमत पर गेहूं कटाई करने वाली मशीन को लेकर आए है.

गेहूं की कटाई का सीजन शुरू होने को है. ऐसे में किसान भाइयों के लिए गेहूं की फसल को काटना और उसे संभालकर अपने घर में ले जाना. उनके लिए बड़ी परेशानी होती हैं.

देश में बढ़ती महंगाई के चलते छोटे व मध्यवर्गीय किसानों के लिए गेहूं की कटाई के लिए बड़ी मशीन खरीदना बेहद मुश्किल होता है. जिस कारण से वह इन महंगी और बड़ी कृषि मशीन को नहीं खरीद पाता हैं.

देखा जाए, तो मशीनीकरण के आने से किसानों की खेती करना बहुत ही आसान हो गया है. तो आइए आज हम इस लेख में गेहूं कटाई के बेहतरीन छोटी मशीनों के बारे में जानते हैं. जिसका इस्तेमाल करके आप अपने मेहनत और लागत पर बच सकते हैं. आपको बता दें कि यह सभी गेंहू कटाई मशीन बेहद कम लागत पर किसान खरीद सकते हैं.

▶▶ रीपर कृषि यंत्र

वैसे तो बाजार में कई बेहतरीन और नई तकनीकों की कृषि मशीन उपलब्ध है, लेकिन रीपर कृषि मशीन को गेहूं की फसल कटाई के लिए उत्तम माना जाता है. इस कृषि मशीन की सहायता से किसान अपनी गेहूं की फसल की कटाई आसानी से कर सकते हैं.

इस मशीन को आप अपने घर की कम जगह पर भी आसानी से रख सकते हैं. क्योंकि यह मशीन छोटी होती है, जिसे छोटे और मध्यवर्गीय किसानों के लिए ही तैयार किया गया है.

इस मशीन की मुख्य विशेषता यह है कि यह फसल के 1 से 2 इंच ऊपर तक कटाई करता है. इस मशीन का कुल वजन 8 से 10 किलोग्राम तक होता है. जिसे आप आसानी से कहीं भी ले जा सकते हैं. यह एक कम ईंधन खपत मशीन है.

इस मशीन से आप गेहूं, मक्का, धान, धनिया और ज्वार की फसल को भी कटा सकते हैं. बस आपको इसमें अन्य फसल की कटाई के लिए ब्लेड बदलने की जरूरत होती है. जिसे आप अपने से भी बदल सकते हैं. यह मशीन किसानों के लिए बेहद किफायती है. भारतीय बाजार में रीपर कृषि मशीन की कीमत लगभग 15 से लेकर 40 हजार रुपए तक है.

▶▶ जानें, रीपर बाइंडर मशीन के फायदे और कीमत

रीपर बाइंडर मशीन श्रम लागत में कटौती करके किसानों को बहुत फायदा पहुंचाती है। आज सभी जानते हैं कि इस समय देश के खेतों में रबी की फसल लहलहा रही है। महीने के अंतिम दिनों से फसल कटाई का काम शुरू हो जाएगा, जो मई माह तक चलेगा। फसल कटाई के लिए श्रमिकों की आवश्यकता होगी। वहीं देश में एक साथ कटाई का सीजन शुरू होने पर अमूमन हर साल श्रमिकों की कमी हो जाती है और मजदूरी बढ़ जाती है। कोरोना लॉकडाउन के बाद से कई प्रदेशों में श्रमिकों की संख्या में कमी आई है। लेकिन आधुनिक किसानों को अब परेशान होने की जरुरत नहीं है। इस पोस्ट में हम आपको रीपर बाइंडर मशीन के बारे में संपूर्ण जानकारी देंगे। यह मशीन 40 मजदूरों के बराबर काम करती है और एक घंटे में एक एकड़ जमीन की फसल काट सकती है।

▶▶ क्या है रीपर बाइंडर मशीन

कई मशीनों ने कृषि के कार्य को आसान बना दिया है। जिन कामों को करने में पहले कई दिन लग जाते थे, वो काम अब कुछ घंटों में हो जाते हैं। पहले फसलों की कटाई में लंबा समय और श्रमिक श्रम लगता था लेकिन अब फसल कटाई मशीनों ने इस काम को और आसान बना दिया है। रीपर बाइंडर मशीन को फसल की कटाई के लिए बनाया गया है। यह मशीन फसल की कटाई के साथ-साथ रस्सियों से उनका बंडल भी बनाती है। इस यंत्र की सहायता से खेत में 5 से 7 सेमी ऊपर फसल की कटाई आसानी से की जा सकती है। इस यंत्र के कारण भूसे का नुकसान नहीं होता है। इस मशीन से 85 सेमी से 110 सेमी ऊंचाई वाली गेहूं, जौ, धान, जेई और अन्य फसलों की आसानी से कटाई कर बंडल बनाया जाता है।

▶▶ रीपर बाइंडर और कंबाइन हार्वेस्टर में अंतर

रीपर बाइंडर और कंबाइन हार्वेस्टर दोनों ही मशीन फसल की कटाई में काम आती है। रीपर बाइंडर मशीन छोटे किसानों के लिए उपयोगी है। वहीं कंबाइन हार्वेस्टर बड़े किसानों के लिए उपयोगी है। रीपर बाइंडर मशीन की सहायता से जमीन से 5 से 7 सेमी ऊपर फसल की कटाई आसानी से की जा सकती है और भूसे का नुकसान नहीं होता है।